@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 19 मई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 194 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा कैंप जनसेवा केंद्र में होंगे तब्दील

● आदिवासियों को नौकरी में मिलेगा 15 फीसदी आरक्षण: अमित शाह

एजेंसी

बस्तर । छत्तीसगढ़ के बस्तर में सोमवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 'शहीद वीर गुण्डाधुर सेवा डेरा' जन सुविधा केंद्र के शुभारंभ के मौके पर कहा कि हमारे सुरक्षा बलों ने नक्सलमुक्त भारत बनाने के लिए छत्तीसगढ़ में जहां-जहां सुरक्षा कैंप बनाकर सिक्योरिटी वैक्यूम समाप्त किए थे, अब वहां कॉमन सर्विस सेंटर बनाए जा रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि आज का दिन सचमुच एक ऐतिहासिक दिन है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि महज छह महीनों के भीतर, यह केंद्र जो अभी केवल एक सरकारी पहल जैसा दिखता है, स्थानीय आदिवासियों की मौजूदगी और उनकी हंसी-खुशी से गुलजार, जीवन से भरपूर नजर आएगा। जिस जमीन पर मैं आज खड़ा हूं, वह अपने आप में भारत के हर नागरिक के लिए एक पवित्र तीर्थस्थल है। यह शहीद वीर गुंडा धुर की जन्मभूमि और कर्मभूमि है। आज, उनसे प्रेरणा लेते हुए नेतानार कैंप (जो 2013 से एक सुरक्षा चौकी के रूप में काम कर रहा था) अब आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए समर्पित एक सेवा केंद्र में बदला जा रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि आजादी देशभर में बहुत पहले ही आ गई थी, लेकिन हमारे बस्तर में 31 मार्च 2026 के बाद ही आजादी का सूर्य उदय हुआ है। इस दौरान बस्तर का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई हम बहुत जल्द करेंगे। यहां के लोगों के विकास के लिए भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। सरकार ने आदिवासी भाई-बहनों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की है। कहीं पर भी नौकरी का विज्ञापन निकलता है, तो 15 फीसदी आरक्षण आपके लिए सुनिश्चित है। एक बार आप अपने बच्चों को पढ़ा दें, तो उन्हें सरकारी नौकरी भी मिलेगी और उद्योगों में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। आपके लिए बनाई गई एक राष्ट्रीय स्तर की कोऑपरेटिव के माध्यम से वन उपज का भी अच्छे तरीके से पैकेजिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग करने का हमने संकल्प लिया है।

● 'हमारे बस्तर में 31 मार्च 2026 के बाद ही आजादी का सूर्य उदय हुआ है।'

यूपी पुलिस ने नौ वर्षों में 289 दुर्दांत अपराधियों को मुठभेड़ में किया ढेर

34,253 गिरफ्तार

एजेंसी

लखनऊ । योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में अपराध और अपराधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 289 दुर्दांत अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर किया है। इस दौरान पुलिस ने कुल 17,043 मुठभेड़ की कार्रवाइयां की, जिनमें 34,253 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। एनकाउंटर की कार्रवाई में 11,834 अपराधी घायल हुए। वहीं अपराधियों से लोहा लेते हुए 18 पुलिसकर्मी शहीद हो गए, जबकि 1,852 पुलिसकर्मी घायल हुए। सबसे अधिक मुठभेड़ मेरठ जोन में दर्ज की गई, जहां पुलिस ने 4,813 कार्रवाई की। इस कार्रवाई में 8,921 अपराधी दबोचे गए, जबकि 3,513 अपराधी घायल हुए। वहीं, 97 कुख्यात अपराधियों को मौके पर ही मार गिराया गया। मेरठ जोन की मुठभेड़ के दौरान 477 पुलिसकर्मी घायल हुए, जबकि अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए दो पुलिसकर्मी शहीद हुए। एनकाउंटर कार्रवाई में पूरे प्रदेश में मेरठ जोन पहले स्थान पर रहा है। इसी तरह वाराणसी जोन में 1,292 मुठभेड़ हुई, जिनमें 2,426 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 29 अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर किया गया। इस दौरान 907 अपराधी और 104 पुलिसकर्मी घायल हुए। पूरे प्रदेश में वाराणसी जोन एनकाउंटर कार्रवाई में दूसरे स्थान पर है। वहीं, एनकाउंटर कार्रवाई में पूरे प्रदेश में आगरा जोन तीसरे स्थान पर है। यहां 2,494 एनकाउंटर की कार्रवाई की गई, जिनमें 5,845 अपराधियों को दबोचा गया। इस दौरान 968 अपराधी घायल हुए, जबकि 24 अपराधी मार गिराए गए। मुठभेड़ के दौरान 62 पुलिसकर्मी घायल हुए।

एनकाउंटर आंकड़ों पर नजर डालें तो बरेली जोन में 2,222 मुठभेड़ों के दौरान 21 दुर्दांत अपराधियों को मार गिराया गया, वहीं लखनऊ जोन में 971 मुठभेड़ों के दौरान 20 अपराधी मारे गए। गाजियाबाद कमिश्नरी में 789 मुठभेड़ों में 18 अपराधी मारे गए। सभी कमिश्नरेट में यह सबसे अधिक है। कानपुर जोन में 791 मुठभेड़ों में 12, लखनऊ कमिश्नरी में 147 मुठभेड़ों में 12 और प्रयागराज जोन में 643 मुठभेड़ों में 11 अपराधियों को मारा गया। इसी तरह आगरा कमिश्नरी में 489 मुठभेड़ों में 10, गौतमबुद्ध नगर में 1,144 मुठभेड़ों में 9, गोरखपुर जोन में 699 मुठभेड़ों में 8, वाराणसी कमिश्नरी में 146 मुठभेड़ों में 8, प्रयागराज कमिश्नरी में 150 मुठभेड़ों में 6 और कानपुर कमिश्नरी में 253 मुठभेड़ों में 4 अपराधियों को ढेर किया गया।

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में यूपी पुलिस ने जीरो टॉलरेंस नीति को धरातल पर उतारा।

बंगाल में 2021 चुनाव बाद हिंसा मामलों में सीआईडी ने दर्ज की 181 नई प्राथमिकी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा से जुड़े मामलों में राज्य की अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) ने नई कार्रवाई शुरू की है। सीआईडी अधिकारियों के अनुसार, अब तक 458 नई जांच प्रक्रियाएं शुरू की गई हैं और 181 नई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इसके अलावा 59 मामलों को दोबारा खोला गया है। सीआईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि चुनाव बाद हिंसा से संबंधित प्राप्त शिकायतों के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि एजेंसी उन मामलों की भी दोबारा जांच कर रही है, जिनमें पहले अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर मामले बंद कर दिए गए थे। अधिकारी के अनुसार अब तक ऐसे 59 मामलों को फिर से खोला गया है और उनमें नए सिरे से जांच शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया लगातार जारी है। उल्लेखनीय है कि, वर्ष 2021 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद राज्य के कई जिलों में हिंसा, हमले, धमकी और लोगों के विस्थापन के आरोप लगे थे। इन घटनाओं को लेकर व्यापक राजनीतिक विवाद खड़ा हुआ था और विभिन्न स्तरों पर जांच शुरू की गई थी।

महाराष्ट्र से नीट-यूजी पेपर लीक मामले में कोचिंग क्लासेस का मालिक गिरफ्तार

● सीबीआई को फोन में लीक पेपर मिला, सेंटर पर भी छापेमारी; अब तक 10 गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन (सीबीआई) की टीम ने सोमवार को नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में महाराष्ट्र के लातूर शहर में रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेस (आरसीसी) के मालिक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को गिरफ्तार किया है। इस मामले की गहन छानबीन सीबीआई की टीम कर रही है। सीबीआई सूत्रों ने आज बताया कि नीट पेपर लीक मामले में मोटेगांवकर की सहभागिता होने का इनपुट मिला था। इसी वजह रविवार को सीबीआई ने आरसीसी के कार्यालय और मोटेगांवकर के घर की तलाशी ली थी। इसके बाद सीबीआई ने मोटेगांवकर से करीब 11 घंटे तक पूछताछ की। पूछताछ के दौरान सीबीआई का सवालों का जवाब मोटेगांवकर नहीं दे सके, इसी वजह से आज सीबीआई की टीम ने मोटेगांवकर को गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई सूत्रों ने बताया कि मोटेगांवकर नीट यूजी पेपर के लीक और सर्कुलेशन में शामिल ऑर्गनाइज्ड गैंग का एक्टिव मेंबर थे। इसके साथ ही मोटेगांवकर ने दूसरे आरोपियों के साथ मिलकर 23 अप्रैल, 2026 के एग्जाम से पहले नीट यूजी एग्जाम, 2026 का क्वेश्चन पेपर और जवाब हासिल किए थे। मोटेगांवकर ने कथित तौर पर कई लोगों को पेपर सर्कुलेट किया था।

● उल्लेखनीय है कि नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट (नीट) की ओर से 3 मई को 551 भारतीय शहरों और 14 विदेशी सेंटर्स पर आयोजित किया गया था।

● सुवेंदु कैबिनेट का बड़ा फैसला

सातवें वेतन आयोग को मंजूरी

● महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा, अन्नपूर्णा भंडार योजना भी लागू

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की कैबनेट ने सोमवार को हुई अपनी दूसरी बैठक में राज्य सरकारी कर्मचारियों के लिए सातवें वेतन आयोग को लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य की महिला एवं बाल विकास तथा सामाजिक कल्याण विभाग की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि 7वें वेतन आयोग को लागू करना राज्य कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी और इसे कैबिनेट में मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने राज्य में 'अन्नपूर्णा भंडार' परियोजना को भी मंजूरी दी है, जिसके तहत महिलाओं को प्रतिमाह 3,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह योजना हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र में शामिल थी। उन्होंने कहा कि पहले से 'लक्ष्मी भंडार' योजना का लाभ ले रही महिलाओं के नाम स्वतः ही नई 'अन्नपूर्णा भंडार' योजना से जोड़ दिए जाएंगे और राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। जो महिलाएं अब तक किसी योजना का लाभ नहीं ले रही थीं, वे नए पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगी, जिसे जल्द ही शुरू किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि कैबिनेट ने 1 जून से राज्य की सभी सरकारी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा सुविधा लागू करने का भी निर्णय लिया है।

हालांकि, बसों की संख्या बढ़ाने पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है और मौजूदा सरकारी बस ढांचे का ही उपयोग किया जाएगा। राज्य का पूर्ण बजट जून में पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बैठक में यह भी कहा कि कुछ नई इलेक्ट्रिक बसें राज्य परिवहन व्यवस्था में जोड़ी जाएंगी।

एआई-आधारित साइबर सुरक्षा खतरे बाजार की विश्वसनीयता के लिए बड़ा जोखिम: सेबी प्रमुख

● 'हाल के समय में एआई टूल्स को लेकर ज्यादातर चिंताएं साइबर सुरक्षा से जुड़ी हैं'

एजेंसी

मुंबई । सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित साइबर सुरक्षा खतरे भारत के वित्तीय बाजारों के सामने सबसे बड़े जोखिमों में से एक बनकर उभर रहे हैं।

उन्होंने बाजार व्यवस्था में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर सिस्टम की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए आक्रामक कदम उठाने की जरूरत बताई। एनडीटीवी प्रॉफिट के साथ बातचीत के दौरान सेबी प्रमुख ने कहा कि फिलहाल एआई टूल्स को लेकर सबसे बड़ी चिंता बाजार में हेरफेर या एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग नहीं, बल्कि साइबर सुरक्षा कमजोरियों को लेकर है। पांडे ने कहा कि वित्तीय बाजार बड़े पैमाने पर सॉफ्टवेयर सिस्टम पर निर्भर हैं और यदि साइबर सुरक्षा ढांचे में कोई कमजोरी रह जाती है तो उसका गलत इस्तेमाल बाजार की विश्वसनीयता के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

● 'हमें पहले से ही यह सुनिश्चित करना होगा कि जिन भी सॉफ्टवेयर सिस्टम का इस्तेमाल किया जा रहा है, वे पूरी तरह सुरक्षित हों।'

उन्होंने कहा, 'हाल के समय में एआई टूल्स को लेकर ज्यादातर चिंताएं साइबर सुरक्षा से जुड़ी हैं। जैसा कि आप जानते हैं, बाजार काफी हद तक सॉफ्टवेयर सिस्टम पर निर्भर करते हैं। अगर साइबर सुरक्षा कमजोर पड़ती है या सॉफ्टवेयर में खामियां मिलती हैं, तो साइबर हमलों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे हमले सफल होने पर बाजार की विश्वसनीयता को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।' उन्होंने वित्तीय बाजारों में इस्तेमाल होने वाले सभी सॉफ्टवेयर, खासकर थर्ड-पार्टी वेंडर्स द्वारा उपलब्ध कराए गए सिस्टम के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों की जरूरत पर जोर दिया। पांडे ने कहा, 'नियामकों और बाजार से जुड़े सभी पक्षों को मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, आक्रामक पैच मैनेजमेंट और लगातार कमजोरियों की जांच सुनिश्चित करनी होगी।'

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने तख्त श्री पटना साहिब में माथा टेका

कौमी पत्रिका

पटना, 18 मई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान आज दशमेश पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पवित्र जन्म स्थान और चरण-छोह धरती तख्त श्री हरिमंदर जी पटना साहिब में नतमस्तक हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब ने बेअदबी के खिलाफ सबसे सख्त कानून बनाकर गुरु साहिबान के सत्कार की रक्षा करने का रास्ता पूरे देश को दिखाया है। पंजाब, पंजाबियों और समूची सिख संगत की चढ़दी कला, खुशहाली और भले के लिए अरदास करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पावन शब्द गुरु की पवित्रता और मर्यादा को कायम रखने के लिए पंजाब को बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाने का सौभाग्य बख्शने के लिए गुरु साहिब का शुक्राना किया। बेअदबी को करोड़ों लोगों की आस्था के खिलाफ अक्षम्य अपराध बताते हुए मुख्यमंत्री ने देश भर की सभी राज्य सरकारों से ऐसा ही सख्त कानून लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पंजाब इस संबंध में हर संभव मदद देने को तैयार है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि पंजाब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी करने की जुर्रत करने वाले किसी भी व्यक्ति को अब अपनी पूरी उम्र जेल में बितानी पड़ेगी। उन्होंने यह सख्त संदेश दिया कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली कोई भी हरकत अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपने एक्स हैंडल पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज मुझे दसवें पातशाह गुरु गोबिंद सिंह जी की पवित्र जन्मभूमि और चरण-छोह धरती तख्त श्री हरिमंदर जी पटना साहिब में माथा टेकने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा, मैंने गुरु साहिब के आगे माथा टेका और पंजाब, पंजाबियों तथा समूची सिख संगत की खुशहाली, तंदुरुस्ती और सदा चढ़दी कला के लिए अरदास की। मैं गुरु साहिब का दिल से धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमें बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाने का मौका देकर पवित्र शब्द गुरु की पवित्रता को कायम रखने का सौभाग्य बख्शा। उन्होंने लिखा, गुरु साहिब सब पर अपनी मेहर और आशीर्वाद बनाए रखें। माथा टेकने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे साहिब श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पवित्र जन्म स्थान तख्त श्री हरिमंदर जी (पटना साहिब) में माथा टेकने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

शेष पृष्ठ 3 पर

मुख्यमंत्री ने की जनसुनवाई-लोगों की समस्याओं का हुआ हाथोंहाथ समाधान

मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याएं सुनकर परिवादियों से व्यक्तिगत संवाद भी किया।

● जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आई महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया।

एजेंसी

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई में प्रदेशभर से आई महिलाओं, विशेष योग्यजन, वरिष्ठ नागरिक एवं विभिन्न वर्गों के लोगों की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुना। मुख्यमंत्री ने अनेक प्रकरणों में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर मौके पर ही परिवेदनाओं का समाधान कर परिवादियों को राहत दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई आमजन और शासन के बीच विश्वास एवं संवाद का प्रभावशाली माध्यम है। हमारी सरकार सुशासन के उच्च मानकों पर कार्य करते हुए अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति को योजनाओं का लाभ देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आए सभी प्रकरणों के निस्तारण की समय-समय पर मॉनिटरिंग की जाए। अधिकारी ऐसी पारदर्शी एवं प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें, जिससे परिवादी को अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवेदनाओं के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई हो।

पीएम मोदी को नॉर्वे के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट से नवाजा गया

एजेंसी

ओस्लो। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नॉर्वे के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया। नॉर्वे ने सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी को अपने सबसे बड़े सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट से नवाजा। यह पीएम मोदी को मिला 32वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। एक दिन पहले ही भारत के प्रधानमंत्री को स्वीडन में सर्वोच्च सम्मान 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार' (कमांडर ग्रैंड क्रॉस) से सम्मानित किया गया था। पीएम मोदी ने सोमवार को नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में अलग-अलग एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसके बाद दोनों नेताओं ने अपना संबोधन दिया। नॉर्वे में भारतीय समुदाय के लोगों ने पूरी गर्मजोशी के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट के जरिए भावनाएं व्यक्त की। उन्होंने लिखा, 'ओस्लो में आज भारतीय समुदाय द्वारा किए गए स्वागत कार्यक्रम में 'रिदम्स ऑफ इंडिया' की प्रस्तुति ने भारत की सांस्कृतिक विविधता की खूबसूरत झलक पेश की। सत्तरिया से भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी से ओडिसी, कथक से मोहिनीअट्टम तक, प्रत्येक नृत्य शैली में वर्षों की लगन, अनुशासन और उत्कृष्टता झलकती है। भारत की संस्कृति को जीवंत और संजोए रखने के लिए हम अपने प्रवासी भारतीयों पर गर्व करते हैं। पीएम मोदी ने लिखा, 'मुझे गर्व है कि हमारा प्रवासी भारतीय समुदाय भारत की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत और सशक्त बनाए हुए है। भारत के प्रधानमंत्री के सामने छोटी बच्चियों ने भी शास्त्रीय नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। पीएम मोदी ने लिखा, 'ओस्लो में स्वागत कार्यक्रम के दौरान नाट्यलय नृत्य विद्यालय के एक समूह ने भरतनाट्यम से संबंधित अलारिप्पू नृत्य प्रस्तुत किया। यह समूह लगभग तीन दशकों से नॉर्वे में भारत की सांस्कृतिक परंपराओं को लोकप्रिय बनाने का काम कर रहा है। ऐसे प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं।'

प्रधानमंत्री के स्वागत में देसी विदेशी कलाकारों की मंडली आरती ओम जय जगदीश गाती दिखी। पीएम ने लिखा, 'संगीत, संस्कृति और साझा कलात्मक भावना के माध्यम से एकजुटता का एक सुंदर प्रतिबिंब 'साथ साथ' का साक्षी बना।

● पीएम मोदी ने सोमवार को नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

155 करोड़ के बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने दिल्ली-गोवा में मारे छापे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने 155 करोड़ रुपए के बैंक धोखाधड़ी मामले में सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। एजेंसी ने इस मामले को लेकर दिल्ली और गोवा में सात अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ छापे मारे। इस मामले में ईडी ने आप नेता दीपक सिंगला के ठिकानों पर भी रेड मारी। ये पूरा मामला महेश टिम्बर प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दर्ज वित्तीय गड़बड़ी से जुड़ा है। जांच एजेंसी के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक ये छापेमारी मुख्य रूप से दीपक सिंगला, महेश सिंगला, अमरीक गिल और कुछ अन्य संदिग्धों से जुड़े परिसरों और ठिकानों पर की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी की टीमें सुबह-सुबह ही सभी संदिग्धों के घरों और व्यावसायिक ठिकानों पर पहुंच गईं। जांच में कई अहम दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड्स को खंगाला जा रहा है, ताकि 155 करोड़ रुपए के इस बैंक घोटाले की कड़ियों को आपस में जोड़ा जा सके। दीपक सिंगला का नाम आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं में शुमार है। बताया जा रहा है कि इन संदिग्धों के तार पंजाब सरकार के गिरफ्तार मंत्री संजीव अरोड़ा से भी जुड़े हुए हैं। संजीव अरोड़ा को पहले ही भ्रष्टाचार और वित्तीय गड़बड़ियों के एक मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। अब इस नए बैंक धोखाधड़ी मामले में भी संजीव अरोड़ा, उनके करीबियों और पार्टी सहयोगियों का नाम आने से आम आदमी पार्टी की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

वडोदरा-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट में 25 मिनट तक नहीं बिजली गुल, उमस और अंधेरे से यात्री परेशान, कई की तबीयत बिगडने लगी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के वडोदरा शहर से दिल्ली जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6ई-657 में रविवार रात अचानक बिजली गुल हो जाने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। विमान में करीब 25 मिनट तक अंधेरा और उमस भरा माहौल बना रहा, जिससे यात्री बेहाल हो गए। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे एक यात्री ने अपने मोबाइल फोन से रिकॉर्ड किया था। जानकारी के अनुसार, फ्लाइट रविवार रात वडोदरा एयरपोर्ट से दिल्ली रवाना होने की तैयारी में थी। इसी दौरान रात करीब 8:50 बजे विमान की बिजली अचानक बंद हो गई। एयर कंडीशनिंग और केबिन लाइट्स बंद होते ही विमान के भीतर गर्मी और घुटन बढ़ने लगी। अंधेरे के कारण यात्रियों में घबराहट फैल गई और कुछ लोगों की तबीयत भी बिगड़ने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कई यात्री सीटों से उठकर क्रू मेंबर्स से जानकारी लेने लगे। हालांकि एयरलाइन स्टाफ ने यात्रियों को शांत रखने की कोशिश की। करीब 25 मिनट बाद बिजली आपूर्ति दोबारा बहाल हुई, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो सकी। एयरपोर्ट अधिकारियों का कहना था, कि विमान के ग्राउंड पावर यूनिट (जीपीयू) में तकनीकी खराबी आने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई। तकनीकी टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर खराबी को दूर किया और आवश्यक जांच के बाद बिजली आपूर्ति पुनः शुरू की गई। इस घटना के बाद यात्रियों ने एयरलाइन प्रबंधन की व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

सीएम शुभेंदु अधिकारी के निजी सचिव की हत्या का आरोपी गिरफ्तार, मुजफ्फरनगर से पकड़ा

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी सफलता हासिल की है। सीबीआई ने हरिद्वार से लौटते समय बलिया के शार्प शूटर राजकुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। छपार क्षेत्र में टोल प्लाजा के निकट से उसे पकड़ा गया। ट्रांजिट रिमांड के लिए सीबीआई सीजेएम कोर्ट पहुंच गई है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम में हमलावरों ने गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी थी। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। सीबीआई की जांच में बलिया के रातोपुर निवासी राजकुमार सिंह का नाम सामने आया था। राजकुमार अपने परिवार के साथ सोमवार तड़के हरिद्वार से वापस लौट रहा था। सीबीआई की टीम ने पहले से ही मुजफ्फरनगर स्थित टोल प्लाजा पर डेरा डाल रखा था। इसके बाद छपार पुलिस के सहयोग से आरोपी राजकुमार को दबोच लिया गया। काफी देर तक आरोपी से पूछताछ की गई, जिससे घटना के तार जुड़ते हुए नजर आ रहे हैं। सीबीआई के सीओ राजेश कुमार आरोपी के रिमांड के लिए कोर्ट पहुंचे है। पश्चिम बंगाल में हुए इस चर्चित हत्याकांड ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। जांच एजेंसी इस हत्याकांड से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित साजिशकर्ताओं का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस गिरफ्तारी से मामले में नए खुलासे होने की उम्मीद है।

पीएम मोदी के नाम पर ठगी मामले में सुप्रीम कोर्ट से आरोपी को जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य केंद्रीय मंत्रियों का करीबी बताकर लोगों से ठगी करने के आरोपी कासिफ को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द किया, जिसमें कासिफ की जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। कासिफ मनी लॉन्ड्रिंग, धोखाधड़ी और जालसाजी जैसे गंभीर आरोपों का सामना कर रहा है। कासिफ पर आरोप है कि उसने खुद को प्रधानमंत्री मोदी और अन्य सरकारी अधिकारियों का करीबी सहयोगी बताकर लोगों से पैसे ऐंठ लिए। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने का मुख्य कारण यह बताया कि कासिफ पिछले करीब तीन सालों से जेल में है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार, कासिफ सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी और कई केंद्रीय मंत्रियों के साथ अपनी मॉर्फ की गई तस्वीरें अपलोड करता था। इनका इस्तेमाल वह सरकारी विभागों में नौकरी, ठेके या अन्य सहायता दिलाने का वादा करके लोगों से पैसे ठगने के लिए करता था। ईडी ने उसके ठिकानों से 1.10 करोड़ रुपये से अधिक की रकम भी जब्त की थी, जिसे अपराध की कमाई बताया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कासिफ को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी है। अदालत ने उससे यह वादा लिया है कि वह भविष्य में किसी भी संवैधानिक या सरकारी अधिकारी के नाम का दुरुपयोग नहीं करेगा। साथ ही, चल रही कानूनी कार्यवाही में पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया गया है।

पीएम मोदी के सम्मानों पर राउत का तंज: जनता को बेरोजगारी और महंगाई ही मिल रही

मुंबई (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने देश में ईंधन की किल्लत, नीट पेपर लीक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों को लेकर केंद्र सरकार पर हमलावार है। उद्धव सेना के नेता ने सीधे प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष कर कहा कि पीएम जहां भी जाते हैं, वहां का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त कर अवॉर्ड लेने की सेंचुरी पूरी कर रहे हैं। नीदरलैंड या नॉर्वे जैसे किसी भी देश में उन्हें सम्मान मिल जाता है। लेकिन देशवासियों को क्या मिल रहा है? राउत के अनुसार, जनता को बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई और बदहाल कानून-व्यवस्था का अवॉर्ड मिल रहा है।

भाजपा पर तंज कसते हुए शिवसेना यूबीटी के नेता राउत ने पूछा कि इन सम्मानों का आखिर जनता के लिए क्या औचित्य है। उन्होंने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी जगत भ्रमण कर रहे हैं और कई देशों की यात्रा पर निकले हैं, वहीं दूसरी तरफ जनता से घर से बैठकर काम करने को कहा जा रहा है। राउत ने सवाल किया कि आखिर प्रधानमंत्री मोदी कितनी बार जगत भ्रमण करना चाहते हैं।

राउत ने नीट पेपर लीक मामले में भी भाजपा सरकार की घेराबंदी कर कहा कि एनटीए या आईआईटी जैसी सभी संस्थाएं भाजपा के कब्जे में हैं, इसके बाद पेपर लीक की जिम्मेदारी कौन लेगा? उन्होंने सीधे तौर पर शिक्षा मंत्री को इसकी जिम्मेदारी लेने की मांग की, क्योंकि उनके अनुसार, सभी लोग भाजपा से ही जुड़े हैं।

वहीं ईंधन संकट को लेकर राउत ने आरोप लगाया कि चुनाव तक देश में कोई समस्या नहीं थी, लेकिन जैसे ही चुनाव खत्म हुए, ईंधन की किल्लत सामने आ गई है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी और उन्होंने पहले ही ऐसी स्थिति की भविष्यवाणी कर दी थी। पीएम मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाकर राउत ने कहा, मोदी कहां हैं? वह 7 देशों की यात्रा पर हैं और भाजपा उनके नीदरलैंड में हुए स्वागत का जश्न मना रही है, जबकि उन्हें देश के भीतर की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए।

मोदी सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल उठाकर राउत ने पूछा कि प्रधानमंत्री ईरान युद्ध पर बात क्यों नहीं कर रहे हैं और रूस से तेल खरीदने में क्या दिक्कत है? उन्होंने कटाक्ष कर पूछा कि क्या भारत ट्रंप-निर्भर हो गया है और क्या ट्रंप ने भारत को इसके लिए मना किया है? राउत ने कहा कि यह सरकार अचानक संकट में होने का दावा कर रही है, जिसकी भविष्यवाणी विपक्ष ने पहले ही कर दी थी।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश मे तेल, गैस की कोई कमी नहीं : हरदीप पुरी

वाराणसी (एजेंसी)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश में पीएनजी, एलपीजी और पेट्रोल डीजल की कमी नही होने दी गयी है। केन्द्रीय मंत्री पुरी ने यहां सर्किट हाउस में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, आधारभूत सुविधाओं तथा ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित कार्यों पर विशेष चर्चा हुई। पुरी ने बताया कि विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के लिए 120 पृष्ठों की एक विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट तैयार की गई है। उन्होंने पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि लगभग 80 दिनों से यह स्थिति बनी हुई है। इससे पहले रूस-यूक्रेन युद्ध भी हुआ। इन वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत में कच्चे तेल, पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और एलपीजी की कोई कमी नहीं होने दी गई है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री पुरी ने कहा कि पिछले चार वर्षों में सरकार ने कीमतें बढ़ाने के बजाय घटाने का प्रयास किया है। तेल विपणन कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन उपभोक्ताओं पर इसका बोझ नहीं डाला गया। उन्होंने बताया कि यहां एलपीजी कनेक्शनों को तेजी से पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शनों में बदला जा रहा है। देशभर में प्रतिदिन 50 हजार पीएनजी कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि एक ऐसा देश है जहां हम दाम कम करते रहे और फिर भी एलपीजी की कोई कमी नहीं होने दी। जहां कहीं भी थोड़ी सी भी ब्लैक मार्केटिंग की कोशिश हुई, वहां हमने डिस्ट्रीब्यूटरशिप रद्द कर दी।

शराब घोटाला मामले की सुनवाई अब जज स्वर्ण कांता नहीं जस्टिस मनोज जैन करेंगे

-मंगलवार को सुनवाई शुरू होगी, अवमानना मामले की भी शुरुआत होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कथित शराब घोटाले मामला जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के बाद अब नई बेंच को ट्रांसफर किया जा चुका है। इस मामले की सुनवाई अब जस्टिस मनोज जैन करेंगे।

अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत छह आप नेताओं के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने के बाद जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने खुद को इस मामले से अलग कर लिया था। वहीं, अवमानना केस की सुनवाई जस्टिस नवीन चावला और रविंद्र जस्टिस रविंदर दुडेजा की खंडपीठ करेगी। दोनों ही मामलों की सुनवाई मंगलवार को होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सांसद संजय सिंह, दिल्ली सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के अलावा दुर्गेश पाठक और विनय मिश्रा के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया था। इसके साथ ही उन्होंने नियमों का हवाला देते हुए मामले को किसी और बेंच को ट्रांसफर किए जाने का ऐलान किया था। अब इस मामले को जस्टिस मनोज जैन की कोर्ट में ट्रांसफर किया गया है।

एक तरफ जहां मंगलवार को शराब घोटाले मामले की सुनवाई शुरू होगी तो दूसरी तरफ अवमानना मामले की भी शुरुआत होगी। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रविंदर दुडेजा की बेंच के सामने इस मामले को सूचीबद्ध किया गया है। कोर्ट केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के छह नेताओं के खिलाफ इस मामले की सुनवाई करेगी। इसके अलावा वे लोग भी दायरे में आ सकते हैं जिन्होंने यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो अपलोड किए थे जिनमें जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा पर अपमानजनक टिप्पणियां की गईं थीं।

इस मामले को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत में सूचीबद्ध किया गया तो केजरीवाल ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर इस मामले को दूसरी बेंच के सामने ट्रांसफर करने की मांग की थी, लेकिन जब उन्होंने इससे इनकार कर दिया तो केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के सामने रिक्यूजल याचिका दायर करके मांग की कि वह खुद को इस मामले से अलग कर लें। केजरीवाल ने आशंका जाहिर की थी कि उन्हें जस्टिस शर्मा की अदालत में न्याय नहीं मिल सकता है। केजरीवाल ने उन पर हितों के टकराव और आरएसएस से जुड़े संगठन के कार्यक्रम में शामिल होने का आरोप लगाया था।

6 माह में गिर जाएगी थलापति की सरकार, स्टालिन के हाथों में ही राज्य की कमान

डीएमके की विधायक ने किया चौंकाने वाला दावा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में सियासी माहौल गर्माया हुआ है। तिरुचेंदुर से विधायक अनीता राधाकृष्णन ने एक बड़ा दावा कर कहा है कि मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की अगुवाई वाली टीवीके (तामिलागा वेत्री कझगम) सरकार आगामी छह महीनों में गिर जाएगी। डीएमके विधायक के अनुसार, राज्य में द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) के नेता एमके स्टालिन मुख्यमंत्री पद पर वापसी करने वाले है। राधाकृष्णन ने कहा, थलाईवर (नेता) अगले मुख्यमंत्री हैं। चार या छह महीने बाद हमारे नेता मुख्यमंत्री बनने वाले है। इस दावे पर टीवीके की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, जिसने हाल ही में दक्षिणी राज्य की सत्ता संभाली है।

डीएमके विधायक राधाकृष्णन ने केवल भविष्यवाणी ही नहीं की, बल्कि टीवीके के विधायक आधव अर्जुन को खुली चुनौती भी दी है। उन्होंने अर्जुन से कहा, यह टीवीके सरकार सिर्फ चार और महीने टिक पाएगी। अगर आप में हिम्मत है, तब अपने विधायक पद से इस्तीफा दें। मैं भी ऐसा ही करूंगा। फिर तिरुचेंदुर में मुकाबला करते हैं। यह हमारा शहर है, हम किसी को भी हरा सकते हैं। गौरतलब है कि तिरुचेंदुर पिछले 25 सालों से राधाकृष्णन का गढ़ रहा है, जहां उन्होंने पहली बार 2001 में जीत हासिल की थी।

एक ओर जहां राज्य में सत्ता को लेकर दावे-प्रतिदावे चल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मुख्य विपक्षी दल डीएमके अपनी हालिया विधानसभा चुनाव की करारी हार के कारणों का विश्लेषण करने में जुटा गई है। डीएमके पार्टी ने इस अप्रत्याशित हार के बाद 36 सदस्यीय समिति का गठन किया है, जिसे हार के कारणों का आत्मनिरीक्षण और निष्पक्ष विश्लेषण करने का काम सौंपा गया है। पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने समिति से हार की वजहों पर एक स्पष्ट और विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

स्टालिन ने समिति के सदस्यों को संबोधित कर स्पष्ट किया कि यह कवायद केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि पार्टी की चुनावी गिरावट के मूल कारणों को समझने का एक गंभीर प्रयास है। उन्होंने इस प्रक्रिया की तुलना मेडिकल डायग्नोसिस से करते हुए कहा कि जैसे प्रभावी इलाज के लिए डॉक्टर को मरीज की बीमारी की सटीक जानकारी चाहिए, वैसे ही पार्टी नेतृत्व को सुधारात्मक कदम उठाने के लिए जमीनी हकीकत की पूरी जानकारी चाहिए। पैनल को तमिलनाडु के सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक जमीनी अध्ययन करने और कार्यकर्ताओं व लोकल पदाधिकारियों से सीधा फीडबैक लेने का निर्देश दिया गया है। समिति को 5 जून तक अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने की समय सीमा दी गई है। खुद अपनी पारंपरिक सीट कोलाथुर से हार का सामना करने वाले स्टालिन ने कहा कि यह समीक्षा आंतरिक राजनीति, पक्षपात या दोषारोपण से मुक्त होनी चाहिए। उन्होंने सदस्यों से कहा, आपका कर्तव्य न तो किसी को बचाना है और न ही किसी को निशाना बनाना है।

केरल के नए सीएम शपथ ग्रहण में शशि थरूर क्यों नहीं पहुंचे, सामने आई असली वजह

नई दिल्ली। केरल में कांग्रेसी मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने अपने 20 मंत्रियों के साथ पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इस महत्वपूर्ण मौके पर जहां राहुल गांधी सहित कांग्रेस के कई दिग्गज नेता मौजूद थे, वहीं तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर अनुपस्थित रहे। उनकी अनुपस्थिति ने हालांकि कांग्रेस के भीतर अंदरूनी अनबन की चर्चाओं को हवा दी थी, क्योंकि संगठन में असहमति को लेकर उनका नाम पहले भी सामने आता रहा है। हालांकि, शशि थरूर ने अपनी अनुपस्थिति की वजह खुद बता दी थी। उन्होंने 15 मई को ही जानकारी दी थी कि बॉस्टन में टफ्स यूनिवर्सिटी के फ्लेचर स्कूल ऑफ लॉ ऐंड डिप्लोमैसी में मुख्य वक्ता के तौर पर आमंत्रित करने और अपने ग्रेजुएशन के 50वें रीयूनियन कार्यक्रम में शामिल होने के कारण वह शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित नहीं हो पाएंगे। थरूर ने बताया था कि उन्हें अमेरिका में पुराने साथियों के साथ जश्न मनाने का मौका मिला है और वे केरल के भविष्य को लेकर भी काफी उत्साहित हैं। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने सतीशन को राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। श्री सतीशन के अलावा 20 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इस समारोह में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे सहित कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित थीं।

विपक्षी एकजुटता की कमी ने बिगाड़ा ममता का खेल

वोट बंटवारे से टीएमसी को भारी नुकसान

कोलकाता (एजेंसी)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों ने यह साबित कर दिया है कि विपक्षी एकजुटता के बिना चुनाव जीतना आसान नहीं है। पश्चिम बंगाल में भाजपा विरोधी वोटों के बंटवारे की वजह से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को करीब तीन दर्जन सीटों का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। चुनाव परिणामों के आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि सूबे की 294 विधानसभा सीटों में से भाजपा 207 सीटें जीतकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है, जबकि टीएमसी के खाते में महज 80 सीटें ही आई हैं। इस चुनाव में कांग्रेस को 2 और लेफ्ट को 1 सीट पर संतोष करना पड़ा है।

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, अगर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव से पहले कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया होता, तो राज्य की सियासी तस्वीर पूरी तरह अलग हो सकती थी। प्रदेश की एक दर्जन से अधिक सीटों पर कांग्रेस ने टीएमसी के खेल को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। साल 2021 के चुनाव में इनमें से 10 सीटें टीएमसी के पास थीं, लेकिन इस बार इन सीटों पर कांग्रेस को टीएमसी और भाजपा के बीच जीत-हार के अंतर से भी अधिक वोट मिले हैं। इसके अलावा, छह सीटों पर टीएमसी को नोटा की वजह से नुकसान हुआ, जहां कांग्रेस को नोटा से ज्यादा वोट प्राप्त हुए थे।

वोटों के इस बिखराव का सीधा फायदा भाजपा को मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में भी मिला। मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर दिनाजपुर की कुल 43 सीटों में से 20 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। इसका मुख्य कारण यह रहा कि मुस्लिम मतदाता कांग्रेस, लेफ्ट, इंडियन सेकुलर फ्रंट और अन्य क्षेत्रीय दलों के बीच बंट गए, जबकि पिछले चुनाव में यह वोट बैंक पूरी तरह टीएमसी के पक्ष में एकजुट था। 2021 में टीएमसी ने इन 43 में से 35 सीटें जीती थीं और भाजपा को सिर्फ आठ सीटें मिली थीं।

पश्चिम बंगाल में वामदलों (लेफ्ट) के पास आज भी करीब सात फीसदी का मजबूत वोट बैंक मौजूद है। विश्लेषकों का मानना है कि कई दर्जन सीटें ऐसी हैं, जहां लेफ्ट और कांग्रेस को मिले संयुक्त वोट टीएमसी की हार के अंतर से कहीं अधिक हैं। विपक्षी नेताओं का कहना है कि अब वक्त आ गया है जब सभी क्षेत्रीय पार्टियों को जमीनी स्थिति को समझना होगा और भाजपा को हराने के लिए लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनावों में भी बेहतर तालमेल और साझेदारी के साथ उतरना होगा। मतों का यह विभाजन इससे पहले गुजरात और दिल्ली के चुनावों में भी विपक्षी दलों को भारी नुकसान पहुंचा चुका है।

240 चैंबरों पर चला बुलडोजर, वकीलों ने 'लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन' बताया

-घटना के बाद बार एसोसिएशन और वकीलों में भारी आक्रोश, आंदोलन की दी चेतावनी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रविवार को वकीलों के अवैध चैंबरों पर चला बुलडोजर बड़ा विवाद बन गया। प्रशासन की कार्रवाई में भारी पुलिस बल तैनात रहा और विरोध कर रहे वकीलों पर लाठीचार्ज किया गया। इस घटना के बाद बार एसोसिएशन और वकीलों में भारी आक्रोश देखने को मिला। वकीलों ने इसे ÷लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन÷ बताते हुए बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाईकोर्ट ने कुछ अवैध चैंबरों को हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद नगर निगम की टीम के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंचा और चैंबर तोड़ने की कार्रवाई शुरू हुई। हालांकि इस दौरान वकीलों ने विरोध भी किया, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। वकीलों का आरोप है कि हाईकोर्ट ने केवल 72 चैंबर हटाने का आदेश दिया था, लेकिन प्रशासन ने आदेश की आड़ में करीब 240 चैंबरों पर कार्रवाई कर दी। उनका कहना है कि जिन चैंबरों को चिन्हित किया गया था, उनमें कई वकीलों के चैंबर शामिल ही नहीं थे, बावजूद इसके उन्हें भी तोड़ दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक बुलडोजर कार्रवाई के दौरान कई वकीलों की तबीयत भी बिगड़ गई। कुछ वकील जमीन पर बैठकर विरोध जताते रहे तो कुछ ने कार्रवाई रोकने की मांग को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों से बहस की। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा और पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। वकीलों का कहना है कि वे पिछले करीब 30 सालों से वहीं बैठकर वकालत कर रहे हैं और अचानक इस तरह की कार्रवाई उनके रोजगार पर सीधा हमला है। वकीलों ने प्रशासन पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर उन्हें वहां से हटाया जा रहा है तो पहले उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए थी। वहीं प्रदर्शन कर रहे वकीलों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने कार्रवाई नहीं रोकी और उचित समाधान नहीं निकाला तो प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सूखा, बाढ़, तबाही... क्या अल-नीनो लेकर आएगा 149 साल पहले की प्रलय?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया फिर जलवायु संकट के इसतरह के मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है, जहां इतिहास खुद को दोहरा सकता है। इस संकट पर वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि 2026 में बनने वाला संभावित ÷सुपर अल-नीनो÷ 149 साल पहले आई उस भीषण तबाही जैसी स्थिति पैदा कर सकता है, जिस तबाही ने 1877-78 में पूरी दुनिया को अकाल, सूखा, बाढ़ और महामारी की आग में झोंक दिया था। फर्क सिर्फ इतना है कि उस समय धरती अपेक्षाकृत ठंडी थी, जबकि आज दुनिया पहले से ही रिकॉर्ड गर्मी झेल रही है। इसके बाद इस बार खतरा कहीं ज्यादा बड़ा माना जा रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार प्रशांत महासागर का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। समुद्र की सतह ही नहीं, बल्कि गहराई में भी गर्मी असामान्य स्तर तक पहुंच चुकी है। कई क्लाइमेट मॉडल संकेत दे रहे हैं कि 2026 का अल-नीनो 1877 वाले रिकॉर्ड को भी पार कर सकता है। इसकारण दुनियाभर की मौसम एजेंसियां लगातार निगरानी कर रही हैं।

1876 से 1878 के बीच आया सुपर अल-नीनो

इतिहास गवाह है कि 1876 से 1878 के बीच आया सुपर अल-नीनो मानव सभ्यता की सबसे भयावह प्राकृतिक आपदाओं में शुमार है। भारत, चीन, ब्राजील और अफ्रीका के बड़े हिस्सों में सूखा पड़ा। मानसून फेल हो गया, फसलें नष्ट हुई और जल संकट ने करोड़ों लोगों को भूख व बीमारी की तरफ धकेल दिया। अनुमान है कि उस दौर में दुनिया की आबादी का करीब 2 से 3 प्रतिशत खत्म हो गया था। कई अध्ययनों में मौतों का आंकड़ा 5 करोड़ तक बताया गया है।

भारत में हुई थी 3 करोड़ लोगों की मौत

भारत इस तबाही का सबसे बड़ा शिकार बना था। इतिहासकारों के अनुसार उस समय 1.2 करोड़ से लेकर करीब 3 करोड़ लोगों तक की मौत हुई थी। खेत सूख गए, पशुधन खत्म हुआ और गांवों में भुखमरी फैल गई। उत्तरी चीन में भीषण सूखा पड़ा, जबकि ब्राजील के उत्तर-पूर्वी इलाके जल संकट से तबाह हो गए। अफ्रीका में भी खाद्यान्न संकट गहराया। उस समय वैज्ञानिक यह नहीं समझ पाए थे कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में हो रही ये घटनाएं दरअसल प्रशांत महासागर में बने शक्तिशाली अल-नीनो से जुड़ी थीं।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की शोधकर्ता और उनकी टीम के मुताबिक, 1877 से पहले कई वर्षों तक प्रशांत महासागर का उष्णकटिबंधीय क्षेत्र असामान्य रूप से ठंडा रहा। इससे पश्चिमी प्रशांत में भारी मात्रा में गर्मी जमा हो गई। जब मौसम प्रणाली बदली, तब विशाल अल-नीनो विकसित हुआ। भारतीय महासागर और उत्तर अटलांटिक में तापमान का असंतुलन भी इस संकट को और घातक बनाने वाला कारक बना। अब 2026 में चिंता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि आज की दुनिया पहले से ही ग्लोबल वार्मिंग के असर झेल रही है। ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर है और समुद्र लगातार गर्म हो रहे हैं। इसके बाद अगर सुपर अल-नीनो बनता है, तब उसके प्रभाव कई गुना ज्यादा विनाशकारी हो सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 2026 और 2027 के दौरान दुनिया को भीषण हीटवेव, सूखा, जंगलों में आग, फसलों की बर्बादी और कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी दोहरी मार झेलनी पड़ सकती है। गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों पर असर पड़ने से वैश्विक खाद्य संकट भी गहरा सकता है।

भारत कृषि प्रधान, खेती बारिश पर निर्भर

भारत के लिए खतरा सबसे ज्यादा मानसून को लेकर है। अल-नीनो के दौरान अक्सर मानसून कमजोर पड़ जाता है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्यों में सूखे की आशंका बढ़ सकती है। इससे किसानों की आय, खाद्यान्न उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ेगा। महंगाई बढ़ सकती है और पानी का संकट गंभीर हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारों को अभी से जल संरक्षण, सूखा-प्रतिरोधी फसलों, बेहतर सिंचाई, बीमा कवर और आपदा प्रबंधन योजनाओं पर तेजी से काम करना होगा। 1877-78 की त्रासदी केवल इतिहास नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- पूरी पीढ़ी को बर्बाद नहीं करने दे सकते, गंदगी हटाओ

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को गूगल और एप्पल को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने प्ले स्टोर और ऐप स्टोर पर अश्लील, वेश्यावृत्ति तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले मोबाइल एप्लिकेशन्स के खिलाफ तुरंत और प्रभावी कार्रवाई करें। अदालत ने टिप्पणी की कि पूरी पीढ़ी को बर्बाद होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खंडपीठ ने आईटी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 का हवाला देते हुए कहा कि गूगल और एप्पल जैसे मध्यस्थों की जिम्मेदारी केवल शिकायत मिलने पर ही नहीं, बल्कि ऐसे ऐप्स को अपलोड होने के समय ही उचित जांच (ड्यू डिलीजेंस) करना है। पीठ ने कहा, इन ऐप्स की व्यापक पहुंच को देखते हुए मध्यस्थों को आईटी नियम 2021 के तहत महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। उन्हें न केवल शिकायत पर कार्रवाई करनी चाहिए, बल्कि अपलोड के समय भी सतर्क रहना चाहिए। यह आदेश एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई के दौरान दिया गया। में आरोप लगाया गया था कि गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर पर कई ऐसे ऐप उपलब्ध हैं जो पोर्नोग्राफिक सामग्री, अनैतिक तस्करी, वेश्यावृत्ति, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग, अवैध हथियारों की तस्करी और संगठित अपराध को बढ़ावा देते हैं। याचिकाकर्ता के वकील तन्मय मेहता ने कहा कि ये ऐप्स ऐसे आपराधिक कार्यों से करोड़ों डॉलर कमा रहे हैं। केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने याचिका का समर्थन किया।

अच्छी सोच, सही भोजन और सक्रिय शरीर से बढ़ सकती है बुजुर्गों की उम्र

नई दिल्ली। बुजुर्गों की लंबी और स्वस्थ जिंदगी के लिए केवल बीमारी का इलाज ही नहीं, बल्कि उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता भी बेहद महत्वपूर्ण है। एक नए अध्ययन में सामने आया है कि जिन बुजुर्गों की सोचने-समझने की क्षमता अच्छी होती है, जिन्हें सही पोषण मिलता है और जो शारीरिक रूप से सक्रिय रहते हैं, उनमें मौत का खतरा कम होता है। यह अध्ययन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और ब्रिटेन के स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम द्वारा किया गया। शोध के नतीजे चिकित्सा पत्रिका द लैंसेट रीजनल हेल्थ साउथईस्ट एशिया में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं ने देश के 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के 4096 बुजुर्गों के आंकड़ों का अध्ययन किया। इनमें से अध्ययन की अवधि पूरी होने तक 951 लोगों की मौत हो गई थी। अध्ययन में बुजुर्गों की आंतरिक क्षमता का आकलन किया गया। इसमें सोचने-समझने की क्षमता, मानसिक स्थिति, पोषण, चलने-फिरने की क्षमता, देखने और सुनने की शक्ति जैसे पहलुओं को शामिल किया गया। अध्ययन में पाया गया कि जिन बुजुर्गों की आंतरिक क्षमता बेहतर थी, उनमें मृत्यु का खतरा कम था। वहीं, जिन लोगों में शारीरिक या मानसिक कमजोरी अधिक थी, उनमें मौत का जोखिम लगातार बढ़ता गया। एम्स दिल्ली और राष्ट्रीय वृद्धावस्था केंद्र के वृद्धावस्था चिकित्सा विभाग के डॉ. अभिजीत राजाराम राव के अनुसार, यदि किसी बुजुर्ग में एक कमजोरी पाई गई तो मौत का खतरा लगभग 48 प्रतिशत बढ़ गया। दो कमजोरियां होने पर यह खतरा 110 प्रतिशत तक पहुंच गया। चार कमजोरियां होने पर जोखिम 215 प्रतिशत तक बढ़ गया। उन्होंने कहा कि अच्छी सोचने-समझने की क्षमता, संतुलित भोजन और नियमित शारीरिक गतिविधि बुजुर्गों के लिए सबसे महत्वपूर्ण साबित हुई। उनका कहना है कि भारत जैसे देशों में जहां बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और स्वास्थ्य संसाधन सीमित हैं, वहां इस तरह की जांच से कमजोर लोगों की समय रहते पहचान की जा सकती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि भविष्य में बुजुर्गों की देखभाल की योजनाओं में केवल बीमारी के इलाज पर नहीं, बल्कि उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता को मजबूत बनाने पर भी बराबर ध्यान देना होगा।

कंझावला में आरओ फैक्टरी में भीषण आग, सुरक्षित निकले कर्मी

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के कंझावला औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार सुबह एक आरओ फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग लगते ही अफरा-तफरी मच गई। हालांकि सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। कुछ ही देर में आग ने पूरी फैक्टरी को चपेट में ले लिया और इलाके में धुएं का घना गुबार फैल गया। दमकल की 30 गाड़ियां और एक मिनी रोबोट को मौके पर भेजा गया। दमकल अधिकारियों के मुताबिक आग को नियंत्रित कर लिया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। अधिकारियों के अनुसार, किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक फैक्टरी में सुबह लगभग 9ः50 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकलकर्मियों की कई टीम मौके पर भेजी गईं। मौके पर पहुंचे दमकल अधिकारियों को पता चला कि आग चार मंजिला इमारत में बनी आरओ बनाने वाली फैक्टरी में लगी। आग की लपटें बढ़ने के बीच और अधिक दमकल गाड़ियां भेजी गईं। उन्होंने बताया कि दमकल की कुल 30 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं जिनमें तीन बड़े फोम टैंकर, दो बहुउद्देशीय वाहन, एक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म, एक घटना प्रतिक्रिया वाहन और एक अग्नि नियंत्रण संचार वाहन शामिल रहे। धुएं से भरे परिसर के अंदर अभियान चलाने में सहायता के लिए एक मिनी रोबोट को भी मौके पर भेजा गया।

दिल्ली से चोरी की गई थी कैश वैन डकैती में इस्तेमाल कार, नेपाल भागने की तैयारी में थे बदमाश

कौमी पत्रिका

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कृष्णानगर बागू में एनएच-9 पर हुई कैश वैन डकैती मामले में एक और नया खुलासा हुआ है। कैश वैन डकैती में इस्तेमाल कार दिल्ली से चोरी की गई थी। कैश वैन चालक पर जुबैर और समीर ने दो गोलियां चलाई थीं। बदमाश नेपाल भागने की तैयारी में थे पुलिस के अनुसार, कैशियर और सुरक्षाकर्मी के वैन से उतरने के करीब आठ मिनट बाद जुबैर, समीर व शोएब ने कैश वैन को घेर लिया था। चालक तेजपाल ने खतरा भांपते हुए वैन लॉक कर ली और ड्राइविंग सीट पर बैठा रहा। इस दौरान जुबैर ने पिस्टल दिखाकर उसे नीचे उतरने की धमकी दी, लेकिन विरोध करने पर चालक की ओर फायर कर दिया। गनीमत रही कि गोली वैन की खिड़की में धंस गई। इसके बाद समीर ने कंडक्टर साइड से हवाई फायर कर चालक को डराया। दहशत में आए चालक ने वैन का लॉक खोल दिया और बदमाश उसको नीचे फेंककर कैश वैन लेकर फरार हो गए। पुलिस जांच में सामने आया कि फिरोज और मोहम्मद कैफ चोरी की बलेनो कार से कैश वैन का पीछा कर रहे थे। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि डकैती में प्रयुक्त बलेनो कार अप्रैल 2026 में दिल्ली के तिलकनगर थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। कार मालिक बलबीर कौर ने इसकी प्राथमिकी दर्ज करा रखी थी। उन्होंने बताया कि गिरोह का मास्टरमाइंड जुबैर बेहद शातिर था। वारदात के बाद पुलिस को भ्रमित करने के लिए वह कई सीसीटीवी कैमरों के सामने लोगों से रास्ता पूछते हुए दिखाई दिया, लेकिन पूछे गए रास्ते पर न जाकर दूसरी दिशा में निकल जाता था। स्वाट टीम की जांच में सामने आया है कि डकैती में इस्तेमाल बलेनो कार की लोकेशन वारदात के बाद मुजफ्फरनगर, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल तक मिली थी। समीर, जुबैर का ममेरा भाई था। दोनों हमेशा साथ रहते थे। मंगलवार को दोनों घर से कपड़े, आधार कार्ड और बैंक पासबुक लेने आए थे। वेव सिटी के डासना मोड़ पर उनकी मौजूदगी की सूचना पुलिस को मिली थी। आशंका है कि दोनों नेपाल भागने की फिराक में थे। मंगलवार रात मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से जुबैर और समीर की मौत हो गई थी, लेकिन बुधवार देर शाम तक दोनों के शव पोस्टमार्टम हाउस नहीं पहुंचाए गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शवों के एक्स-रे में देरी के कारण पोस्टमार्टम प्रक्रिया अटक गई। शाम करीब साढ़े सात बजे एक शव जिला अस्पताल ले जाया गया, जबकि चिकित्सक दूसरे शव का इंतजार करते रहे। दिनभर मृतकों के परिजन अस्पताल और पोस्टमार्टम हाउस के चक्कर लगाते रहे। विजयनगर के प्रताप विहार सेक्टर-12 स्थित दोनों आरोपियों के घरों में मातम पसरा रहा, लेकिन आसपास के लोगों ने परिवार से दूरी बनाए रखी। मुठभेड़ में तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए। इनमें मुख्य आरक्षी संदीप मलिक की हालत गंभीर बनी हुई है। बदमाशों की गोली उनके पेट में लगी थी। उन्हें यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बुधवार को ऑपरेशन कर गोली निकाल दी गई। हालांकि, चिकित्सकों ने उनकी स्थिति अब भी चिंताजनक बताई है। एडीसीपी पीयूष कुमार सिंह ने अस्पताल पहुंचकर घायल पुलिसकर्मी का हालचाल लिया और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

स्लीपर बस में महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म, रात में टाइम बताने के बहाने अंदर खींचा

नई दिल्ली। रानीबाग इलाके में सोमवार रात चलती स्लीपर बस में महिला से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मंगोलपुरी स्थित फैक्टरी में काम करने वाली महिला घटना के समय काम खत्म कर घर जा रही थी। आरोप है कि बस में सवार चालक और हेल्पर ने उसके साथ दुष्कर्म किया और उसे नांगलोई मेट्रो स्टेशन के पास बस से फेंककर भाग गए। पीड़िता को पुलिस ने तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया और उसके बयान पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए बस को जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, 30 साल की महिला अपने पति और दो बच्चों के साथ पीतमपुरा इलाके में रहती है। उसके पति को टीबी की बीमारी है। वह मंगोलपुरी स्थित फैक्टरी में काम करती है। रानीबाग थाने में दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक सोमवार रात वह काम करने के बाद घर जा रही थी। सरस्वती विहार इलाके में वह बस का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान एक स्लीपर बस आकर वहां रुकी। महिला ने दरवाजे पर खड़े व्यक्ति से टाइम पूछा। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसे बस के अंदर खींच लिया और चालक से बस चलाने के लिए कहा। इस दौरान बस में मौजूद दो आरोपियों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। नांगलोई मेट्रो स्टेशन के पास महिला को बस से फेंककर वहां से भाग गए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रूट पर लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की, जिसमें पता चला कि बस दिल्ली से बिहार के बीच चलती है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने तख्त श्री पटना साहिब में माथा टेका

प्रथम पृष्ठ का शेष

गुरु साहिब की इलाही हाजिरी में माथा टेककर मैंने पंजाब, पंजाबियों और दुनिया भर में बसती समूची सिख संगत की खुशहाली, तंदुरुस्ती और सदा चढ़दी कला के लिए अरदास की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिर्फ सिख ही नहीं, बल्कि हर मनुष्य को हमारे महान गुरुओं के आशीर्वाद वाली इस पवित्र धरती से शक्ति और प्रेरणा मिलती है। गुरु साहिब की शिक्षाएं मानवता को सच्चाई, दया-भावना और विश्वव्यापी भाईचारे के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मैंने अरदास की कि राज्य में आपसी एकता, अमन-शांति और भाईचारे की डोरें आगे और मजबूत हों तथा पंजाब हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करता रहे। उन्होंने आगे कहा कि मैं राज्य के लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूर्ण लगन और वचनबद्धता से उनकी सेवा करने के लिए सर्वशक्तिमान परमात्मा से आशीर्वाद मांगा। मुख्यमंत्री ने कहा, इस पवित्र धरती पर माथा टेकने के बाद मैं नई और विलक्षण ऊर्जा महसूस कर रहा हूं। इस यात्रा ने मुझे मिशनरी जोश के साथ पंजाब के लोगों की सेवा करने के लिए नए उत्साह और हौसले से भर दिया है। गुरु साहिब का दिल से धन्यवाद करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब ने बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाकर पूरे देश को गुरु साहिबान के सत्कार की रखवाली का रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा, गुरु साहिब ने हमें बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाने की सेवा बख्शी है। पवित्र शब्द गुरु की पवित्रता और मर्यादा को कायम रखना हम सबका नैतिक फर्ज है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि पंजाब सरकार श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की मान-मर्यादा को कायम रखने और लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को सख्त सजा सुनिश्चित बनाने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि गुरु साहिब इसी तरह सब पर अपनी अपार कृपा और आशीर्वाद बनाए रखेंगे तथा पंजाब को अधिक खुशहाली, शांति और रंगला पंजाब के मार्ग की ओर ले जाएंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा भी मौजूद थे।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री एस. जगजीत सिंह पुत्र श्री एस. गुरनाम सिंह, श्री राज सिंह पुत्र श्री भूपिंदर सिंह और श्री गुरपाल सिंह पुत्र श्री दविंदर सिंह द्वारा खसरा संख्या 28/18 में स्थित ऊपरी द्वितीय मंजिल, प्लॉट संख्या ष्ट-18/(A) के 75 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले भूखंड को श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री एस. दलीप सिंह द्वारा दिनांक 31.01.2026 का निष्पादित नोटरीकृत जीपीए, एसपीए, एटीएस और वसीयत के आधार पर श्रीमती इंदरजीत कौर को बेचा जा रहा है, ओर इसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती आबिदा बेगम, पत्नी स्वर्गीय मोहम्मद साबिर, निवासी A-44, नवजीवन कैंप, गोविंद पुरी, कालकाजी, दक्षिण दिल्ली-110019 ने अपने पुत्र मोहम्मद शकील, पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद साबिर, निवासी उपरोक्त पते, को उसके अनुचित व्यवहार, कृत्यों एवं असामाजिक गतिविधियों के कारण अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल एवं संबंध विच्छेद कर दिया है। अतः भविष्य में यदि कोई व्यक्ति उक्त मोहम्मद शकील के साथ किसी प्रकार का लेन-देन करता है, तो वह स्वयं अपने जोखिम एवं जिम्मेदारी पर करेगा। मेरी मुवक्किल उसके किसी भी कार्य, कृत्य या दायित्व के लिए उत्तरदायी नहीं होंगी।

RAMVEER SINGH Advocate
Chamber No. 558
Lawyers Block,
Saket Courts Complex,
New Delhi-110017
Ph: 9899266501

NAME CHANGE

I Sanjeevan kumar s/o Ram Shankar C-5/168 Sultanpuri C Block North West Delhi have changed my name to Sanjeevan lal for all future purpose

NAME CHANGE

I, NAVYA D/o Arun Damodaran R/o P-144/103, Officers Enclave, Sekhon Vihar, Palam, Delhi Cantt, Delhi-110010, have changed my name to NAVYA ARUN permanently.

NAME CHANGE

I, NEERAJ KALWANI R/o Flat No.45, Vidya Sagar Apartments, Plot No.34, Sec-6, Dwarka, Delhi-110075, have changed my minor daughter's name from LAVANYA to LAVANYA KALWANI permanently.

NAME CHANGE

I, DEEPAK S/o Late Sh. Sohan Lal R/o B-6, First Floor, Transfomer Wala Road, Sainik Nagar, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to DEEPAK KHANDELWAL permanently.

NAME CHANGE

I, Sunita W/O Jagdish R/O Village Jauri Kalan, Jorikalan Gurgaon Haryana 122503 I, Have Changed My Name To Sunita Devi

NAME CHANGE

I, ASHOK KUMAR RAY S/O Bharat Yadav R/o A-448, Chhuriya Mohalla, Madanpur Khadar, Sarita Vihar, Delhi-110076, have changed my name to ASHOK KUMAR permanently.

NAME CHANGE

I,Israr/Israr Ahmed S/o. Munne Baksh R/o. NA-89, Gali No-6, Vishnu Garden, Tilak Nagar Delhi-110018 have changed my name to Israr Ahmad for all future purposes

NAME CHANGE

I, Shaina W/o Sagar Kohli R/o 2B, Vijay Block, Laxmi Nagar, Delhi-110092 have changed my name to Shaina Thakur.

NAME CHANGE

I Surendra Pal Singh S/0 Rajpal Singh R/0 VP0 Sarurpur Khurd Meerut U.P.250344 Changed my Name to Surendra Singh Jat

NAME CHANGE

I, TUMPA MANDAL wife of No-15342647A, Rank-HAV, Name-INDRAJIT MANDAL Residing at VPO-KRISHNACHANDRAPUR, TEHSIL-TEHATTA, DIST-NADIA, WEST BENGAL-741160, have changed my name from TUMPA MANDAL to TUMPA MONDAL for all future purposes, vide affidavit dated 18/05/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

I, Mampi Sha D/O Raj Kumar Sha R/O H No. O Sain Vihar, Part 3 Gali No. 9 to 12, 0, Vijay Nagar, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201009, do hereby undertake that I, Mampi Sha want to change my name to Manpreet Sha and gender as Male. I, Mampi Sha henceforth be known as Manpreet Sha S/O Raj Kumar Sha The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I shall be personally responsible for the same, and the Department of Publication shall not be liable for any consequences arising therefrom.

NAME CHANGE

It is for general information that I SANDEEP GUPTA S/O ARVIND KUMAR R/O H NO-28, Janta Flats, Vivek Vihar Phase-1, Vivek Vihar, East Delhi, Delhi-110095 declare that name of my father has been wrongly written as ARVIND GUPTA in my 10th Class Educational Documents. The actual name of my father is ARVIND KUMAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, AMTUL W/o AMANULLAH SAIFI R/o H NO- 1/218/22, MASJID QTRS, SADAR BAZAR DELHI CANTT-110010, have changed my name from AMTUL to AMTUL NISHA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as NALINI SHARMA, D/o Shri ANIL SHARMA, R/o H.NO. 282, SOUTH END APARTMENT MIG, PUL PEHLADPUR, SOUTH DELHI, DELHI 110044, have changed my name and shall hereafter be known as NALINI PANT. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I Rai Neha Santosh w/o Vinay Shankar A- 273 Pkt -5 Pole 2934 Sonia Vihar Karawal Nagar North East Delhi 110094 have changed my name to Neha Sharma for all future purpose

NAME CHANGE

I,ANNU W/O: Parmod, Sharma R/O KRISHNA NAGAR, Khekada Khekra, Baghpat, Uttar Pradesh, 250101, have changed the name of my minor daughter Nainasi aged 17 years and she shall hereafter be known as SAKSHI SHARMA.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती अंजू, पत्नी श्री गगन कुमार, पूरी ग्राउंड फ्लोर (छत के अधिकारों के बिना) के संबंध में जो फ्रीहोल्ड संपत्ति संख्या WZ-196-B/5 का एक हिस्सा है, और प्लॉट संख्या स्र-25/1-A पर निर्मित है, जिसका क्षेत्रफल 62.5 वर्ग गज है, और जो खसरा संख्या 783 के अंतर्गत ग्राम तिहाड़ क्षेत्र में स्थित है (कॉलोनी का नाम वीरेंद्र नगर, नई दिल्ली-11058 हे) - के संबंध में यह सूचना दी जाती है। यह संपत्ति दिनांक 03.08.2022 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के आधार पर प्राप्त हुई थी, जो दस्तावेज संख्या 19198, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 7906, पृष्ठ 104-110 के रूप में दिनांक 03.08.2022 को SR-IIB, जनकपुरी में विधिवत पंजीकृत है; यह विलेख श्री तारा चंद के पुत्र श्री अमित वर्मा द्वारा निष्पादित किया गया था। इस संपत्ति की श्रृंखला में, दिनांक 01.06.2012 का एक विक्रय विलेख (जो श्रीमती हरजीत कोर चावला, पत्नी श्री स्वर्ण सिंह- 66.67त्न हिस्सा और श्रीमती शशि कक्कड़, पत्नी श्री मनमोहन कक्कड़ - 33.33% हिस्सा द्वारा श्री तारा चंद के पुत्र श्री अमित वर्मा के पक्ष में निष्पादित किया गया था) खो गया है। इस संबंध में दिनांक 18.05.2026 को स्र संख्या 313003/2026 के तहत एक ऑनलाइन FIR पहले ही दर्ज की जा चुकी है। उक्त संपत्ति श्रीमती उर्मिला, पत्नी श्री सुनील कुमार को बेची जानी है, और इस सोदे के लिए वित्तपोषण (फाइनेंस) SMFG India Home Finance Co. Ltd. द्वारा किया जाएगा। आम जनता को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार (Charge), हित (Interest) या स्वामित्व (Title) है, अथवा इस संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर, नीचे दिए गए पते पर अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में सूचित करें,

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

I, RAJSHREE MISHRA wife of IC-43848A, Rank-EX MAJ, Name-LATE CHANDRA SHEKHER MISRA residing at NEAR MADHU NAGAR-1, COMMANDER COLONY, BARRACK ROAD, AGRA CANTT, AGRA, UTTAR PRADESH-282001 presently residing at 158, BLOCK-W, GREATER KAILASH, NEW DELHI, DELHI-110048, have changed my name from RAJSHREE MISHRA to RAJSHRI MISHRA for all future purposes, in my husband s service record my date of birth wrongly mentioned as 19 September 1964 instead of my correct date of birth as 07 April 1964, Vide Affidavit dated 18/05/2026 before Executive Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHD ABID S/O MOHAMMAD SALEEM residing at HOUSE NO-850, CHURI WALAN, JAMA MASJID, DELHI-110006 Have changed my minor son name from MOHAMMAD ARISH to ZAIN KHAN, for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MOHD ABID S/O MOHAMMAD SALEEM residing at HOUSE NO-850, CHURI WALAN, JAMA MASJID, DELHI-110006 Have changed my minor son name from MOHAMMAD ZAIN to ALTAMASH KHAN, for all future purpose.

NAME CHANGE

It is for general information that I, MUKESH KUMAR S/O DEEWAN SINGH R/O House No. 63, Krishna Kunj-1, Nandgram, Uttar Pradesh-201001, declare that name of my minor son has been wrongly written as MAX in my minor son namely MAX CHAUDHARY aged 16 years in his 10th class educational documents. The actual name of my minor son is MAX CHAUDHARY which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, ASHISH MODI R/o J-166, Second Floor, Saket (South Delhi), Delhi-110017 have changed my name to ASHISH KANODIA.

NAME CHANGE

I, REKHA MODI W/o ASHISH KANODIA R/o J-166, Second Floor, Saket (South Delhi), Delhi-110017 have changed my name to REKHA KANODIA.

NAME CHANGE

I, POONAM SHARMA W/O ATUL MOHAN R/O A-87, 2ND FLOOR, SIGNATURE GLOBAL PARK-5, GURGAON,HARYANA-122103, HAVE CHANGED MY NAME TO PUNAM SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, ATUL MOHAN SHARMA S/O MAN MOHAN SHARMA R/O A-87,2ND FLOOR, SIGNATURE GLOBAL PARK-5, GURGON, HARYANA-122103, HAVE CHANGED MY NAME TO ATUL MOHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, NAADRA KHATOON WIFE OF SH NAUSHAD ALI R/O H NO.C-12/8, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME NADRA KHATOON FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, hitherto known as Shagupta D/O: Mohd. Azam Khan, R/O E-20/B-12, Shastri Mohalla, Patpar Ganj, Mayur Vihar ph-1, East Delhi, Delhi -110091, have changed my name and shall hereafter be known as SHAGUPTA PARVEEN .

Public Notice

It is for general information that I Sumantra W/O Braham Parkash, R/O H. NO-49, Mohammad Pur Village, R.K.PURAM, DIST: South West Delhi, Delhi-110066 declare that name of mine has been wrongly written as Sumitra Devi in my husband PPO NO: PC/CRIII/17/5008. The actual name of mine is Sumantra, respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती तबस्सुम प्रसाद, पत्नी श्री तारकेश्वर नाथ प्रसाद, ग्राम यूसुफपुर चकसबेरी, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश स्थित खसरा संख्या 139 में से 50 वर्ग गज अर्थात 41.80 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का एक आवासीय प्लॉट, श्रीमती भारती कुमारी से क्रय करना चाहती हैं। श्रीमती भारती कुमारी ने उक्त संपत्ति श्री राजेश कुमार से विक्रय विलेख दिनांक 29.09.2023 के माध्यम से क्रय की थी, जो दस्तावेज संख्या 40478 के रूप में पंजीकृत है। उन्होंने हमें सूचित किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल विक्रय विलेख, दस्तावेज संख्या 15698, पुस्तक संख्या 01, वॉल्यूम संख्या 15728, पृष्ठ संख्या 65-152, दिनांक 08.10.2020, जो एस.आर.ओ.-दादरी में पंजीकृत है, गुम/खो गया है। उक्त दस्तावेज को खोजने के लिए पर्याप्त प्रयास किए गए, परंतु वह प्राप्त नहीं हो सका। उक्त दस्तावेज के गुम होने के संबंध में एक ऑनलाइन (एल.आर. संख्या 20260000454582) दिनांक 18.05.2026 दर्ज कराई गई है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण Aditya Birla Housing Finance Limited, शाखा नोएडा, उत्तर प्रदेश के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

Name Correction

मैं, धनंजय रावत, पुत्र श्री मनीराम रावत, निवासी X-271 भारत विहार, प्रेम नगर-II, किराड़ी सुलेमान नगर, दिल्ली - 110086, यह घोषित करता हूँ कि Dhananjay तथा Dhananjay Rawat दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। अतः भविष्य में दोनों नामों को मेरे ही नाम के रूप में माना जाए।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री अशोक कुमार, पुत्र श्री द्वारका प्रसाद, ने ऊपरी भूतल पर छत की ऊंचाई तक (अर्थात छत के अधिकार के बिना) 100 वर्ग गज क्षेत्रफल में निर्मित संपत्ति संख्या 73, 100 वर्ग गज भूमि क्षेत्र, रेक्ट संख्या 39, किला संख्या 10, आबादी, न्यू लाहौर, शास्त्री नगर, ग्राम खुरेजी खास, इलाका शाहदरा, दिल्ली 31 में स्थित संपत्ति पर, दिनांक 30.06.2021 के पंजीकृत जीपीए के आधार पर, जो एसआरओ-VIII, नई दिल्ली/दिल्ली में विधिवत पंजीकृत है, दस्तावेज़ संख्या 2339, पुस्तक संख्या 4, खंड संख्या 4667, पृष्ठ संख्या 11-15, दिनांक 01.07.2021 के अंतर्गत, और श्रीमती रिंकी पत्नी द्वारा निष्पादित एटीएस एवं वसीयत के आधार पर... श्री रविंदर कुमार और श्रीमती रेनू बाग को उक्त संपत्ति बेची जानी है, जिसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Tushar Verma S/o Mr. Khem Chand is the owner and in possession of a Freehold Residential Eastern Side Portion Part of Plot No. 152, area measuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 35//6/2, Situated at Waka Moza Gaunchhi Parvtiye Colony Tehsil Ballabhgarh District Faridabad Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Transfer Deed Dated 27.03.2026, Vide Doc. No. 3000, Book No.1, Vol. No. 64/46, Pages No. 196 SR-Gaunchi. In the chain of documents, the (1) Death Certificate & SMC of late Mr. Dhanmohan Singh, (2) Original Sale Deed dated 10.05.2013 executed by Mr. Sanny in favour of Mr. Anil Awana Vide Doc. No. 1374, Book No.1, Vol. No. 1/40, Pages No. 131/10-1, SR-Ballabhgarh & (3) Original Sale Deed Dated 29.12.2014 executed by Mr. Anil Awana in favour of Mr. Khem Chand Verma Vide Doc. No. 11267, Book No.1, Vol. No. 0/7, Pages No. 54/85-87 SR-Ballabhgarh are not available; Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold to be Mrs. Parul Kumari and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Faridabad NIT Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NOTICE

Public at large is hereby informed that my client Ms. Mansimran Kaur D/o Sh. Surjeet Singh Sehgal is the owner of Second Floor Portion of Property, with Common Roof Rights, admeasuring 324 Sq. Mtrs. Property No.250, Block-A, Situated at Vikaspuri, New Delhi-110018. Initially, Conveyance Deed dated 24.02.1997 executed by DDA in favour of Sh. Devender Singh S/o Late Sh. Sardar Singh Anand and Sh. Savinder Singh S/o Late Sh. Sardar Singh Anand and Sh. Satvinder Singh S/o Late Sh. Sardar Singh Anand in respect of Said Property, (Doc No. 1530). Later Partition Deed dated 07.04.1997 executed Between (First Party) Sh. Devender Singh (Second Party), Sh. Savinder Singh (Third Party) and Sh. Satvinder Singh (Third Party) Shall Be owner of Entire Second Floor Property of Plot No. 250, Area Measuring 324 Sq. Mtrs., (Doc No. 2589). Later Sh. Satvinder Singh mortgage the said Floor in Cholamamndalam Investment and Finance Company Ltd. and was Unable to Repay the Loan back. Finally, Sale Certificate dated 05.05.2025 executed by Chola Mandalam Investment and Finance Company Ltd. in favour of Ms. Mansimran Kaur D/o Sh. Surjeet Singh Sehgal in respect of Second Floor Portion of Property, With Common Roof/Terrace/Rights, Area Measuring 324 Sq. Mtrs. Property No.250, in Block-A, As Doc No. 2025/25/I/12855, Book No.1, Volume No. 14699, Page No. 175-188 SRO- West Janakpuri. That my client intends to mortgage said immovable property for bonafide requirements to HDFC BANK LTD. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 18/5/2025

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

NAME CHANGE

I, K MAHALAKSHMI wife of Name-KANAKARAJ A residing at VILL-CHOKKALINGA PURAM, PO-KALUGACHALAPURAM, TEHSIL-VILATHIKULAM, DIST-THOOTHUKKUDI, TAMIL NADU-628902, have changed my name from K MAHALAKSHMI to MAHALAKSHMI K for all future purposes vide Affidavit dated 16/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JAGARNATH MAHTO S/o Ram Sunder Mahto R/o H.NO.840, Block-67, Type-1 Qtrs, Mandir Marg, New Delhi-110001, have changed my name to JAGAN NATH MAHTO permanently.

NAME CHANGE

I, NO-2615361A Rank-HAV Name-SIVARAJ T residing at 1/200, VILL-THANAMPATTI KONDEPALLI, VTC-KRISHNAGIRI, PO-RAMAPURAM, DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635115 have changed my wife s name from D SASIKALA to SASIKALA D for all future purposes vide Affidavit dated 16/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I Sushil Kumar Sahu S/o Ram Prasad Sahu R/o Flat No. 902, 9th Floor, Tower-G5, Eros Sampoornam-I, Sector-2, Greater Noida, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306 have changed the name of my minor daughter Subhi Sahu aged 12 years and she shall hereafter be known as Sanskriti Sahu.

NAME CHANGE

I, Munnawar Ali S/o Shahmat Ali R/o G-703, Shaheed Nagar, Chikamberpur, PO. Chikamberpur, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201006 declare that name of my father has been wrongly written as Hasmat Ali in my Pan Card No. AUJPA9865C. Correct name of my father is Shahmat Ali

NAME CHANGE

I, hitherto known as vijay kumar S/O Mahendra singh R/O h. no. 226, guruji kirpa house, nangla badi, PO: Rataul Dist: Bagpat, uttar Pradesh-250101 have changed my name and shall hereafter be known as KRISHNA GAUTTAM.

NAME CHANGE

I, Veervati W/O Manoj Kumar R/O Flat No-607, Sadbhawna Society, Plot No-11, Near Saint Gregorious School, Sector-11 Dwarka, Dwarka Sector-11, South West Delhi, Delhi -110075, have changed my name and shall hereafter be known as Veervati Bhamu

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2)(1) Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मुनीर खान पुत्र मुजीब खान निवासी म.नं. सी-216, लोहिया नगर, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने एफआईआर नं./कोर्ट केस नं. **2985/2020, थाना गाज़ीपुर, पूर्व ज़िला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मुनीर खान** मिल नहीं रहा/रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मुनीर खान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर नं./कोर्ट केस नं. **2985/2020, थाना गाज़ीपुर, पूर्व ज़िला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मुनीर खान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.07.2026** को **प्रातः 10:00 बजे** उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
न्यायिक न्यायधीश प्रथम श्रेणी-03
कोर्ट नंबर 16, शाहदरा जिला (पूर्व)
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/6254/ED/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अखलाक मलिक उर्फ गुड्डु पुत्र** मो0 यासीन **निवासी** मकान नं0 234, गली नं0 7/8, गुलाब वाटिका, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.), ने **FIR No. 80102363/25, U/S 303(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता, 2023, पुलिस स्टेशन कोतवाली, उत्तर जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अखलाक मलिक उर्फ गुड्डु** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अखलाक मलिक उर्फ गुड्डु** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 80102363/25, U/S 303(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता, 2023, पुलिस स्टेशन कोतवाली, उत्तर जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **अखलाक मलिक उर्फ गुड्डु** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.06.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री सायेशा चड्ढा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-08,
कोर्ट नं0-272, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6547/N/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

जनगणना में लापरवाह 24 कर्मचारियों पर होगी एफआईआर

एजेंसी
गुरुग्राम। जनगणना कार्य में लापरवाही करने वाले 24 कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज होगी। निगमायुक्त प्रदीप दहिया एफआईआर दर्ज करने की शिकायत भेजी है। एफआईआर के बाद भी काम नहीं करने पर कर्मचारियों को सस्पेंड भी किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर सख्त एक्शन के निर्देश दिए हैं। हुई समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज होने के बाद भी काम शुरू न करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कोर्ट में कानूनी कार्रवाई होगी और उन्हें निलंबित भी किया जाएगा। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि नगर निगम ने 24 कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए शिकायत भेजी थी। इनमें से कुछ कर्मचारियों ने अभी तक आवंटित क्षेत्र में जनगणना कार्य शुरू नहीं किया है। इस पर निगमायुक्त ने कड़ा रुख अपनाते हुए कार्रवाई तेज करने को कहा। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने स्पष्ट कहा कि सोमवार तक सभी ब्लॉकों में जनगणना कार्य हर हाल में शुरू हो जाना चाहिए। सभी संयुक्त आयुक्तों को अपने क्षेत्रों का नियमित दौरा कर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जनगणना को समय पर पूरा करने के लिए निगमायुक्त ने आरडब्ल्यूए से भी सहयोग मांगा है।

रेडक्रास का फैसला,सप्ताह में दो दिन कर्मी पैदल या साइकिल पर आएंगे कार्यालय

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत और सार्वजनिक परिवहन सेवा के उपयोग की अपील सार्थक साबित हो रही है। मुख्यमंत्री तथा प्रदेश के मंत्रियों द्वारा वाहनों का काफिला कम किए जाने के बाद अब हरियाणा रेडक्रास सोसायटी ने इस मुहिम को गति देते हुए सप्ताह में दो दिन कर्मियों को पैदल, साइकिल या फिर दोपहिया वाहन से कार्यालय पहुंचने के निर्देश जारी किए हैं। हरियाणा रेडक्रास सोसायटी के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी की ओर से सभी जिला सचिवों को निर्देश दिए गए हैं कि सप्ताह में दो दिन कार्यालय पहुंचने के लिए साइकिल या फिर दोपहिया वाहन का इस्तेमाल किया जाए। कार्यालय पहुंचने के लिए पैदल चलने को प्राथमिकता दी जाए। रेडक्रास के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी ने कहा कि सामूहिक प्रयास और छोटे-छोटे त्याग देशहित में बड़े बदलाव का आधार बन सकते हैं। रेडक्रास के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी ने कहा कि सभी जिला शाखाओं को निर्देश दिए गए हैं कि कार्यालय की गाड़ी का कम से कम उपयोग किया जाए। वहीं, सभी जिला सचिवों और कर्मियों को आह्वान किया गया है कि सप्ताह में कम से कम दो दिन पैदल, साइकिल या दोपहिया वाहन से यात्रा करें।

राजस्थान की सीमा पर बसे हरियाणा के गांव जमाल में गंभीर पेयजल संकट

सिरसा। राजस्थान की सीमा पर बसे हरियाणा के गांव जमाल में पेयजल की कमी से त्राहि त्राहि मची हुई है। करीब 15 हजार की आबादी वाले इस गांव के जलघर की डिग्गियां खाली पड़ी हैं और ग्रामीण खरीद कर पानी पी रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रति टैंकर के हिसाब से एक हजार रुपये से लेकर 1300 रुपए वसूले जा रहे हैं। टैंकरों का पानी दूषित है, जिससे बीमारियां फैलने का अंदेशा बना हुआ है।ग्रामीणों ने बताया कि गांव जमाल के नजदीक नहरों में पानी नहीं है और टैंकर चालक 15 किलोमीटर दूर से पानी लेकर आ रहे हैं, जिससे वह किराया भी अधिक वसूल रहे हैं। राजस्थान की सीमा पर बसे हरियाणा के 15 हजार की आबादी और 20 वार्डो वाले गांव जमाल में पिछले 15 -20 दिनों से पेयजल किल्लत को लेकर ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण विक्रम शर्मा, देवीलाल, संदीप कुमार, अशोक कुमार आदि ने बताया कि गांव के जलघर में बनी चार डिग्गियां खाली पड़ी है, जिससे पानी सप्लाई नहीं हो पा रहा है। पिछले 15 दिनों से ग्रामीणों को पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। गांव में टैंकर चालक बड़ी राशि वसूल करते हैं और वह भी आसपास से गुजरने वाली नहरों से गंदा और दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। पिछले कई दिनों से नहरों में पानी नहीं पहुंचने के कारण जहां एक और फसलों की बिजाई नहीं हो रही है वहीं जलघर में पीने के पानी की समस्या विकराल बनी हुई है।

चंडीगढ़-बांद्रा एक्सप्रेस रोजाना चलाने की मांग, रेल यात्रियों ने सौंपा ज्ञापन

नारनौल। नारनौल में दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच की ओर से चंडीगढ़.बांद्रा एक्सप्रेस ट्रेन को प्रतिदिन चलाने की मांग उठाई गई। मंच के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष अशोक कटारिया के नेतृत्व में नारनौल रेलवे स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर रेल मंत्रालय से इस दिशा में कार्रवाई करने की मांग की। मंच के उपाध्यक्ष महेश बाखालिया ने बताया कि वर्तमान में गाड़ी संख्या 22451/52 चंडीगढ़-बांद्रा एक्सप्रेस सप्ताह में केवल दो दिन संचालित होती है, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि नारनौल और अटेली क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग रोजगार, शिक्षा, व्यापार और सरकारी कार्यों के लिए चंडीगढ़ आते-जाते हैं, लेकिन पर्याप्त रेल सुविधा नहीं होने के कारण लोगों को मजबूरी में सड़क मार्ग का सहारा लेना पड़ता है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ हरियाणा की राजधानी है, ऐसे में दक्षिण हरियाणा के लोगों के लिए वहां तक सीधी और नियमित रेल सेवा उपलब्ध होना जरूरी है।

हरियाणा में जनगणना के कार्य में तेजी, कई जिलों में हाउस लिस्टिंग गतिविधियां सौ फीसदी शुरू : अनुराग रस्तोगी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा में चल रही जनगणना 2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं आवास गणना (एचएलओ) के कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में हाउस लिस्टिंग गतिविधियां शुरू हो चुकी हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंडल आयुक्तों, उपायुक्तों, नगर निगम आयुक्तों, जिला शिक्षा अधिकारियों तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यापक समीक्षा बैठक कर इस राष्ट्रीय कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा करने की तैयारियों का आकलन किया। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनगणना कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और इसे पूरी प्रतिबद्धता, जवाबदेही और दक्षता के साथ संपन्न करें। उन्होंने कहा कि जनगणना नीति निर्माण, विकास योजनाओं की रूपरेखा, संसाधनों के आवंटन और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए एक महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती है। इसलिए इसका सफल संचालन शासन और प्रशासन के लिए

अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि कोई कर्मचारी जनगणना ड्यूटी में लापरवाही या असहयोग करता है तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। हरियाणा के जनगणना संचालन निदेशक डॉ. ललित जैन ने जानकारी दी कि राज्य में कुल हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स (एचएलबी) में से 97 प्रतिशत से अधिक में कार्य प्रारंभ हो चुका है। यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, फतेहाबाद, हांसी, चरखी दादरी और फरीदाबाद जिलों में हाउस लिस्टिंग गतिविधियां शत- प्रतिशत प्रतिशत शुरू हो चुकी हैं, जो जिला प्रशासन, गणनाकारों और पर्यवेक्षी स्टाफ की दक्षता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चरखी दादरी जिला 32 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण कर राज्य में अग्रणी है, जबकि फतेहाबाद, हांसी, जींद और महेंद्रगढ़ जिलों में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। शहरी क्षेत्रों में भी कार्य की गति संतोषजनक है। नगर निगमों में पानीपत में सर्वाधिक कार्य पूरा हुआ है, इसके बाद रोहतक और फरीदाबाद का स्थान है।बैठक के दौरान राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने जनगणना कार्य के सुचारू संचालन के लिए नगर समितियों, सरपंचों, पंचों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए) के सक्रिय सहयोग पर बल दिया। उन्होंने ग्राम सभाओं को भी जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करने और जन जागरूकता बढ़ाने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियां चलाने का आह्वान किया। सभी जिला प्रशासन को सलाह दी गई कि जनगणना ड्यूटी में लगे कर्मचारियों के कार्य समय को आवश्यकतानुसार समायोजित किया जाए, ताकि फील्ड कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जा सके। मुख्य सचिव ने 15 जून, 2026 से शुरू होने वाले स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की तैयारियों की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित करने तथा जनगणना और एसआईआर कार्यों के बीच तालमेल बनाए रखने पर चर्चा की।

समाज हित में किया गया प्रत्येक कार्य होता पुण्य का कार्य :मंत्री मनोहर लाल

एजेंसी
पानीपत। केंद्रीय ऊर्जा, शहरी एवं आवास मंत्री मनोहर लाल ने आर्य पीजी कॉलेज सभागार में सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस कार्यक्रम में क्षेत्र की बेटियों के शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।केंद्रीय मंत्री ने 104 छात्राओं को पानीपत क्षेत्र में तथा 143 छात्राओं को समालखा क्षेत्र में साइकिल वितरित की। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से 1000 साइकिलों का वितरण करने की योजना बनाई गई है। इस कार्यक्रम में सिग्मा संस्था के अतुलनीय योगदान की प्रशंसा की। कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि यह केवल साइकिल वितरण कार्यक्रम नहीं बल्कि बेटियों को आत्मनिर्भर और शिक्षित बनाने का अभियान है। जब समाज की संस्थाएं आगे आकर जरूरतमंद बच्चों और बेटियों के लिए कार्य करती हैं, तब समाज में संस्कार और संवेदनाएं मजबूत होती हैं। समाज हित में किया गया प्रत्येक कार्य पुण्य का कार्य होता है। उन्होंने स्कूली छात्राओं और अभिभावकों को संबोधित करते

हुए कहा कि 'पढ़ेंगी बेटियां, तभी आगे बढ़ेंगी बेटियां। बेटियों की शिक्षा केवल परिवार नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य को मजबूत करती है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद संजय भाटिया ने सामाजिक संस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि जब समाज और संस्थाएं मिलकर कार्य करती हैं, तब विकास की नई इबारत लिखी जाती है। उन्होंने कहा कि बेटियों को शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराना सबसे बड़ा सामाजिक निवेश है।

नीट पेपर लीक के खिलाफ एआईडीवाईओ ने रोहतक में किया प्रदर्शन

एजेंसी
रोहतक। ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक यूथ ऑर्गेनाइजेशन के कार्यकर्ताओं ने नीट पेपर लीक के खिलाफ रोहतक में हुडा सिटी पार्क नए बस स्टैंड के सामने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए एआईडीओ के प्रदेश अध्यक्ष बलवान सिंह ने सरकार और परीक्षा प्रणाली पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक होना अब कोई पहली बार की घटना नहीं है। यह सिलसिला पिछले कई बार से लगातार चल रहा है। हर बार इस महाघोटाले में एनटीए नकल माफिया और बड़े-बड़े कोचिंग संस्थानों की मिलीभगत सामने आती है, लेकिन सरकार हर बार मामले को रफा-दफा करके ठंडे बस्ते में डाल देती है। इसी ढुलमुल रवैए के कारण नकल माफिया और कोचिंग संस्थानों के हौसले बुलंद हैं और वे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान एआईडीवाईओ ने सरकार से मांग की कि नीट पेपर लीक मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच हो ताकि नकल माफिया और कोचिंग संस्थानों के गठबंधन का पूरा तरह पर्दाफाश हो सके। इस घोटाले में जो भी लोग दोषी पाए जाएं, उन्हें ऐसी सख्त और उदाहरण मूलक (नजीर बनने वाली) सजा दी जाए ताकि भविष्य में कोई ऐसा करने की हिम्मत न कर सके। इस पूरे मामले में सरकार अपनी जिम्मेदारी तय करे और जनता के प्रति जवाबदेह बने। बार-बार पेपर लीक में शामिल रहे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को तुरंत भंग किया जाए। भविष्य में नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए एक पूरी तरह से सुरक्षित और फुल-प्रूफ सिस्टम तैयार किया जाए। संगठन ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक छात्रों और युवाओं को न्याय नहीं मिल जाता और परीक्षा प्रणाली में सुधार नहीं होता।

चुनौतियां चाहे कितनी भी हों, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित हाथों में : अनिल विज

एजेंसी
चण्डीगढ। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आजकल राजनीति में बिना सोचे-समझे इस्तीफा मांगना एक 'कॉमन बात' बन गई है। किसी से भी खड़े होकर इस्तीफा मांग लेना बहुत आसान है, लेकिन असली बात काम करके दिखाने की होती है। विज आज अम्बाला में मीडिया कर्मियों के सवालों के जवाब दे रहे थे। विज ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बचाव करते हुए कहा कि वे केंद्र सरकार के सबसे सक्षम और मेहनती मंत्रियों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही यह घटना सामने आई, केंद्र

सरकार ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। जांच एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं और दोषियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले को लेकर पूरी तरह गंभीर है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाने के संबंध में अनिल विज ने कहा कि भगवंत मान को शायद प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं का उद्देश्य समझ नहीं आता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशहित में विदेश यात्राएं करते हैं ताकि भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंध मजबूत हों, व्यापार बढ़े और दुनिया में भारत की स्थिति और सशक्त बने। उन्होंने कहा कि कुछ लोग केवल राजनीति के लिए विदेश यात्राओं पर टिप्पणी करते हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के हित में कार्य कर रहे हैं। विज ने कहा कि क्या विपक्ष चाहता है कि प्रधानमंत्री देश की विदेशी संबंध मजबूत करने के लिए बाहर ही न जाएं और घर बैठ जाएं? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नेतृत्व से भारत को वैश्विक छवि को नई ऊंचाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'यह दशक दुनिया के लिए आपदाओं का दशक बनता जा रहा है', प्रतिक्रिया देते हुए अनिल विज ने कहा कि चुनौतियां चाहे कैसी भी हों, देश सुरक्षित हाथों में है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने कोरोना महामारी जैसी बड़ी चुनौती का सफलतापूर्वक सामना किया। इसके अलावा अनेक कठिन परिस्थितियों के तहत आपरेशन सिंदूर में भी प्रधानमंत्री ने अपनी दूरदर्शी सोच और मजबूत नेतृत्व से देश को मजबूती के साथ आगे बढ़ाया है। विज ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और युद्ध जैसे हालातों के बीच भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को हर चुनौती से सुरक्षित बाहर निकालने में पूरी तरह सक्षम हैं।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप के नाम पर चेयर व अध्ययन केंद्र की स्थापना होगी : मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में महाराणा प्रताप के नाम पर अध्ययन केंद्र व एक चेयर की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा शहजादपुर के बड़ागढ़ में स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय का नाम बदलकर महारानी पद्मावती राजकीय महाविद्यालय किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह घोषणाएं अंबाला के शहजादपुर में 'संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना' के अंतर्गत आयोजित महाराणा प्रताप जयंती के राज्य स्तरीय समारोह में कीं। उन्होंने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये, राजपूत छात्रावास के निर्माण कार्य के लिए 31 लाख रुपये देने तथा शहजादपुर के कच्चे नाले को पक्का करवाए जाने की भी घोषणा की। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप की नवीकृत प्रतिमा का अनावरण भी किया। समारोह में मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ.) विजय

कुमार सिंह ने विशेष रूप से शिरकत की। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महाराणा प्रताप ऐसे महान योद्धा थे जिनका नाम लेते ही रोम रोम में देशभक्ति की लहर दौड़ने लगती है। इनका नाम सुनते ही हृदय गर्व से और आंखें श्रद्धा से भर जाती हैं। राजपूत समाज में महाराणा प्रताप का जन्म ऐसे समय में हुआ था जब भारतीय समाज पर अन्याय, अत्याचार की घोर घटा छाई हुई थी और हमारी गौरवशाली संस्कृति को नष्ट करने तथा धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया जा रहा था। उन्होंने महाराणा कुंभा और राणा सांगा से वीरता और शौर्य विरासत में प्राप्त की और मेवाड़ की सत्ता संभालने के बाद साहस, पराक्रम और वीरता की अनुपम मिसाल कायम की थीं। उनका घोड़ा 'चेतक' और हाथी 'रामप्रसाद' भी उन्हीं की भांति अद्भुत थे जिन्होंने राष्ट्र, धर्म और सम्मान की रक्षा के लिए त्याग के उदाहरण प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब महाराणा प्रताप ने मेवाड़ की सत्ता संभाली तब आधा मेवाड़ मुगलों के अधीन हो चुका था। अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि को मुगलों से आजाद करवाने के लिए महाराणा प्रताप ने लगभग 20 साल जंगलों में बिताए। उन्होंने घास की रोटियां खाना स्वीकार किया लेकिन हार नहीं मानी।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जन्म बहादुर राजपूत कौम में हुआ। राजपूत एक जाति का नहीं, बल्कि न्याय व सच्चाई का एक प्रतीक है। इस कौम ने देश को महान शासक दिए। भारत की आजादी और आजादी के बाद राष्ट्र की आन, बान व शान की रक्षा के लिए कुर्बानी देने वालों में इस समाज का अग्रणी स्थान है।

भाजपा में प्रशिक्षण से अनुशासित व समर्पित कार्यकर्ताओं का होता है निर्माण : मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी
जींद। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नही बल्कि राष्ट्र सेवा और अंत्योदय की विचारधारा पर आधारित संगठन है। जिसने अपने कार्यकर्ताओं के समर्पण और अनुशासन के बल पर देशभर में मजबूत पहचान बनाई है। भाजपा का इतिहास संघर्ष, सेवा और राष्ट्रहित के संकल्प से जुड़ा हुआ है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत आयोजित भाजपा के दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित कर रहे थे। उनके साथ हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, मंत्री कृष्ण बेदी व अन्य नेता भी शामिल रहे। उन्होंने जनसंघ से लेकर भाजपा के वर्तमान स्वरूप तक की यात्रा पर चर्चा करते हुए कहा कि पार्टी ने हमेशा राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य किया है। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महापुरुषों के विचार आज भी भाजपा की कार्यशैली का आधार हैं। भाजपा ने कार्यकर्ता आधारित संगठन के रूप में अपनी पहचान बनाई है और यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व निर्माण और संगठनात्मक विकास का मंच है। दो दिन तक सभी कार्यकर्ता एक साथ रहे, जिससे उनमें अनुशासन, टीम भावना और आपसी समन्वय विकसित हुआ। ऐसे प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं में नेतृत्व क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ संगठन के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत करते हैं। बड़ौली ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित की भावना के साथ समाज के बीच कार्य करें। संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाना ही भाजपा की सबसे बड़ी प्राथमिकता है और इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

अग्रवाल समाज का इतिहास गौरव व गरिमा से परिपूर्ण : नायब सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि अग्रवाल समाज का इतिहास गौरव व गरिमा से परिपूर्ण रहा है।

महाराजा अग्रसेन ने अपने जीवन में समाज को नई दिशा प्रदान की है। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ के सेक्टर 17 स्थित सर्कस ग्राउंड में अखिल भारतीय अग्रवाल मैत्री संघ द्वारा आयोजित अग्र समाज स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेकर हरियाणा, पंजाब, हिमाचल समेत उत्तर भारत के राज्यों से आए हुए अग्र समाज के लोगों को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक व प्रेरणादायी हैं। अग्र समाज के लोगों का बुद्धिमता व कौशल के क्षेत्र में कोई मुकाबला नहीं है। यह महाराजा अग्रसेन का आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि देश में आजादी के आंदोलन में अग्र समाज की भूमिका अहम रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्रवाल समाज ने हर दौर में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है। देश को आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करने तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में अग्र समाज के लोग हमेशा प्रथम पंक्ति में खड़े रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने एक रुपया, एक ईंट के सिद्धांत से समाज को आत्मनिर्भता तथा सहयोग का मार्ग दिखाया है। इस अवसर पर बोलते हुए स्वामी संपूर्णानंद महाराज ने कहा कि अगर कहीं दान पुण्य और धर्म जीवित है तो केवल अग्र समाज के कारण है। लेकिन आज यहां भी कुरीतियां आ गई हैं। अग्र समाज का इतिहास भी गैरवशाली था भविष्य भी महान है। इसलिए अग्र समाज के लोग बच्चों को अच्छे संस्कार दें। हनुमान परिवार उज्जैन के संस्थापक पंडित विजय शंकर मेहता ने महाराजा अग्रसेन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब मनुष्य को जीवन में अपनों से ही युद्ध (वैचारिक या अन्य) करना पड़े, तो महाराजा अग्रसेन के जीवन का दृष्टिकोण हमें सही मार्ग दिखाता है। हरियाणा के पूर्व मंत्री एवं कार्यक्रम आयोजक असीम गोयल नन्यौला ने उत्तरी भारत के राज्यों से पहुंचे अग्र समाज के लोगों से आहवान किया कि वह आज इस आयोजन से यह प्रण लेकर जाएं कि आज के बाद महाराजा अग्रसेन नहीं बल्कि भगवान अग्रसेन कहेंगे।

हरियाणा में 94 हजार महिलाओं की हो रही रियल-टाइम यात्रा निगरानी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा में 94 हजार से अधिक कामकागी महिलाओं तथा छात्राओं ने खुद को डायल 112 पर पंजीकृत करवाया गया है। हरियाणा 112 के तहत ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा महिलाओं को राज्य आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र के साथ अपनी यात्रा की जानकारी साझा करने की सुविधा दे रही है। इतना ही नहीं प्रदेश में इमरजेंसी रिस्पांस वाहनों का रिस्पांस टाइम फरवरी माह में 9 मिनट 32 सेकंड दर्ज किया गया है। इससे मैट्रो शहरों, कॉल सेंटरों तथा अन्य कार्य स्थलों से देररात लौटाने वाली महिलाओं तथा छात्राओं को घर से बाहर रहते हुए भी पुलिस की सुरक्षा मिलती है। हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने जारी जानकारी में बताया कि एक महिला सबसे ज़्यादा असुरक्षित कहां है। घर पर, काम पर, सफर में या अदालत में,फिर हमने इन तमाम जगहों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चत करने के लिए कारगर कदम उठाए। पुलिस के अनुसार, महिलाओं को रोज़मर्रा की जिंदगी के हर पड़ाव पर अलग-अलग खतरों का सामना करना पड़ सकता है। हरियाणा पुलिस ने घर पर, काम की जगह पर, सफर के दौरान और कानून के समक्ष, इन चारों मोर्चों पर खतरों से निपटने के लिए एक तकनीक को अपनाया है। डीजीपी अजय सिंघल ने कहा कि दुर्गा शक्ति मोबाइल ऐप एक बटन दबाते ही हरियाणा 112 से जुड़ी आपात सुविधा देता है, जबकि दुर्गा शक्ति रैपिड एक्शन फोर्स की 24 कंपनियाँ, 50 समर्पित पैट्रोलिंग वाहन सार्वजनिक स्थानों और परिवहन गलियारों पर गश्त करते हैं।हरियाणा पुलिस ने आज यहां जारी जानकारी में दावा किया महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 38 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। 2024 के 13,945 मामलों से घटकर 2025 में 8,723 मामले रह गए। पुलिस के अनुसार बलात्कार के मामले वर्ष 2021 में 1,716 से घटकर 2025 में 1,033 रह गए, और दर 12.33 से गिरकर 7.06 प्रति लाख महिला आबादी पर आ गई। इसी अवधि में अपहरण के मामले 2,958 से घटकर1,249 हुए।

बागवानी अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा सिरसा में स्थापित होने वाला किन्नू प्लांटः अरविंद शर्मा

एजेंसी
सिरसा। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा एग्रो इंडस्ट्री और डेयरी फेडरेशन मिलकर सिरसा स्थित वीटा प्लांट परिसर में अत्याधुनिक किन्नू जूस प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने जा रहा है। इससे सिरसा व आसपास इलाके के किन्नू उत्पादकों को उनकी फसल का बेहतर मूल्य और उपभोक्ताओं को गुणवत्ता से भरपूर जूस उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि पीपीपी मोड पर स्थापित होने वाले इस प्लांट के लिए निजी क्षेत्र निवेशकों के प्रस्ताव मांगे गए हैं। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सिरसा प्रवास के दौरान वीटा प्लांट सिरसा का औचक निरीक्षण करते हुए प्लांट की व्यवस्थाओं को जांचा। मंत्री ने वीटा प्लांट के सीईओ दिनेश मेहता व अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे वीटा प्लांट की कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाएं, ताकि किसानों और दुग्ध उत्पादकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की घोषणा के अनुरूप सिरसा में जल्द ही अत्याधुनिक किन्नू जूस प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के किन्नू उत्पादक किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से किसानों की आमदनी बढ़ाने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि सिरसा जिला बागवानी, विशेषकर किन्नू उत्पादन में पूरे प्रदेश में विशेष पहचान रखता है, यहां के किसानों द्वारा बड़े स्तर पर किन्नू की खेती की जाती है, लेकिन फसल के उचित प्रसंस्करण और विपणन की कमी के कारण किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता। इसी को ध्यान में रखते हुए किन्नू प्लांट स्थापित करने की योजना तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि वीटा प्लांट परिसर में तीन एकड़ जमीन को चिह्नित किया जा चुका है। इसे पीपीपी मोड पर स्थापित करने के लिए पीपीपी मोड पर किन्नू कैबिनेट कमेटी ऑफ सेक्रेट्रीज (कोसी) बैठक में भी चर्चा हो चुकी है। इसके बाद निजी क्षेत्र निवेशकों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। उन्होंने कहा कि किन्नू प्लांट शुरू होने से किन्नू के साथ-साथ अन्य फलों से जूस तैयार किया जाएगा। इससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। इसके साथ ही इलाके में फूड प्रोसेसिंग उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मंत्री अरविंद शर्मा ने सिरसा परशुराम ब्राह्मण धर्मशाला में राष्ट्रीय ब्राह्मण सम्मान समारोह में शिरकत की। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम भारतीय संस्कृति, ज्ञान, शौर्य और धर्म के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन हमें अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने, सत्य के मार्ग पर चलने और समाज के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। आज के समय में युवाओं को भगवान परशुराम के आदर्शों को अपनाने की सबसे अधिक आवश्यकता है, क्योंकि आधुनिक जीवनशैली में नैतिक मूल्यों और संस्कारों का पतन हो रहा है।

नीट घोटाला देश के युवाओं के भविष्य पर हमलाः कुमारी सैलजा

एजेंसी
चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं सीडब्ल्यूसी सदस्य, उत्तराखंड प्रभारी कुमारी सैलजा ने एनईईटी परीक्षा में सामने आए कथित पेपर लीक और अव्यवस्थाओं को देश के करोड़ों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करार दिया है। सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों और शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते भ्रष्टाचार ने मेहनती छात्रों और उनके परिवारों के सपनों को तोड़ दिया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि 22 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं ने कठिन मेहनत के साथ परीक्षा दी, लेकिन लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और गड़बड़ियों ने पूरी परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परीक्षा का मामला नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य और उनके विश्वास का प्रश्न है। कुमारी सैलजा ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम से देश स्तब्ध है और कई छात्रों के आत्महत्या जैसे दुखद कदम उठाने की खबरें अत्यंत पीड़ादायक और चिंताजनक हैं। सरकार की जवाबदेही तय होना आवश्यक है। सांसद ने केंद्र सरकार से मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जवाबदेही तय की जाए और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कर कठोर कार्रवाई की जाए। सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जांच से बचने का प्रयास कर रही है, जबकि देश का युवा पारदर्शिता और न्याय चाहता है। कुमारी सैलजा ने मांग की कि प्रभावित छात्रों को उचित न्याय और मुआवजा दिया जाए तथा प्रधानमंत्री इस गंभीर मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़कर देश के युवाओं के सामने स्पष्ट जवाब रखें। कुमारी सैलजा ने कहा कि युवा कांग्रेस और देशभर के छात्रों द्वारा उठाई जा रही आवाज वास्तव में देश के करोड़ों युवाओं की आवाज है। अब देश का युवा जवाब मांग रहा है और कांग्रेस पार्टी छात्रों के हितों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ती रहेगी। सांसद ने कहा कि नीट यूजी 2024 भी देशभर में भारी विवादों में रहा।

परमाणु संयंत्र पर हमले से तेल बाजार में भूचाल, अंतरराष्ट्रीय तनाव चरम पर

भू-राजनीतिक तनाव से कच्चे तेल में भारी तेजी, ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर के पार

नई दिल्ली।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए ड्रोन हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें दो सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के ठप पड़ने से निवेशक घबराए हुए हैं। हमले की खबर आते ही कच्चे तेल के दोनों बेंचमार्क में जोरदार उछाल आया। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 1.32 फीसदी बढ़कर 110.70 डॉलर प्रति बैरल पर, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.75 फीसदी की तेजी के साथ 107.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यह 5 मई के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। अमीराती अधिकारियों ने बराकाह परमाणु संयंत्र पर हमले की पुष्टि करते हुए इसे आतंकी हमला करार दिया और करारा जवाब देने की बात कही। इसी बीच सऊदी अरब ने भी इराकी हवाई क्षेत्र से आए तीन लड़ाकू ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य विकल्पों पर चर्चा ने तनाव को और बढ़ा दिया है। आईजी मार्केट के विश्लेषकों के अनुसार ये ड्रोन हमले वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक गंभीर चेतावनी हैं। यदि अमेरिका या इज़राइल की ओर से ईरान पर कोई जवाबी कार्रवाई होती है, तो खाड़ी क्षेत्र के महत्वपूर्ण ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले और तेज हो सकते हैं। शांति समझौते की उम्मीदें खत्म होने से तेल की कीमतों में यह तेजी जारी रहने की आशंका है।

मिड-स्मॉलकैप फंडों में मजबूत वापसी, पर विशेषज्ञ दे रहे फूंक-फूंक कर कदम चलने की सलाह

अप्रैल में मिडकैप ने 11 फीसदी और स्मॉलकैप ने 13.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली।

अप्रैल महीने में मिडकैप और स्मॉलकैप फंडों ने शानदार प्रदर्शन किया, जहां मिडकैप ने औसतन 11 फीसदी और स्मॉलकैप ने 13.5 फीसदी का इजाफा दर्ज किया। यह वृद्धि निवेशकों के लिए राहत लेकर आई है, लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस श्रेणी में अभी भी कुछ चिंताएं बरकरार हैं। इसलिए, निवेशकों को इस चमकती वापसी के बावजूद अपने कदमों को सावधानी से आगे बढ़ाना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार यह मौजूदा उछाल 2024 के आखिरी महीनों के दौरान इन श्रेणियों में आई भारी गिरावट के बाद की तेजी है, जब मिडकैप और स्मॉलकैप में कुछ जगह 25 से 35 फीसदी की गिरावट देखी गई थी। निप्पॉन इंडिया म्युचुअल फंड के एक अे धिकारी बताते हैं`` कि इस गिरावट की वजह अत्यधिक महंगे शेयर और राजकोषीय व मौद्रिक नीतियों में सख्ती के बाद वृद्धि के कमजोर आसार थे। इस गिरावट ने शेयरों को कम कीमत पर लुभावना बना दिया, जिससे निवेशकों को दोबारा निवेश करने का अवसर मिला। एडलवाइस म्युचुअल फंड के एक अे धिकारी के अनुसार मार्च में बाजार का 10 फीसदी से ज्यादा लुढ़कना अनुमान से कहीं अधिक था। मौजूदा तेजी भू-राजनीतिक समस्याओं के जल्द सुलझने और कमाई में इजाफे की रफ्तार कम न होने की उम्मीदों पर आधारित है। साथ ही, घरेलू खपत में भी पूरी तरह गिरावट नहीं आई है। जीएसटी संग्रह, ऋण उठान में वृद्धि और कुछ क्षेत्रों में कंपनियों का मुनाफा बताता है कि देश के भीतर खपत बरकरार है। मंदी के बावजूद खुदरा निवेशकों ने एसआईपी के माध्यम से शेयरों में निवेश जारी रखा है। आगे की तेजी भू-राजनीतिक तनाव में कमी और कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर करेगी। प्लान अहेड वेल्थ एडवाइजर्स के विशाल धवन के मुताबिक, तेल की कीमत लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल और रुपये में ठहराव महंगाई को थामने और आय तथा विदेशी निवेश को बल देगा। शेयरों की कीमत के हिसाब से अर्निंग में इजाफा भी महत्वपूर्ण है।

शेयर बाजार में बढ़ा म्यूचुअल फंड्स का दबदबा, कमजोर पड़ी एलआईसी की पकड़

पांच साल में तेजी से घटा एलआईसी का हिस्सा

नई दिल्ली।

भारत की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की शेयर बाजार पर पकड़ लगातार कमजोर हो रही है। दूसरी ओर म्यूचुअल फंड उद्योग का दबदबा तेजी से बढ़ा है, जो पिछले 14 वर्षों में प्रमुख बदलाव का संकेत है। हाल ही में जारी` किए गए आंकड़ों के अनुसार यह अंतर लगातार पांचवें साल बढ़ा है। मार्च 2012 में, एलआईसी के पास सार्वजनिक कारोबार के लिए उपलब्ध सूचीबद्ध शेयरों के मूल्य का 10.67 फीसदी हिस्सा था, जो मार्च 2026 तक घटकर 7.42 फीसदी रह गया। इसी अवधि में, म्यूचुअल फंड उद्योग का हिस्सा 7.06 फीसदी से बढ़कर 22.92 फीसदी हो गया है। एक अे धिकारी ने बताया कि म्यूचुअल फंडों का बढ़ता दबदबा खुदरा निवेशकों के निरंतर निवेश का परिणाम है। यह रुझान फिलहाल धीमा होता नहीं दिख रहा। उन्होंने कहा कि बाजार हिस्सेदारी घटने के बावजूद, एलआईसी अभी भी सबसे बड़ी अकेली परिसंपत्ति प्रबंधक बनी हुई है, जिसकी इक्विटी परिसंपत्तियां

सबसे बड़े म्यूचुअल फंड से कम से कम दोगुनी हैं। उनके अनुसार म्यूचुअल फंडों के विपरीत, एलआईसी पर मोचन (रिडम्पशन) का वैसा दबाव या मासिक खुलासे की बाध्यता नहीं होती। एलआईसी की कुल इक्विटी होल्डिंग्स का मूल्य 15.11 लाख करोड़ रुपये है। रिलायंस इंडस्ट्रीज (1.2 लाख करोड़ रुपये) में उसकी सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। इसके अतिरिक्त, एसबीआई, एलएंडटी, आईटीसी और इन्फोसिस में भी उसकी 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की हिस्सेदारी है।

पश्चिम बंगाल में बड़े टेक निवेश की तैयारी, केंद्र कर रहा वैश्विक दिग्गजों से बात

कोलकाता। केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल को एक प्रमुख तकनीकी केंद्र बनाने की दिशा में सक्रिय हो गई है। राज्य में डेटा सेंटर, हाइपरस्केलर और रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) हब में बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए गूगल, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ-साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज और अदाणी समूह जैसे भारतीय समूहों से बातचीत की जा रही है। सेमीकंडक्टर कंपनियों और अधिक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) को भी राज्य में लाने का प्रयास जारी है। यह पहल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य चुनावों में जीत के बाद तेज हुई है, जिसने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 साल पुराने शासन का अंत किया। पश्चिम बंगाल में औद्योगिक और आर्थिक विकास को फिर से गति देना भाजपा के चुनावी अभियान का प्रमुख मुद्दा था। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि बातचीत सकारात्मक रही है। फिलहाल, राज्य सॉफ्टवेयर निर्यात में केवल 2.1 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सातवें स्थान पर है, जो इसे कर्नाटक जैसे अग्रणी राज्यों से काफी पीछे रखता है। जून तक कुछ निवेशों को अंतिम रूप देकर घोषित किए जाने की उम्मीद है।

प्रूडेंशियल भारती लाइफ में 75 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगा

चेसिस निर्यात में भारत की बड़ी छलांग

मुंबई।

ब्रिटिश बीमा दिग्गज प्रूडेंशियल ने भारती लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में 75 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने पर सहमति जताई है, जो भारत में उसके परिचालन को बेहतर बनाने की नई रणनीति का हिस्सा है। रॉयटर्स के अनुसार, इस सौदे में 35 अरब रुपए का प्रारंभिक नकद भुगतान शामिल है, साथ ही शर्तों के आधार पर 7 अरब डॉलर अतिरिक्त देय हो सकते हैं। इस अधिग्रहण के बाद भारती लाइफ इंश्योरेंस का बहुमत स्वामित्व प्रूडेंशियल के पास होगा। हालांकि, नियामक मंजूरी के लिए कंपनी को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ में अपनी हिस्सेदारी 10 फीसदी से कम करनी होगी। यह कदम भारत के जीवन बीमा कारोबार में बहुमत स्वामित्व हासिल करने की प्रूडेंशियल की रणनीति का हिस्सा है। भारती लाइफ, भारती एयरटेल और 360 वन के साथ रणनीतिक वितरण समझौतों पर भी विचार करेगी। इसी बीच, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के इंजन लगे चेसिस का निर्यात 302.3 मिलियन डॉलर (28.98 अरब डॉलर) तक पहुंच गया, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात (144.3 मिलियन) सबसे बड़ा आयातक रहा। यह वृद्धि वैश्विक मांग और देश की बढ़ती ऑटोमोबाइल विनिर्माण क्षमता को दर्शाती है। फिलीपीन, बांग्लादेश और अमेरिका भी प्रमुख आयातक रहे।

रुपए में ऐतिहासिक गिरावट डॉलर के आगे बेबस, क्या 100 की ओर जा सकता है?

कच्चे तेल की कीमतें, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी बिकवाली ने बढ़ाई मुश्किलें

नई दिल्ली।

भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार दबाव में है और हाल ही में रिकॉर्ड निचले स्तर 96.14 प्रति डॉलर तक पहुंच गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और भू-राजनीतिक तनाव जैसे कई कारकों ने रुपये पर चौतरफा दबाव बढ़ाया है, जिससे इसकी स्थिति और नाजुक हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर मौजूदा हालात नहीं सुधरे तो रुपया डॉलर के मुकाबले 100 के मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब जा सकता है। रुपये की इस कमजोरी के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी और अमेरिका में ऊंची ब्याज दरों के चलते विदेशी निवेशक भारत जैसे उभरते बाजारों से पूंजी निकालकर अमेरिकी बाजारों की ओर बढ़ रहे हैं। जब ये निवेशक रुपये बेचकर डॉलर खरीदते हैं, तो डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसके अलावा, दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता या युद्ध जैसे हालात होने पर निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर अमेरिकी डॉलर की ओर रुख करते हैं, जिससे उसकी मांग और बढ़ जाती है। भारत अपनी 90 फीसदी से अधिक तेल जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। कच्चे तेल की मौजूदा ऊंची कीमतें (लगभग 111 डॉलर प्रति बैरल) देश के आयात बिल को बढ़ा रही हैं, जो रुपये पर और दबाव डालता है। मिडिल ईस्ट में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव भी निवेशकों की चिंता बढ़ा रहा है, जिससे डॉलर को सुरक्षित आश्रय के रूप में देखा जा रहा है। कमजोर रुपये का सबसे बड़ा असर आयात पर

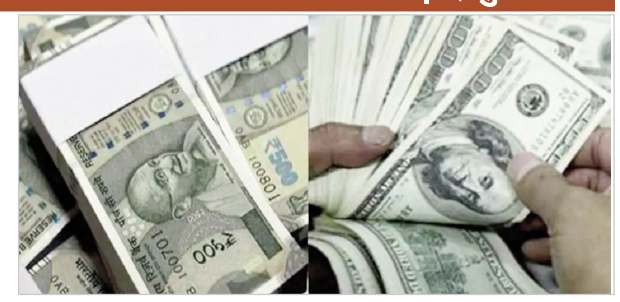

निर्भर सेक्टरों जैसे एविएशन, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और एफएमसीजी पर पड़ेगा, क्योंकि उनकी लागत बढ़ जाएगी। इससे स्मार्टफोन, लैपटॉप, लग्जरी कार और कई दवाइयां महंगी हो सकती हैं, जिससे आम लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ेगा। हालांकि, कुछ सेक्टरों को फायदा भी मिल सकता है। आईटी सर्विसेज, फार्मा, टेक्सटाइल और स्पेशलिटी केमिकल्स जैसी निर्यात आधारित कंपनियों की कमाई बढ़ सकती है, क्योंकि उन्हें डॉलर में भुगतान मिलता है और रुपये में बदलने पर उन्हें अधिक राशि मिलती है। इससे भारतीय उत्पादों का निर्यात भी विदेशों में सस्ता हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार अगर कच्चा तेल 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचता है और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ता है, तो रुपया 100 के स्तर के करीब जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रुपये को स्थिर रखने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग और मौद्रिक नीति में बदलाव जैसे कदम उठा सकता है।

अदाणी ग्रुप बिहार के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर करेगा 60,000 करोड़ तक निवेश अदाणी

चेयरमैन गौतम अदाणी ने सारण में अखण्ड ज्योति आई हॉस्पिटल के उद्घाटन पर की घोषणा

पटना।

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बिहार के इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए अगले तीन से चार वर्षों में 50,000 करोड़ से 60,000 करोड़ रुपये तक के विशाल निवेश का ऐलान किया है। उन्होंने यह महत्वपूर्ण घोषणा सारण के मस्तीचक में अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल- अदाणी सेंटर फॉर आई डिजीज के उद्घाटन समारोह के दौरान की।

गौतम अदाणी ने कहा कि अदाणी ग्रुप का लक्ष्य बिहार की प्रगति और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से काम करना है। उन्होंने बताया कि भागलपुर जिले के पीरपैंती में 2,400 मेगावाट पावर प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास हो चुका है और उस पर काम चल रहा है। इसके साथ ही, राज्य में कई रोड प्रोजेक्ट्स पर भी अदाणी ग्रुप सक्रिय है। अदाणी ने बिहार के विकास की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा` कि बिहार की ग्रोथ का समय आ गया है। यहां इन्फ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिकीकरण की काफी जरूरत है, जिसका लाभ राज्य की जनता को उठाना

चाहिए। उनकी पत्नी और अदाणी फाउंडेशन की चेयरपर्सन प्रीति अदाणी के साथ बिहार पहुंचे गौतम अदाणी ने इस पावन भूमि, विशेषकर मस्तीचक में आकर खुशी और गौरव व्यक्त किया। उन्होंने गायत्री शक्तिपीठ के दर्शन से असीम शांति मिलने और समाज के लिए कुछ बेहतर करने की प्रेरणा मिलने की बात कही।

गोल्डलाइन फार्मा आईपीओ ने रचा इतिहास, निवेशकों को बंपर मुनाफे की उम्मीद

840 गुना से अधिक सब्सक्राइब हुआ आईपीओ, 19 मई को लिस्टिंग

मुंबई।

गोल्डलाइन फार्मास्युटिकल के आईपीओ ने निवेशकों के बीच अभूतपूर्व उत्साह जगाया है। इसकी जबरदस्त प्रतिक्रिया और ग्रे मार्केट में 46 फीसदी से अधिक प्रीमियम पर कारोबार इसकी मजबूत लिस्टिंग की प्रबल संभावना दर्शाते हैं। गोल्डलाइन फार्मास्युटिकल का आईपीओ 12 मई को खुला था और 14 मई तक निवेश के लिए उपलब्ध रहा।

इस दौरान कंपनी के 43 रुपए प्रति शेयर के इश्यू प्राइस वाले आईपीओ को कुल 840.74 गुना सब्सक्रिप्शन मिला, जो एक रिकॉर्ड है। लगभग 12 करोड़ रुपए के इस आईपीओ के शेयरों की लिस्टिंग मंगलवार, 19 मई को होनी है। ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम 20 रुपए तक पहुंच गया है, जिससे यह करीब 63 रुपए पर लिस्ट हो सकता है। यह आईपीओ पाने वाले निवेशकों को लिस्टिंग के दिन ही 46 फीसदी से ज्यादा के बंपर मुनाफे का संकेत देता है। गोल्डलाइन फार्मास्युटिकल गोल्डलाइन ब्रांड से फार्मा उत्पादों की मार्केटिंग करती है। कंपनी थर्ड पार्टी मैन्युफैक्चरर्स से उत्पाद तैयार करवाकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश सहित 7 राज्यों में वितरित करती है।

मारुति सुजुकी ने खरखौदा में दूसरा संयंत्र शुरू किया, उत्पादन क्षमता दोगुनी हुई

कंपनी की कुल क्षमता बढ़कर 26.5 लाख इकाई पर पहुंची

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने सोमवार को हरियाणा के खरखौदा स्थित अपनी विनिर्माण इकाई के दूसरे संयंत्र में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने की घोषणा की है। इस कदम से कंपनी की उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो बाजार में बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायक होगी। मारुति सुजुकी के इस नए संयंत्र के शुरू होने से खरखौदा इकाई की वार्षिक उत्पादन क्षमता में 2.5 लाख इकाई का इजाफा हुआ है। इसके साथ ही खरखौदा संयंत्र की कुल क्षमता अब 5 लाख इकाई प्रति वर्ष हो गई है। इस विस्तार के परिणामस्वरूप कंपनी के गुरुग्राम, मानेसर, खरखौदा (हरियाणा) और हंसलपुर (गुजरात) स्थित सभी संयंत्रों की कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़कर 26.5 लाख इकाइयों पर पहुंच गई है। कंपनी ने बताया कि पूरी तरह से संचालित होने पर खरखौदा संयंत्र मूल कंपनी सुजुकी के सबसे बड़े चार पहिया वाहन विनिर्माण स्थलों में से एक होगा, जिसकी क्षमता प्रति वर्ष 10 लाख वाहन बनाने

की होगी। मारुति सुजुकी ने पहले ही वित्त वर्ष 2026-27 तक पांच लाख इकाइयों की अतिरिक्त क्षमता जोड़ने की योजना की घोषणा की थी। वर्तमान में इस इकाई में कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा और मिड-एसयूवी मॉडलों का उत्पादन किया जा रहा है। यह विस्तार भविष्य की विकास योजनाओं के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पटसन संकट गहराया मिलें बंद, हजारों श्रमिक बेरोजगार, सरकार से हस्तक्षेप की अपील

हुगली में 14 मिलें बंदी की कगार पर, 75,000 श्रमिक प्रभावित

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल का पटसन उद्योग कच्चे पटसन की भारी कमी और कीमतों में बेतहाशा उछाल के कारण गहरे संकट में है। इस स्थिति ने बड़े पैमाने पर मिल बंद होने और हजारों श्रमिकों के बेरोजगार होने की आशंका पैदा कर दी है, जिसके चलते उद्योग ने राज्य में नवगठित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। इंडियन जूट मिल्स एसोसिएशन (आईजेएमए) के अनुसार हुगली औद्योगिक क्षेत्र में कम से कम 14 मिलें या तो बंद हो गई हैं या कच्चे पटसन की कमी और अव्यवहार्य लागत के कारण गंभीर उत्पादन बाधा का सामना कर रही हैं। इससे उत्तर 24 परगना और हुगली जिलों सहित आसपास के क्षेत्रों में अनुमानित 75,000 श्रमिक पहले ही अनैच्छिक बेरोजगारी का शिकार हो चुके हैं। जूट बेलर्स एसोसिएशन (जेबीए) की 17,100 रुपये प्रति क्विंटल की उच्च दरें और व्यापार पर प्रतिबंध ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। उद्योग प्रतिनिधियों का आरोप है कि यह संकट केवल मौसमी कमी नहीं, बल्कि लंबे समय से जारी सट्टा भंडारण, विकृत बाजार परिस्थितियों एवं प्रशासनिक निष्क्रियता का परिणाम है। शून्य-भंडार आदेश को भी एक दोधारी तलवार बताया गया है, जो मिलों और आपूर्तिकर्ताओं दोनों को प्रभावित कर रहा है। मिल मालिकों ने नई सरकार से शेष भंडार जारी करने, आपातकालीन आयात की अनुमति देने और उद्योग के लिए व्यवहार्य मूल्य दायरा बहाल करने का आग्रह किया है। उन्होंने शून्य-भंडार आदेश को वापस लेने या उसकी समयसीमा बढ़ाने की भी मांग की है ताकि उपलब्ध कच्चा पटसन बाजार में आ सके। पटसन क्षेत्र में लगभग दो लाख श्रमिक कार्यरत हैं, और उद्योग को डबल इंजन सरकार से स्थिरता और सहयोग की उम्मीद है।

जीई एयरोस्पेस का पुणे संयंत्र में 100 करोड़ का नया निवेश

उत्पादन क्षमता बढ़ाने और वैश्विक आपूर्ति को मजबूत करने का लक्ष्य

नई दिल्ली।

प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी जीई एयरोस्पेस ने भारत में अपनी विनिर्माण क्षमता और उपस्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से पुणे स्थित अपने संयंत्र में 100 करोड़ रुपये के नए निवेश की घोषणा की है।

इस ताजा निवेश के साथ, पिछले तीन वर्षों में वाणिज्यिक विमान इंजनों के महत्वपूर्ण घटक बनाने वाले इस संयंत्र में कंपनी का कुल निवेश 510 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा, जो देश में मेक इन इंडिया पहल के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंपनी ने सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि यह 100 करोड़ रुपये नई वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों, उन्नत निरीक्षण उपकरणों, सटीक औजारों, गेज, फिक्स्चर और अतिरिक्त अवसंरचना उन्नयन पर खर्च किए जाएंगे।

इसका प्राथमिक उद्देश्य उत्पादन क्षमता में वृद्धि करना, प्रक्रियाओं की सटीकता में सुधार लाना और वैश्विक ग्राहकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले घटकों की निर्बाध आपूर्ति को सुनिश्चित करना है। जीई एयरोस्पेस के अनुसार यह नवीनतम निवेश पिछले दो वर्षों में घोषित 410 करोड़ रुपये के निवेश का पूरक है, जिससे पुणे संयंत्र में तीन साल का कुल निवेश 510 करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा। पुणे विनिर्माण संयंत्र के एक अे धिकारी ने इस कदम को भारत में विनिर्माण के प्रति कंपनी की मजबूत प्रतिबद्धता बताया।

उन्होंने कहा कि हम कौशल विकास पर भी काम कर रहे हैं, जो भारत में वैमानिकी उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बनेगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कंपनी आपूर्तिकर्ताओं और कौशल विकास के माध्यम से भारत में वैमानिकी उद्योग के लिए सरकार के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। पुणे संयंत्र के पास स्थानीय स्तर पर 300 से अधिक आपूर्तिकर्ता हैं।

जबकि भारत में जीई एयरोस्पेस के कुल आपूर्तिकर्ताओं का नेटवर्क 2,200 से अधिक है। 2015 से अब तक, इस संयंत्र ने 5,000 से अधिक उत्पादन सहयोगियों को प्रशिक्षित किया है, जिससे देश में वैमानिकी विनिर्माण प्रतिभा का एक मजबूत आधार तैयार हुआ है। बेंगलुरु में जीई एयरोस्पेस का एक प्रौद्योगिकी केंद्र भी कार्यरत है।

चीन करेगा 17 अरब डॉलर सालाना अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद

वॉशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा के बाद व्हाइट हाउस ने घोषणा की है कि चीन 2026 से सालाना 17 अरब अमेरिकी डॉलर के कृषि उत्पादों की खरीद करेगा। यह कदम व्यापार युद्ध से प्रभावित अमेरिकी किसानों को बड़ी राहत देगा और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में सुधार का संकेत है। यह समझौता 2026 से 2028 तक प्रति वर्ष 17 अरब डॉलर के स्तर पर रहेगा। इसमें अमेरिकी कृषि विभाग द्वारा बर्ड फ्लू से मुक्त घोषित किए गए राज्यों से पोल्ट्री आयात फिर से शुरू करना शामिल है। यह पिछली सोयाबीन खरीद प्रतिबद्धताओं के अतिरिक्त होगा। समझौते के तहत दोनों पक्ष एक-दूसरे की कृषि आयात संबंधी गैर-शुल्क बाधाओं और बाजार पहुंच की चिंताओं को दूर करने पर सहमत हुए हैं, जिसमें

चीनी डेयरी व समुद्री उत्पाद और अमेरिकी गोमांस प्रसंस्करण इकाइयां शामिल हैं। कुछ उत्पादों पर जवाबी शुल्क कटौती पर भी सहमति बनी है। हालांकि, चीन ने अभी तक इस समझौते की तत्काल पुष्टि नहीं की है और खाद्य सुरक्षा के मद्देनजर अपने कृषि आयात स्रोतों में विविधता लाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।

समुद्र की बेचैनी, बाजार की गर्मी और भारत की ऊर्जा चुनौती

विनोद कुमार सिंह '

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय,उर्वरक मंत्रालय,नौवहन,वाणिज्य तथा वित्तीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति वर्तमान में सुरक्षित है,लेकिन वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल तेल संकट नहीं,बल्कि समुद्री व्यापार,गैस आपूर्ति, उर्वरक उत्पादन, महँगाई और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा व्यापक विषय बन चुका है।भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।देश की ऊर्जा आवश्यकता लगातार बढ़ रही है।

पश्चिम एशिया संकट,तेल-गैस की बढ़ती कीमतें, उर्वरक दबाव और भारत की रणनीतिक तैयारी पर केंद्र सरकार की बड़ी तस्वीर...

विश्व की राजनीति जब युद्ध,तनाव और सामरिक प्रतिस्पर्धा के रास्ते समुद्रों तक पहुँच जाती है,तब उसका असर केवल सीमाओं और कूटनीतिक मंचों तक सीमित नहीं रहता।उसका कोप आम आदमी की रसोई, अन्नदाता किसान के खेत,उद्योगों जगत की मशीनों और देश की अर्थव्यवस्था तक महसूस होता है।आज पूरी दुनिया कुछ ऐसी ही स्थिति का सामना कर रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, समुद्री मार्गों पर मंडराते खतरे और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में जारी अस्थिरता ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई चिंता में डाल दिया है।ऐसे में पी आई बी ,भारत सरकार द्वारा आयोजित आज की अंतर-मंत्रालयी प्रेस कॉन्फ्रेंस इसी बढ़ते संकट और उससे निपटने की राष्ट्रीय तैयारी पर केंद्रित रही।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय,उर्वरक मंत्रालय,नौवहन,वाणिज्य तथा वित्तीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति वर्तमान में सुरक्षित है,लेकिन वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल तेल संकट नहीं,बल्कि समुद्री व्यापार,गैस आपूर्ति,उर्वरक उत्पादन, महँगाई और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा व्यापक विषय बन चुका है।भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।देश की ऊर्जा आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश बन चुका है ,लेकिन विडंबना यह है कि अपनी कुल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल भारत आयात करता है।यही नहीं, घरेलू एलपीजी की लगभग 60 प्रतिशत जरूरत भी आयात के माध्यम से पूरी होती है।इन आयातों का बड़ा हिस्सा समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुँचता है।इसलिए जैसे ही पश्चिम एशिया में संघर्ष या तनाव बढ़ता है,उसका सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगता है।भारत ने समय रहते ऊर्जा सुरक्षा के लिए व्यापक रणनीतिक कदम उठाए हैं।देश के पास वर्तमान में लगभग 60 दिनों का रणनीतिक कच्चा तेल भंडार उपलब्ध है।इसके अतिरिक्त लगभग 45 दिनों का एलपीजी स्टॉक तथा पर्याप्त नेचुरल गैस भंडारण भी मौजूद है।सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में पेट्रोल,डीजल,एलपीजी और सीएनजी की कोई कमी नहीं है तथा आपूर्ति श्रृंखला सामान्य रूप से कार्य कर रही है।हालाँकि सरकार की इस आश्वस्ति के बावजूद वैश्विक बाजार की अस्थिरता का असर भारत में दिखाई देने लगा है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत 113 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुँच गई है। कुछ माह पहले तक यही कीमत 65 से 70 डॉलर प्रति बैरल के बीच बनी हुई थी।तेल की कीमतों में इस तेज वृद्धि ने सरकार और आम उपभोक्ता दोनों की चिंता बढ़ा दी है।कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का सबसे सीधा असर पेट्रोल और डीजल पर

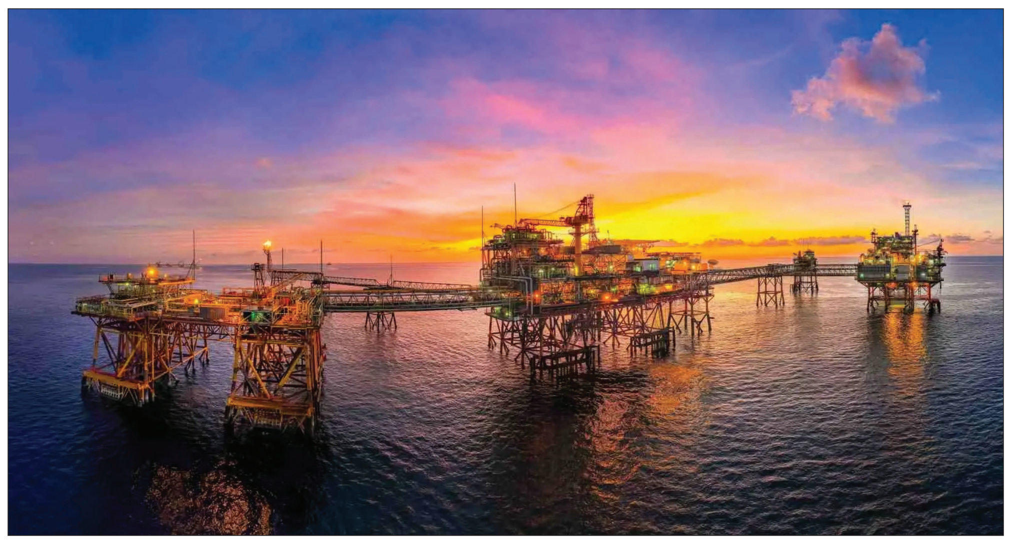

दिखाई देता है।हाल के दिनों में देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 3 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई। दिल्ली में पेट्रोल लगभग 97 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 90 रुपये प्रति लीटर के आसपास पहुँच गया। यह वृद्धि केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहती।परिवहन लागत बढ़ने से खाद्यान्न,फल-सब्जियों, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें भी प्रभावित होती हैं।सबसे अधिक चिंता समुद्री मार्गों को लेकर व्यक्त की गई।पश्चिम एशिया का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज विश्व ऊर्जा व्यापार की धुरी माना जाता है।दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और बड़े पैमाने पर एलएनजी का व्यापार इसी समुद्री मार्ग से होता है।भारत के लिए यह मार्ग और भी महत्वपूर्ण है,क्योंकि देश के तेल और गैस आयात का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है।वर्तमान तनाव को देखते हुए भारत ने अपने आयात स्त्रोतों और समुद्री मार्गों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है।आज भारत लगभग 40 देशों से कच्चा तेल आयात कर रहा है, जबकि वर्ष 2006-07 में यह संख्या केवल 27 थी।रूस,अमेरिका,कनाडा,ब्राजील, अफ्रीकी देशों और अन्य वैकल्पिक बाजारों से आयात बढ़ाकर भारत ने पश्चिम एशिया पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया है।सरकार के अनुसार अब लगभग 70 प्रतिशत तेल आयात वैकल्पिक मार्गों और नए स्त्रोतों से किया जा रहा है।यही कारण है कि संकट की स्थिति के बावजूद भारत में ऊर्जा आपूर्ति बाधित नहीं हुई।भारतीय नौसेना और समुद्री सुरक्षा एजेंसियाँ खाड़ी क्षेत्र में भारतीय जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति मार्गों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।इस संकट का प्रभाव केवल पेट्रोलियम तक सीमित नहीं है।इसका बड़ा असर उर्वरक क्षेत्र पर भी दिखाई दे रहा है।भारत का उर्वरक उद्योग मुख्यतः नेचुरल गैस आधारित है।यूरिया उत्पादन में गैस प्रमुख कच्चा माल होती है। जैसे-जैसे अंतरराष्ट्रीय गैस कीमतें बढ़ती हैं,वैसे-वैसे उर्वरक उत्पादन की लागत भी बढ़ जाती है।खरीफ सीजन नजदीक होने के कारण यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।उर्वरक मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि किसानों को खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी।इसके लिए सरकार ने उर्वरक संयंत्रों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित की है।सरकारी आंकड़ों के अनुसार घरेलू पीएनजी और सीएनजी उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत गैस आपूर्ति दी जा रही है,जबकि उद्योगों को लगभग 80 प्रतिशत और उर्वरक क्षेत्र को लगभग 70 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराई जा रही है।यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है ताकि घरेलू रसोई,सार्वजनिक परिवहन और कृषि क्षेत्र पर संकट का न्यूनतम असर पड़े। सरकार ने यह भी संकेत दिए कि आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त उर्वरक आयात की व्यवस्था की जा सकती है । सरकार ने जमाखोरी और कृत्रिम संकट फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिए गए हैं कि एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता पर निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अफवाहों पर तुरंत कार्रवाई हो।

ऊर्जा संकट का असर केवल घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता।इसका सीधा प्रभाव विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाता घाटे पर भी पड़ता है।भारत जितना अधिक महंगा तेल खरीदेगा,उतना अधिक विदेशी मुद्रा व्यय होगी। यही कारण है कि सरकार ने ऊर्जा आयात बिल को नियंत्रित करने के लिए कई समानांतर रणनीतियों पर कार्य शुरू किया है।भारत अब केवल आयात आधारित ऊर्जा मॉडल पर निर्भर नहीं रह सकता। देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना होगा। इसी सोच के तहत एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम,ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, बायो फ्यूल,सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्राथमिकता दी जा रही है।

भारत ने एथेनॉल मिश्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। कुछ वर्ष पहले जहाँ पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण लगभग 1-2 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर लगभग 20 प्रतिशत के आसपास पहुँचने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।इससे न केवल तेल आयात पर निर्भरता घटेगी,बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।इसी प्रकार सरकार ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से भारत को भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा शक्ति बनाने का प्रयास कर रही है।यदि भारत ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में सफल होता है तो भविष्य में वैश्विक तेल संकटों का असर काफी हद तक कम किया जा सकेगा।लेकिन वर्तमान संकट यह भी बताता है कि ऊर्जा केवल आर्थिक विषय नहीं है।यह राष्ट्रीय सुरक्षा,खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा विषय बन चुका है। यदि तेल महंगा होता है तो ट्रांसपोर्ट महंगा होता है।ट्रांसपोर्ट महंगा होता है तो खाद्यान्न महंगे होते हैं।गैस महँगी होती है तो उर्वरक महंगे होते हैं। उर्वरक महंगे होते हैं तो खेती की लागत बढ़ती है।जब खेती की लागत बढ़ती है,तब अंततः उसका असर देश की आम जनता पर पड़ता है।यही कारण है कि आज की यह प्रेस वार्त्ता केवल एक सरकारी ब्रीफिंग नहीं थी,बल्कि यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा,आर्थिक स्थिरता और भविष्य की रणनीति का व्यापक संकेत भी थी।किन्द्र सरकार ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि भारत स्थिति पर पूरी नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।फिर भी विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि पश्चिम एशिया का तनाव लंबा खिंचता है तो भारत की चुनौतियाँ और बढ़ सकती हैं।अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत यदि 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर स्थिर रहती है तो महंगाई, आयात बिल और वित्तीय घाटे पर गंभीर दबाव पड़ सकता है।हालॉकि भारत की स्थिति कई देशों की तुलना में बेहतर मानी जा रही है।मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार,तेजी से बढ़ती रिफाइनिंग क्षमता,विविध आयात स्त्रोत और रणनीतिक भंडारण ने भारत को अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थिति में रखा है। लेकिन आने वाला समय भारत की ऊर्जा नीति और आत्मनिर्भरता की परीक्षा भी होगा।आज जब समुद्रों में तनाव है,तब भारत के सामने सबसे बड़ा प्रश्न केवल तेल खरीदने का नहीं, बल्कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने का है।यह समय केवल संकट प्रबंधन का नहीं, बल्कि दूरदर्शी ऊर्जा नीति बनाने का भी है।पश्चिम एशिया का यह संकट भारत को एक बड़ा संदेश दे रहा है - ऊर्जा आत्मनिर्भरता अब विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है।आने वाले वर्षों में भारत जितनी तेजी से वैकल्पिक ऊर्जा, घरेलू उत्पादन और रणनीतिक भंडारण की दिशा में आगे बढ़ेगा,उतना ही वह वैश्विक ऊर्जा राजनीति के झटकों से स्वयं को सुरक्षित रख पाएगा।आज की अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्त्ता में यह तो स्पष्ट कर दिया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन साथ ही यह चेतावनी भी दे दी कि दुनिया की बदलती ऊर्जा राजनीति आने वाले समय में हर देश की आर्थिक और रणनीतिक दिशा तय करने वाली है।भारत इस चुनौती को अवसर में बदल पाता है या नहीं,यह तो अभी अतीत के गर्भ में है,जो आने वाले समय बताएगा।

संपादकीय

बात-बेबात और विवाद

इसमें दो राय नहीं कि देश के प्रतिष्ठित व शीर्ष पदों पर विराजमान व्यक्तियों को अपने संस्थानों व सार्वजनिक मंचों पर अपनी बात रखने में अतिरेक में सावधानी बरतनी चाहिए। उससे निकलने वाले शब्दों के अर्थों के कई मायने निकाले जा सकते हैं। ऐसी ही चर्चा देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत के हालिया बयानों को लेकर हुई। बताया जाता है कि एक अधिवक्ता द्वारा सीनियर का दर्जा दिए जाने के बाबत दायर याचिका पर खिन्न मुख्य न्यायाधीश ने प्रासंगिक संदर्भ में जो कहा, उसको लेकर सवाल उठे। बताया जा रहा है कि ह्यउन्होंने मौखिक तौर पर कहा कि समाज में पहले से ऐसे परजीवी हैं जो व्यवस्था पर हमला करते हैं, और आप उनके साथ हाथ मिलाना चाहते हैं... कुछ युवा ऐसे हैं, जो रोजगार नहीं मिलने और पेशे में जगह न बना पाने के कारण 'कॉकरोच' की तरह हर जगह फैल जाते हैं। उसमें से कुछ सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर हर किसी पर हमला शुरू कर देते हैं।' निश्चय ही हाल के वर्षों में संपादक विहीन सोशल मीडिया में लोगों के अराजक व्यवहार को देखते हुए यह भले ही यह सत्य न हो, कुछ लोग इसे अर्धसत्य बताते हैं। लेकिन न्याय व्यवस्था के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति से इस विषय पर संवेदनशील ढंग से अभिव्यक्ति की अपेक्षा की जाती है। हालांकि, बाद में जस्टिस सूर्यकांत ने 'कॉकरोच' वाले बयान पर कहा है कि 'मीडिया ने उनके शब्दों को गलत ढंग से पेश किया।' उन्होंने अपनी मौखिक टिप्पणी के बाबत कहा कि उनकी बातों को इस तरह पेश किया गया जैसे उन्होंने देश के युवाओं की आलोचना की हो। उनका कथन था कि उनकी टिप्पणी केवल उन लोगों के खिलाफ थीं, जिन्होंने फर्जी या नकली डिग्रियों के सहारे वकालत जैसे पेशों में प्रवेश किया है। ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य सम्मानित पेशों में घुस आए हैं, इसलिए परजीवियों की तरह हैं। उनका इशारा न्यायापालिका पर होने वाले अनुचित हमलों की तरफ था। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश ने वकीलों की कानून की डिग्रियों की जांच प्रक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ वकीलों द्वारा डाली जाने वाली सामग्री को देखकर उन्हें कई वकीलों की कानूनी डिग्रियों की प्रमाणिकता पर संदेह है। लेकिन इसके साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों, सोशल मीडिया से जुड़े लोगों व सोशल एक्टिविस्ट ने सीजेआई की टिप्पणी को लेकर प्रतिक्रिया दी हैं। राज्यसभा में एक राजद सांसद ने सार्वजनिक चिट्ठी लिखकर मुख्य न्यायाधीश की भाषा को लेकर चिंता जतायी। उनका कहना था कि बेरोजगारों, आरटीआई कार्यकताओं, मीडिया कर्मियों और असहमति व्यक्त करने वालों की तुलना 'कॉकरोच' व 'परजीवी' से करना लोकतंत्र की मूल आत्मा और उसकी बुनियादी संवैधानिक संस्कृति को आहत करने वाला लगता है।

चिंतन-मनन

चिंतन सही हो

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से साठ रूपए उधार लिए। कुछ दिनों बाद वह आया और बीस रूपए देकर बोला, सारे रूपए आ गए? मित्र ने कहा, साठ दिए थे और तुम बीस लौटा रहे हो, तो अभी चालीस रूपए बाकी रहेंगे। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, नहीं, दस और दस साठ होते हैं। मैंने साठ रूपए लौटा दिए हैं। मित्र ने कहा, भोले आदमी! दस और दस बीस ही होते हैं। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, मैं इस बात को नहीं मानता। मैं तो यही मानता हूं कि दस और दस साठ होते हैं। मेरी मान्यता मेरे पास और तुम्हारी मान्यता तुम्हारे पास। ऐसे मानने वाले को विधाता भी नहीं समझा सकता। गणित का नियम -दस और दस बीस होते हैं। कोई व्यक्ति इस गणित के नियम को जानने की बात छोड़कर मानने की बात को ही पकड़ बैठता है तो उसका कोई इलाज नहीं है। हम मानने की बात को छोड़ दें और जानें। सदा जानने का प्रयत्न करें। सदा जानें। हम विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रयत्न करें। वे प्राप्त हों तो ठीक है, न हों तो कोई बात नहीं। पुरूषार्थ को सही दिशा में लगाएं। पुरूषार्थ निरंतर हमारा साथ दे। हम प्रयत्न को बंद न करें। पुरूषार्थ को साथ लेकर चलें। मन और शरीर को विशेष आदेश दें। मन जो भटकता रहता है, अनेक प्रवृत्तियों में संलग्न रहता है, बहुत अधिक सक्रिय और गतिशील है, उस पर हम कुछ नियंत्रण करें। मन की सक्रियता को कम करें।

भीषण गर्मी की मार से झुलसता भारत

कांतिलाल मांडोत

देश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। राजस्थान से लेकर गुजरात महाराष्ट्र ओडिशा उत्तरप्रदेश बिहार झारखंड मध्यप्रदेश और आंध्रप्रदेश तक गर्म हवाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। मौसम विभाग लगातार चेतावनी जारी कर रहा है कि दिन के समय धूप और लू से बचें क्योंकि तापमान कई इलाकों में 42 से 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। राजस्थान के बाड़मेर में 48.3 डिग्री तापमान रिकॉर्ड होने के बाद पूरा पश्चिमी भारत मानो आग की भट्टी में बदल गया है।

राजस्थान इस समय देश का सबसे गर्म राज्य बना हुआ है। बाड़मेर लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। जैसलमेर फलोदी जोधपुर और बीकानेर में भी तापमान 45 डिग्री के ऊपर पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने बाड़मेर जैसलमेर और जोधपुर में रेड अलर्ट जारी कर लोगों को दोपहर में घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। हालात इतने खराब हैं कि जालोर में गर्मी के कारण ट्रांसफार्मर में आग लग गई। बिजली उपकरणों के ओवरहीट होने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। दूसरी ओर जैसलमेर में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी का समय बदलना पड़ा ताकि जवानों को तेज धूप और लू से राहत मिल सके। अब पुलिसकर्मी सुबह और शाम की शिफ्ट में काम कर रहे हैं।

गुजरात में भी स्थिति कम गंभीर नहीं है। उत्तर और दक्षिण गुजरात में हीटवेव के कारण लोगों की दिनचर्या बदल गई है। अहमदाबाद सूरत राजकोट और वडोदरा जैसे शहरों में दोपहर के समय बाजार सूने दिखाई देते हैं। लोग सुबह जल्दी और शाम को ही बाहर निकलना पसंद कर रहे हैं। गर्म हवाओं के थपेड़ों ने बच्चों बुजुर्गों और मजदूरों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़कों पर ठंडे पेय पदार्थों की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है। लोग लस्सी छाछ नींबू पानी और बर्फ के गोलों से राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं।

महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में भी सूरज आग बरसा रहा है। नागपुर अकोला और विदर्भ के कई हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। खेतों में काम करने वाले किसान और निर्माण कार्यों में लगे मजदूर सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। ओडिशा और आंध्रप्रदेश में समुद्री नमी के कारण उमस भी बढ़ गई है जिससे लोगों को दोहरी परेशानी झेलनी पड़ रही है। बिहार झारखंड और उत्तरप्रदेश में भी लू ने लोगों को बेहाल कर दिया है। कई शहरों में अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

भीषण गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं बल्कि पशु पक्षियों पर भी दिखाई दे रहा है। पेड़ों के नीचे जानवर छांव तलाशते नजर आते हैं जबकि पक्षी पानी की तलाश में इधर उधर भटक रहे हैं। कई जगह सामाजिक संगठनों और छात्रों ने परिंडे लगाकर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था शुरू की है। यह पहल गर्मी के इस कठिन समय में संवेदनशीलता का उदाहरण बन रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण हर साल गर्मी का स्वरूप और अधिक खतरनाक होता जा रहा है। जंगलों की कटाई बढ़ते प्रदूषण और अनियोजित शहरीकरण ने तापमान को और बढ़ाया है। शहरों में कंक्रीट और डामर की सड़कों के कारण गर्मी अधिक महसूस होती है। जल स्त्रोतों के सूखने और भूजल स्तर गिरने से समस्या और गंभीर बन रही है। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं।

लू और भीषण गर्मी से बचने के लिए सावधानी बेहद जरूरी है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए। यदि बाहर जाना जरूरी हो तो सिर को कपड़े या टोपी से ढंकना चाहिए। शरीर में पानी की कमी न हो इसके लिए बार बार पानी पीना जरूरी है। छाछ लस्सी नींबू पानी नारियल पानी और ओआरएस जैसे पेय पदार्थ शरीर को ठंडा रखने में मदद करते हैं। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने चाहिए ताकि शरीर को कम गर्मी लगे। खाली पेट बाहर नहीं निकलना चाहिए और अधिक तला भुना भोजन खाने से बचना चाहिए।

बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है क्योंकि उन पर लू का असर जल्दी होता है। घरों में खिड़कियों और दरवाजों को पर्दों से ढंककर रखना चाहिए ताकि गर्म हवा अंदर न आए। पशुओं और

पक्षियों के लिए भी पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को चक्कर आना तेज बुखार उल्टी या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए क्योंकि यह हीट स्ट्रोक के संकेत हो सकते हैं।

देश के सामने यह गर्मी केवल मौसमी संकट नहीं बल्कि पर्यावरणीय चेतावनी भी है। तेजी से बदलता मौसम यह संकेत दे रहा है कि प्रकृति के साथ लगातार हो रहे खिलवाड़ का असर अब सीधे लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। सरकारों को जल संरक्षण हरित क्षेत्र बढ़ाने और प्रदूषण कम करने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। साथ ही लोगों को भी पेड़ लगाने पानी बचाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने की आवश्यकता है। यदि अभी से गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले समय में गर्मी का यह संकट और विकराल रूप ले सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की विदेश यात्रा के कूटनीतिक निहितार्थ भारत के लिए महत्वपूर्ण

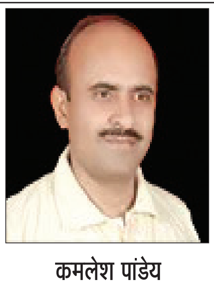

कमलेश पांडेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच देशों के हालिया विदेश दौरे के कई बड़े कूटनीतिक, आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक मायने हैं। क्योंकि मई 2026 में उनका यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया ऊर्जा संकट, ईरान युद्ध, सप्लाई चेन अस्थिरता और नए वैश्विक ध्रुवीकरण से गुजर रही है। लिहाजा, पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

पहला, ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ा लक्ष्य है, क्योंकि भारत दुनिया का बड़ा तेल आयातक देश है। ईरान संकट और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे समय में यूएई दौरा भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का प्रयास माना जा रहा है। लिहाजा भारत और यूएई के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण, एलपीजी (LPG) सप्लाई, ऊर्जा निवेश, समुद्री सुरक्षा जैसे अहम समझौते हुए हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत भविष्य के किसी बड़े वैश्विक ऊर्जा संकट के लिए खुद को सुरक्षित करना चाहता है।

दूसरा, पश्चिम एशिया में भारत की रणनीतिक पकड़ बढ़ रही है, क्योंकि यूएई ने पीएम मोदी का असाधारण स्वागत किया- एफ-16 एस्कॉर्ट और राष्ट्रपति स्तर की अगवानी- यह दिखाता है कि भारत अब केवल 'तेल खरीदने वाला देश' नहीं बल्कि एक रणनीतिक साझेदार बन चुका है।

इसके मायने ये निकलते हैं कि पाकिस्तान की पारंपरिक खाड़ी पकड़ कमजोर होगी और भारत की अरब देशों में स्वीकार्यता बढ़ती जाएगी। इससे रक्षा और टेक्नोलॉजी सहयोग का विस्तार भी होगा।

तीसरा, यूरोप के साथ नई तकनीकी साझेदारी विकसित होगी, क्योंकि नीदरलैंड, स्वीडन और नॉर्वे का चयन बहुत रणनीतिक माना जा रहा है। चूंकि इन देशों से भारत सेमीकंडक्टर तकनीक, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, एआई (AI) और रक्षा तकनीक और आर्कटिक एवं समुद्री सहयोग

को मजबूत करना चाहता है। विशेषकर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत चीन पर निर्भरता कम करना चाहता है। इसलिए इस पहल के अपने रणनीतिक मायने हैं।

चौथा, चीन और अमेरिका दोनों को संतुलित संदेश देने के लिए पीएम मोदी का यह दौरा 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति का हिस्सा भी है, इससे अमेरिका के साथ साझेदारी, रूस से संबंध, अरब देशों से सामरिक निकटता, यूरोप के साथ तकनीकी सहयोग, चीन के प्रभाव का संतुलन बढ़ेगा। चूंकि भारत यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बल्कि स्वतंत्र वैश्विक शक्ति है।

पांचवां, भारत को निवेश हब बनाने की कोशिश यूएई द्वारा भारत में 5 अरब डॉलर निवेश की घोषणा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ सकता है। यह 'मेक इन इंडिया' और 'भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब' बनाने की रणनीति से जुड़ा है।

छठा, घरेलू राजनीति के संकेत के नजरिए से दिलचस्प बात यह है कि एक तरफ पीएम मोदी जनता से ईंधन बचाने, विदेशी यात्राएं कम करने और विदेशी मुद्रा बचाने की अपील कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ खुद बड़े वैश्विक दौरे कर रहे हैं। इसका राजनीतिक संदेश यह जाएगा कि कठिन वैश्विक समय में सक्रिय नेतृत्व पीएम दे रहे हैं और भारत संकट में भी वैश्विक केंद्र बना हुआ है। इससे पीएम मोदी की व्यक्तिगत कूटनीतिक छवि मजबूत होकर चमकेगी।

सातवां, भारत की वैश्विक छवि निर्माण के दृष्टिकोण से यह दौरा यह दिखाने का प्रयास भी है कि भारत केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि ऊर्जा, तकनीक, व्यापार और सुरक्षा में निर्णायक वैश्विक खिलाड़ी बन रहा है। विशेषकर G20 के बाद भारत अपनी 'विश्व नेतृत्व' छवि को स्थायी बनाना चाहता है। इसके संभावित दीर्घकालिक प्रभाव भारत के लिए अहम साबित हो सकते हैं, क्योंकि इससे जहां ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, वहीं विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना रहेगी।

साथ ही रक्षा-तकनीकी सहयोग विस्तार से वैश्विक

प्रभाव में वृद्धि होगी। भारत की यह नई चाल चीन के लिए यूरोप और खाड़ी में भारत की सक्रियता चीन के प्रभाव को चुनौती दे सकती है। जबकि पाकिस्तान के लिए खाड़ी देशों में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता रणनीतिक दबाव बढ़ा सकती है। वहीं, यूरोप के लिए चीन के विकल्प के रूप में भारत की अहमियत बढ़ेगी। जबकि अमेरिका के लिए भारत एक आवश्यक रणनीतिक साझेदार बना रहेगा, भले ही वह पूरी तरह अमेरिकी धड़े में न जाए।

निष्कर्ष यह निकलता है कि पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

आव्रजन के खिलाफ लंदन की सड़कों पर उतरे 80 हजार लोग

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में शनिवार को दो अलग-अलग बड़ी रैलियां हुईं। एक रैली आव्रजन के खिलाफ थी, जबकि दूसरी रैली फलस्तीन के समर्थन में हुई। पुलिस का अनुमान है कि इन रैलियों में 80 हजार से ज्यादा लोग शामिल थे। पुलिस ने राजधानी के बाहर से बुलाए गए अतिरिक्त बलों सहित 4,000 अधिकारियों को तैनात किया। पुलिस ने रैलियों में 80 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने का अनुमान लगाया। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने यूनाइट द किंगडम मार्च के आयोजकों पर स्पष्ट रूप से नफरत और विभाजन फैलाने का आरोप लगाया। यह मार्च इस्लाम विरोधी कार्यकर्ता स्टीफन यैक्सली-लेनन, जिन्हें टॉमी रॉबिन्सन के नाम से जाना जाता है द्वारा आयोजित किया गया था।

विश्वविद्यालयों में छात्र संघों पर प्रतिबंध के खिलाफ राजधानी में व्यापक प्रदर्शन

काठमांडू, एजेंसी। विश्वविद्यालयों में छात्र संघ पर प्रतिबंध के खिलाफ बड़ी संख्या में छात्रों ने नेपाल की राजधानी काठमांडो में प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने हाल ही में 100 सूत्री कार्य योजना की घोषणा की है, जिसके तहत विश्वविद्यालयों में छात्र संघों के कामकाज पर रोक लगा दी गई है। सरकार का कहना है कि शिक्षण संस्थानों को राजनीतिक दलों के औजार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने छात्र संघों पर प्रतिबंध का विरोध करें जैसे नारे लगाते हुए सरकार के इस कदम की आलोचना की। नेपाली छात्रों के 62वें छात्र दिवस के अवसर पर आयोजित यह प्रदर्शन त्रिचंद्र कैंपस से शुरू होकर काठमांडो के आरआर कैंपस में समाप्त हुआ। प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय की स्वायत्तता की रक्षा, छात्रों के अधिकारों की गारंटी और संगठन बनाने की स्वतंत्रता के संरक्षण की मांग करते हुए नारे भी लगाए। नेपाल छात्र संघ, अखिल नेपाल स्वतंत्र छात्र संघ और अन्य समूहों ने इसमें हिस्सा लिया।

रवांडा नरसंहार के संदिग्ध फेलिसियन काबुगा की हिरासत में मौत

हेग, एजेंसी। रवांडा नरसंहार के संदिग्ध फेलिसियन काबुगा की 91 साल की आयु में मौत हो गई। काबुगा की मृत्यु नीदरलैंड के हेग में अस्पताल में हिरासत के दौरान हुई। संयुक्त राष्ट्र की एक अदालत ने शनिवार को बताया कि 91 वर्षीय काबुगा पर 1994 के नरसंहार में तुत्सी अल्पसंख्यक के सामूहिक नरसंहार को बढ़ावा देने और आर्थिक मदद मुहैया कराने का आरोप था। एक अनुमान के मुताबिक इस नरसंहार में आठ लाख लोग मारे गए थे। काबुगा पर मुकदमा 2022 में शुरू हुआ था। 2023 में, न्यायाधीशों ने उसे डिमेंशिया के कारण मुकदमा चलाने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। दोषी पाए जाने पर काबुगा को आजीवन कारावास की सजा हो सकती थी। कोर्ट ने अस्पताल में हुई मौत के बाद परिस्थितियों की जांच का आदेश दिया है।

इतालवी शहर में चालक ने पैदल यात्रियों को रौंदा, आठ घायल, चार गंभीर

मोडेना, एजेंसी। उत्तरी इतालवी शहर मोडेना में शनिवार को एक चालक ने पैदल यात्रियों को रौंद दिया। इस घटना में आठ लोग घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना में कोई मौत नहीं हुई। महापौर मास्सिमो मेजेटी के अनुसार, एक महिला दुकान की खिड़की से दब गई, जिसके दोनों पैर काटने पड़े। 31 वर्षीय चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अधिकारी जांच कर रहे हैं कि उसने नशे में या जानबूझकर यह कृत्य किया। चालक ने भागने का प्रयास किया लेकिन नागरिकों और पुलिस ने उसे पकड़ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उसके पास चाकू था, पर उसने किसी को नहीं मारा। इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने घटना को 'बेहद गंभीर' बताया।

मादुरो के करीबी सहयोगी एलेक्स साब वेनेजुएला से अमेरिका निर्वासित

वेनेजुएला, एजेंसी। वेनेजुएला सरकार ने निकोलस मादुरो के करीबी सहयोगी एलेक्स साब को अमेरिका निर्वासित किया है, जहां उसे न्यायिक कार्रवाई का सामना करना होगा। यह कैदी अदला-बदली में राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा माफी दिए जाने के तीन साल बाद हुआ। सरकार ने निर्वासन का स्थान नहीं बताया, पर यह अमेरिकी आपराधिक जांचों पर आधारित है। एसोसिएटेड प्रेस ने फरवरी में बताया कि अभियोजक साब की भूमिका की जांच कर रहे हैं। यह जांच वेनेजुएला के खाद्य आयात ठेकों से जुड़ी रिश्वतखोरी की साजिश से संबंधित है। साब ने सरकारी ठेकों से संपत्ति अर्जित की थी, जिसे अमेरिकी अधिकारी मादुरो का 'बैग मैन' बताते थे। नए वेनेजुएला नेतृत्व के सत्ता में आने के बाद साब का प्रभाव कम हो गया। उससे अपने पूर्व संरक्षक के खिलाफ गवाही देने के लिए कहा जा सकता है।

बालेंद्र सरकार को सुप्रीम झटका, भारतीय उत्पादों पर नहीं लगेगा सीमा शुल्क

काठमांडू, एजेंसी। झनेपाल में प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की नव निर्वाचित सरकार को देश के सर्वोच्च न्यायालय से एक बहुत बड़ा और करारा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत से नेपाल में लाए जाने वाले आम इस्तेमाल के भारतीय उत्पादों पर सीमा शुल्क लगाने के सरकार के एक विवादास्पद फैसले पर फिलहाल पूरी तरह से रोक लगा दी है। अदालत के इस अहम आदेश के बाद अब सीमा पार से 100 नेपाली रुपये से अधिक का सामान लाने पर आम जनता को सीमा शुल्क नहीं देना पड़ेगा।

दरअसल, हाल ही में नेपाल के वित्त मंत्रालय ने एक नया नियम लागू किया था। इस नियम के तहत यह अनिवार्य कर दिया गया था कि भारत से अगर कोई 100 नेपाली रुपये से ज्यादा का सामान लाता है, तो उसे सीमा शुल्क यानी टैक्स चुकाना ही होगा। जनता इस फैसले से बहुत परेशान थी और इसकी कड़ी आलोचना हो रही थी। अब नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को एक अंतरिम आदेश जारी करके सरकार के इस कठोर फैसले को लागू करने से रोक दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में क्या कहा है : सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस हरि प्रसाद फुयाल और जस्टिस टेक प्रसाद ढुंगाना की पीठ ने इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई की। अदालत ने प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिपरिषद, वित्त मंत्रालय और अन्य सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जब तक इस मामले में अदालत का कोई अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक इस विवादित सीमा शुल्क प्रावधान को बिल्कुल भी लागू न किया जाए।

अदालत में यह मामला किसने और क्यों उठाया : सरकार के इस फैसले के खिलाफ कुछ जागरूक वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अधिवक्ता अमितेश पंडित, आकाश महतो, सुयोगी सिंह और प्रशांत बिक्रम शाह ने वित्त मंत्रालय के इस फैसले को चुनौती देते हुए एक रिट याचिका दायर की थी। इन याचिकाकर्ताओं ने अदालत में तर्क दिया कि 100 नेपाली रुपये से ज्यादा के सामान पर टैक्स लगाने की नीति नेपाल के सीमा शुल्क अधिनियम-2081 के सख्त खिलाफ है। वकीलों ने बताया कि यह फैसला अधिनियम में दी गई छूट के प्रावधानों का सीधा-सीधा उल्लंघन करता है।

तराई-मधेस क्षेत्र में लोगों का गुस्सा क्यों भड़क रहा था : इस नए नियम के लागू होने के बाद नेपाल-भारत सीमा पर तराई-मधेस क्षेत्र की चौकियों पर बहुत कड़ी जांच शुरू हो गई थी। सीमा शुल्क वसूलने के इस अनिवार्य नियम के कारण सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) ने आम लोगों की सघन तलाशी लेनी शुरू कर दी थी। पहले आम नागरिकों को छोटी-मोटी रोजमर्रा की खरीदारी और घरेलू सामानों पर अनौपचारिक रूप से सीमा शुल्क में छूट मिल जाती थी। लेकिन छूट खत्म होने से लोगों में भारी आक्रोश फैलने लगा था।

सरकार ने यह कदम सीमा शुल्क की चोरी को रोकने के नाम पर उठाया था। लेकिन इसके आड़ में चौकियों पर बड़े पैमाने पर आम लोगों के खिलाफ ही सख्त कार्रवाई की जाने लगी थी। इस एकतरफा और कठोर नीति ने मधेस के सीमावर्ती जिलों में रहने वाले लोगों का जीवन बहुत ही मुश्किल कर दिया था। आम आदमी छोटी-सी खरीदारी के लिए भी परेशान हो रहा था। सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश अब तराई-मधेस और सीमावर्ती इलाकों की आम जनता के लिए एक बहुत बड़ी राहत बनकर आया है। लोगों ने इस फैसले का स्वागत किया है। फिलहाल, अदालत के इस कड़े रुख के बाद बालेंद्र शाह सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े हैं और सीमा पर एपीएफ की अनावश्यक सख्ती पर भी लगाम लग गई है।

पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकी: बांग्लादेशी अफसर अब लाहौर में प्रशिक्षण लेंगे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए भारत के मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी की जगह अब पाकिस्तान के लाहौर को चुना है। इसे भारत-बांग्लादेश संबंधों में आई दूरी और पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकी के रूप में देखा जा रहा है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच इस तरह का पहला मामला बांग्लादेश के 12 वरिष्ठ अधिकारी इन दिनों लाहौर स्थित सिविल सर्विसेज एकेडमी में चार से 21 मई तक प्रशिक्षण ले रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच इस तरह का यह पहला व्यवस्थित प्रशिक्षण कार्यक्रम है। कार्यक्रम का पूरा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है बताया गया है कि प्रशिक्षण लेने वालों में एक अतिरिक्त सचिव और 11 संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हैं। इस कार्यक्रम का पूरा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है और इसमें बांग्लादेश सरकार की कोई आर्थिक भागीदारी नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के हटने के बाद बांग्लादेश-पाकिस्तान संबंध तेजी से मजबूत हुए हैं व कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा है।

ईरान के लिए बहुत बुरा समय आने वाला है, डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दी धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर शांति समझौता जल्द नहीं हुआ तो तेहरान के लिए बहुत बुरा समय आने वाला है। फ्रांसीसी ब्रॉडकास्टर को दिए गए टेलीफोनिक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि ईरान को समझौते में दिलचस्पी रखनी चाहिए। उनका बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में बातचीत चल रही है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने नई दिल्ली में कहा कि ट्रंप प्रशासन से संदेश आए हैं जिसमें बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई गई है, लेकिन अमेरिका पर गहरे अविश्वास की वजह से प्रक्रिया धीमी हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बावजूद ईरान ने अमेरिका पर दो बार हमला करने का आरोप लगाया है, खासकर परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी पुरानी वार्ताओं के दौरान। अराघची ने वाशिंगटन के विरोधाभासी संकेतों को बातचीत में बाधा बताया। उन्होंने चीन जैसे देशों के कूटनीतिक समर्थन का स्वागत किया और क्षेत्रीय शांति के लिए भारत की बड़ी भूमिका की मांग की। वहीं, ईरान के संसद स्पीकर और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बागेर घालिबाफ ने कहा कि अमेरिका को ईरान के 14 सूत्री प्रस्ताव को स्वीकार करना चाहिए, नहीं तो उसे असफलता का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले ईरानी प्रस्ताव को खारिज करते हुए युद्धविराम को जीवन रक्ष' पर बताया था। इस बीच, मध्य पूर्व में तनाव जारी है। इजरायल ने हाल ही में विस्तारित युद्धविराम के बावजूद दक्षिणी लेबनान में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए हैं। लेबनानी मीडिया के अनुसार, 50 किलोमीटर से ज्यादा दूर के दो दर्जन से अधिक गांवों पर हमले हुए। इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बताया और कई गांवों के लिए निकासी चेतावनी जारी की। इन हमलों से सैकड़ों नागरिक बेघर हो गए और सिदोन व बेरूत की ओर पलायन शुरू हो गया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने युद्धविराम के विस्तार का स्वागत किया और सभी पक्षों से इसे पूरी तरह मानने की अपील की। युद्धविराम 17 अप्रैल को शुरू हुआ था और शुक्रवार को 45 दिनों के लिए बढ़ाया गया, लेकिन इसका उल्लंघन बार-बार हो रहा है। लेबनान के अनुसार, युद्ध शुरू होने से अब तक 2900 से ज्यादा लोग मारे गए, जिनमें युद्धविराम के बाद 400 से अधिक शामिल हैं। हिजबुल्लाह ने इजरायल पर हमले जारी रखे हैं। ईरान-अमेरिका वार्ता की सफलता न केवल क्षेत्रीय स्थिरता बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी अहम है।

राष्ट्रपति चुनाव से पहले कोलंबिया में हिंसा, पूर्व मेयर और उनके सहयोगी की गोली मारकर हत्या

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के मध्य इलाके में एक पूर्व मेयर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को इस घटना की जानकारी दी। इस हमले में पूर्व मेयर रोजर्स डेविया के साथ उनके एक सहायक एडर कार्डोना की भी मौत हो गई। डेविया राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला के करीबी सहयोगी थे। एस्प्रिएला नेशनल साल्वेशन मूवमेंट पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। यह हमला कुबरल के ग्रामीण क्षेत्र में हुआ। रोजर्स डेविया ने साल 2020 से 2023 के बीच इस शहर के मेयर के रूप में शासन किया था। कुबरल शहर राजधानी बोगोटा से लगभग 170 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। मेटा विभाग के लोकपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस हमले की जानकारी साझा की।

यह क्षेत्र वर्तमान में तीन सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। इनमें से दो समूहों को अमेरिकी सरकार ने आतंकवादी संगठन माना है। तीसरा समूह पूर्व विद्रोही संगठन 'फार्क' से अलग होकर बना एक गुट है। लोकपाल कार्यालय का कहना है कि इस तरह की हिंसा से 31 मई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में लोगों के राजनीतिक अधिकारों और लोकतांत्रिक भागीदारी पर बुरा असर पड़ सकता है।

आगामी राष्ट्रपति चुनाव में कम से कम छह उम्मीदवार हिस्सा ले रहे हैं। इनमें दो सदस्य छोटी वामपंथी पार्टियों से हैं। चुनाव के नियमों के अनुसार, यदि किसी भी उम्मीदवार को कुल वोटों का 50 प्रतिशत हिस्सा नहीं मिलता है, तो जून में शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच दोबारा मतदान कराया जाएगा।

कोलंबिया के गृह मंत्री अरमांडो बेनेडेटी ने सोशल मीडिया पर कहा कि जांच अधिकारी अभी तक यह नहीं जान पाए हैं कि डेविया पर हमला क्यों किया गया। मंत्री ने यह भी बताया कि पुलिस ने हाल ही में इसी शहर में एक अन्य राष्ट्रपति उम्मीदवार पालोमा वालेंसिया के एक कर्मचारी पर होने वाले हमले को नाकाम किया था। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

एपस्टीन फाइल्स की वजह से ब्रिटेन में उथल-पुथल, जल्द इस्तीफा पदे सकते हैं पीएम कीर स्टारमर

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन में बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल की वजह से प्रधानंत्री कीर स्टारमर अपना पद छोड़ने को तैयार हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने करीबियों से कहा है कि वह इस्तीफा देने को तैयार हैं। डेली मेलकी रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री कीर स्टारमर अपने हिसाब से आगे का कदम उठाएंगे। उन्हें इस्तीफा कब देना है, इसका विचार भी वह खुद ही करेंगे।

क्यों खतरे में है कीर स्टारमर की सरकार : जानकारी के मुताबिक यूके की लेबर सरकार संकटों से जूझ रही है। लोगों की इस सरकार में विश्वास कम हो गया है। लेबर पार्टी के पीटर मैंडलसन का नाम एपस्टीन फाइल्स में आने केबाद लोगों ने लेबर पार्टी पर अविश्वास जताया और स्थानीय चुनावों में इसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इसी वजह से कीर

स्टारमर पर भी इस्तीफा देने का दबाव बढ़ गया है।

गुरुवार को ब्रिटेन में क्षेत्रीय चुनाव हुए। यह चुनाव 136 क्षेत्रों में आयोजित किए गए। अंतिम नतीजों के अनुसार लेबर पार्टी ने परिषद की उन 2,200 से ज़्यादा सीटों में से लगभग 1,200 सीटें गंवा दीं, जिन पर पहले उसका कब्ज़ा था। दक्षिणपंथी 'रिफॉर्म यूके ' पार्टी स्पष्ट विजेता के तौर पर उभरी और उसने लगभग 1,400 सीटें जीतीं।

बता दें कि लेबर पार्टी के ही 80 से ज्यादा सांसदों ने उनसे पद छोड़ने की अपील की है। बीते दिनों सरकार के तीन सदस्यों के इस्तीफा देने की बात भी सामने आई थी।

निगेल फराज के नेतृत्व वाली रिफॉर्म यूके को चुनावों का सबसे बड़ा विजेता माना जा रहा है। स्काई न्यूज के अनुसार, इसने अब तक 1,422 सीटें जीती हैं। लेबर पार्टी 980 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि लिबरल डेमोक्रेट्स और कंजरवेटिव पार्टी क्रमशः 834 और 754 सीटों के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।प्लाइड सिमरु, जो वेल्स की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध एक मध्य-वामपंथी पार्टी है, 43 सीटों के साथ वेल्स सेनेड में सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। रिफॉर्म यूके 34 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि लेबर पार्टी नौ सीटों के साथ बहुत पीछे तीसरे स्थान पर है। वेल्स में 27 साल सत्ता में रहने के बाद लेबर पार्टी ने पहले ही हार स्वीकार कर ली थी।

स्टारमर ने इस्तीफा देने से कर दिया था इनकार : वहीं स्कॉटलैंड में, स्कॉटिश नेशनल पार्टी ने सबसे अधिक 58 सीटें जीतीं लेकिन बहुमत के लिए आवश्यक 65 सीटों से पीछे रह गई। लेबर और रिफॉर्म यूके 17-17 सीटों पर बराबरी पर हैं जबकि कंजर्वेटिव पार्टी की सीटें घटकर 12 रह गईं। अपनी पार्टी के लिए निराशाजनक नतीजों के बावजूद, स्टारमर ने इस्तीफा देने से मना करते हुए कहा था कि वह पीछे नहीं हटेंगे और देश को अराजकता में नहीं धकेलेंगे।

चीन की नई चाल, एशियाई समुद्र में बढ़ा रहा अपना दबदबा: बड़े बेड़ों की तैनाती

बीजिंग, एजेंसी। नई चाल के तह चीन एशिया के विवादित समुद्री इलाकों में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। इसके लिए वह मछली पकड़ने वाली नावों, कोस्ट गार्ड जहाजों और समुद्री मिलिशिया यूनिट्स के बड़े बेड़े तैनात कर रहा है। यह एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद बिना किसी सीधी सैन्य टकराव के अपना नियंत्रण मजबूत करना है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट और ताइवान न्यूज के हवाले से यह जानकारी दी गई है। हाल ही में चीन की लगभग 200 मछली पकड़ने वाली नावें येलो सी में और अंदर तक चली गईं। ये नावें उन समुद्री इलाकों के और करीब पहुंच गईं, जिन पर चीन और दक्षिण कोरिया दोनों अपना दावा करते हैं। जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस कंपनी Ingenispace द्वारा जुटाए गए डेटा से पता चला है कि अहम शिपिंग मार्गों और विवादित समुद्री क्षेत्रों में जहाजों की आवाजाही असामान्य रूप से बहुत ज्यादा बढ़ गई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बीजिंग अपनी 'ग्रे-जोन' रणनीति के तहत अब ज्यादा से ज्यादा नागरिक मछली पकड़ने वाले बेड़ों पर निर्भर हो रहा है। ये बेड़े दोहरे इस्तेमाल वाले ऑपरेशन्स के लिए तैयार किए गए हैं। इस रणनीति का मकसद धीरे-धीरे अपना प्रभाव बढ़ाना है, लेकिन साथ ही खुले युद्ध की स्थिति से भी बचना है।

चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर जेसन वांग ने कहा कि इन जहाजों की तैनाती से यह जाहिर होता है कि चीन अनियमित समुद्री ऑपरेशन्स के जरिए क्षेत्रीय समुद्री इलाकों पर अपना नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जहाजों की यह बढ़ती संख्या चीन की उस संभावित क्षमता को भी दर्शाती है, जिसके तहत वह तनाव बढ़ने की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक शिपिंग मार्गों को बाधित कर सकता है। पूर्वी चीन सागर में भी चीन की समुद्री गतिविधियां तेज हो गई हैं। 3 अप्रैल को 600 से ज्यादा चीनी मछली पकड़ने वाली नावें लगभग 18 घंटों तक एक लंबी कतार बनाकर खड़ी देखी गईं।

कोस्ट गार्ड की गश्त भी बढ़ी : इसके साथ ही, बीजिंग ने विवादित डियाओयुताई द्वीपों के आसपास कोस्ट गार्ड की गश्त भी बढ़ा दी। साउथ चाइना सी में, चीन ने पिछले एक साल में स्कारबोरो शोल के पास अपने कोस्ट गार्ड ऑपरेशन्स को कथित तौर पर दोगुना कर दिया है और इस इलाके को 'नेशनल नेचर रिजर्व' घोषित करने के बाद ज्यादा सख्त प्रशासनिक उपाय लागू किए हैं। वियतनाम के पास पैरासेल आइलैंड्स में नई कंस्ट्रक्शन एक्टिविटी देखी गई है।

क्या कह रहे एक्सपर्ट्स : सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के 'सीलाइट प्रोजेक्ट' के रिसर्चर्स ने बताया कि चीन ने पिछले साल समुद्री मिलिशिया और कोस्ट गार्ड जहाजों की सुरक्षा में 'एंटेलोप रीफ' का विस्तार करना शुरू कर दिया था। एक्सपर्ट्स ने कहा कि चीन का लंबे समय का मकसद विवादित पानी में अपने दबदबे को धीरे-धीरे सामान्य बनाना है, और साथ ही सीधे टकराव से बचना है। सीएसआईएस में जियोपॉलिटिक्स और विदेश नीति विभाग के प्रेसिडेंट विक्टर चा ने कहा कि चीन की कार्रवाइयां बहुत सोच-समझकर की गई हैं, ताकि बिना युद्ध छेड़े क्षेत्रीय नियंत्रण को मजबूत किया जा सके।

इराक के नए प्रधानमंत्री बने अली फलिह काजिम अल-जैदी, पीएम मोदी ने दी बधाई

बगदाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इराक के नए प्रधानमंत्री अली फलिह काजिम अल-जैदी को पद संभालने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इराक के बीच लंबे समय से मजबूत और दोस्ताना संबंध रहे हैं और भारत इन रिश्तों को हर क्षेत्र में और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों की साझा तरक्की और समृद्धि के लिए नए इराकी प्रधानमंत्री के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा संदेश : प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अली फालिह काजिम अल-जैदी को इराक का प्रधानमंत्री बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं। भारत इराक के साथ अपने पुराने और मजबूत संबंधों को बहुत महत्व देता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, निवेश और कूटनीतिक सहयोग आने वाले समय में और मजबूत होगा।

अमेरिकी राजदूत ने भी दी अल-जैदी को बधाई : वहीं, तुर्किये में अमेरिका के राजदूत और सीरिया के लिए विशेष दूत टॉम बैरक ने भी इराक के नए प्रधानमंत्री को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका इराक में नए नेतृत्व का स्वागत करता है और दोनों देशों के साझा हितों पर मिलकर काम करना चाहता है। अमेरिका चाहता है कि इराक एक मजबूत, स्थिर और समृद्ध देश बने, जो अपने पड़ोसी देशों के साथ शांति बनाए रखे और अपने नागरिकों को बेहतर अवसर दे। टॉम बैरक ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और

अमेरिका की सरकार इराक के साथ आतंकवाद खत्म करने और आर्थिक विकास बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने को तैयार हैं। इराकी संसद ने 14 मई को अली अल-जैदी की सरकार को मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि देश में हथियारों पर सिर्फ सरकार का अधिकार होना चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका लगातार इराक पर दबाव बना रहा है कि वह ईरान समर्थित हथियारबंद गुटों को कमजोर करे और उन्हें निरस्त्र करे।

इराक की नई सरकार को यूएन ने भी दी बधाई : संयुक्त राष्ट्र ने भी नई सरकार के गठन का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि यूएन इराक के लोगों के आर्थिक और सामाजिक विकास में सहयोग जारी रखेगा। यूरोपीय संघ ने भी इराक के नए प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए देश की एकता, संप्रभुता और स्थिरता के समर्थन की बात दोहराई। वहीं जापान ने इराक में सुरक्षा स्थिति बेहतर होने पर खुशी जताई और कहा कि वह इराक में निवेश तथा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान रक्षा बजट में करने जा रहा 100 अरब की बढ़ोतरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार अगले वित्त वर्ष में रक्षा बजट में करीब 100 अरब पाकिस्तानी रुपये की बढ़ोतरी कर सकती है। सरकार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समर्थित सुधार कार्यक्रम के तहत अपना बजट तैयार कर रही है, जिसमें राजस्व में भारी वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मालूम हो कि पाकिस्तान ने पिछले साल भारत के खिलाफ बड़ा युद्ध हारा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तानी सेना को बुरी तरह से पराजित करते हुए कई ठिकानों पर मिसाइलों से हमले किए थे। संघर्ष के दौरान पाकिस्तान भारत से बुरी तरह से 'पिटा' था। ऐसे में अब अगले साल से रक्षा बजट के इतना बढ़ाए जाने से आशंका जताई जा रही है कि क्या पाकिस्तानी सेना कोई बड़ी तैयारी तो नहीं कर रही है और भारत के लिए बड़ा खतरा तो नहीं पैदा होने जा रहा? माना जा रहा है कि इसके जरिए वह अपनी सैन्य ताकत को बढ़ाएगा और हथियारों की खरीद भी बढ़ा सकता है, जिससे मुनीर की सेना की ताकत में इजाफा होगा। अखबार 'डॉन' ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि 2026-27 के लिए रक्षा खर्च 2.66 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये रहने का अनुमान है, जो चालू वित्त वर्ष में 2.56 लाख करोड़ रुपये है। रिपोर्ट के अनुसार, आईएमएफ ने 2026-27 में पाकिस्तान की कुल संघीय आय 17.14 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये रहने का अनुमान लगाया है। यह मौजूदा वित्त वर्ष की तुलना में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक और करीब 13.5 प्रतिशत ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान ने केंद्र और प्रांतीय सरकारों के कुल खर्च को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.2 प्रतिशत तक बढ़ाकर 4.23 लाख करोड़ रुपये करने का वादा किया है। साथ ही जून 2027 तक केंद्र और प्रांतीय सरकारों के सभी भुगतानों को डिजिटल माध्यम से करने

की योजना है। आईएमएफ कार्यक्रम से जुड़े व्यापक सुधारों के तहत सरकार इस वर्ष के अंत तक सबसे अधिक भ्रष्टाचार प्रभावित 10 संस्थानों की पहचान कर उनका विस्तृत अध्ययन और लेखा जांच करेगी। प्रांतीय भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियों को भी मजबूत किया जाएगा।

40 फीसदी आबादी आर्थिक रूप से कमजोर : रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जो लोग घोर गरीबी में जी रहे हैं और जिन्हें सामाजिक सहायता मिल रही है, उनके अलावा भी लगभग 40 फीसदी आबादी आर्थिक रूप से कमजोर बनी हुई है। आईएमएफ का एक मिशन इस समय पाकिस्तान में है, जो 2026-27 के बजट से पहले बजट पर होने वाली चर्चाओं को अंतिम रूप देने के लिए आया है। उम्मीद है कि यह बजट अगले महीने की शुरुआत में कैबिनेट और संसद के सामने पेश किया जाएगा।

कांगो के इटुरी प्रांत में इबोला से अब तक 80 मौतें, स्वास्थ्यकर्मी सक्रिय : ब्राज़ाविल, एजेंसी। कांगो के पूर्वी इटुरी प्रांत में इबोला बीमारी के नए प्रकोप से कम से कम 80 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि स्वास्थ्यकर्मी बीमारी को रोकने के लिए स्क्रीनिंग और संपर्क ट्रेसिंग तेज कर रहे हैं। शुक्रवार को इस प्रकोप की घोषणा की गई थी, तब 65 मौतें और 246 संदिग्ध मामले थे। कांगो के स्वास्थ्य मंत्री सैमुअल-रोजर काम्बा ने आठ प्रयोगशाला-पुष्टि मामलों की जानकारी दी, जिनमें चार मौतें शामिल हैं। परीक्षणों में बंडिबुग्यो वायरस की पुष्टि हुई है। यह कांगो में इबोला का 17वां प्रकोप है। इबोला अत्यधिक संक्रामक और अक्सर घातक होता है।

होंठ गुलाबी बनाएं चेहरे की चमक बढ़ाएं

देसी घी

ज्यादातर लोग देसी घी का प्रयोग ज्यादा नहीं कर पाते हैं क्योंकि यह काफी महंगा पड़ता है। पर यदि आप इसके गुणों को जान लेंगे तो आप इसे यूज किए बगैर नहीं रह पाएंगे। जी हां, देसी घी न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है बल्कि इससे बाल और त्वचा दोनों ही स्वस्थ और सुंदर बनते हैं। देसी घी के प्रयोग से त्वचा सुंदर और चमकदार बनती है। अब तो वैसे भी सर्दियां आ गई हैं, जिसकी वजह से त्वचा में रुखापन आ जाने की वजह से खुश्की हो जाती है। तो ऐसे में अगर आप शुद्ध घी चेहरे और होंठो पर लगाएंगे तो आपका चेहरा हमेशा मुलायम बना रहेगा। देसी घी को आप अपनी आंखों के नीचे के काले घेरों को खत्म करने के लिए भी लगा सकते हैं। रोजाना घी से केवल पांच मिनट मसाज कीजिए और कुछ ही दिनों में अपने आप ही फर्क देखिए।

देसी घी के अन्य फायदे

ड्राई स्किन में नमी भरे : ड्राई स्किन को बहुत ही अच्छी तरह से नम करता है क्योंकि यह त्वचा की कोशिकाओं तक जाता है। इसे लगाने के लिए पहले थोड़े से घी को हल्का गरम कर लें और फिर शरीर में पांच मिनट तक मसाज करें। उसके आधे घंटे के बाद स्नान कर लें।

चेहरे का मॉइस्चराइज़र: देसी घी आपके नाजुक चेहरे के लिए भी काम करता है। अपने हाथों में घी और पानी की एक सीमित मात्रा ले कर मिलाएं और उससे अपने चेहरे की मसाज करें। फिर पंद्रह मिनट के बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें। देसी घी को हफ्ते में 2-3 बार जरूर लगाएं, इससे चेहरा एकदम सॉफ्ट हो जाएगा।

चमकदार चेहरे के लिए: अगर आपको अपनी स्किन अंदर व बाहर से चमकानी है तो देसी घी लगाने से बेहतर उपाय और कुछ नहीं होगा। यह आपके प्राकृतिक ग्लो को अंदर ही सील कर देता है और चेहरे में नमी भरता है। इसे लगाते ही आपकी त्वचा में जान आ जाएगी और उसमें चमक भर उठेगी। इसका गाढ़ा पेस्ट चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट के बाद इसे ठंडे पानी से धो लें।

झुर्रियां मिटाए : यह एक बेस्ट एंटी एजिंग प्रोडक्ट है। अगर इससे रोजाना चेहरे की मसाज की जाए तो चेहरे की कोशिकाएं स्वस्थ बनेगी और आपकी झुर्रियां मिटने लगेंगी और आप जंवा दिखेंगे।

डार्क आई सर्कल मिटाए : रात को सोने से पहले आंखों के नीचे देसी घी लगा लें और दूसरे दिन सुबह सादे पानी से आंखों को धो लें। ऐसा रोज करने से आपको फर्क दिखने लगेगा थकान भरी आंखों में फ्रेशनेस - डार्क सर्कल मिटाने के साथ-साथ यह आंखों की थकान को भी दूर करता है। यह आंखों के आस पास की त्वचा में जान भरता है और ब्लड सकरुलेशन तेज करता है जिससे आंखों को आराम मिलता है और थकान दूर हो जाती है।

विटामिन ''बी-3' से रुकेगी बढ़ती उम्र

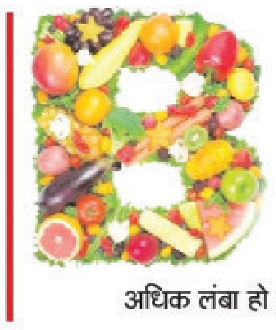

- 'बी-3' की खुराक से मधुमेह भी व्यक्ति को जल्दी नहीं घेर पाता
- अध्ययन में पाया कि प्राकृतिक ऑक्सीकरण रोधी क्षमता में वृद्धि हुई जिससे उम्र से जुड़ी समस्याओं में कमी देखी गई जिसमें इंसुलिन प्रतिरोध भी शामिल है
- यह भी पाया गया कि इससे इंसान का जीवन और अधिक लंबा हो सकेगा

लंदन। इंसानी फितरत है कि वह बूढ़ा नहीं दिखना चाहता और इसके लिए तमाम जतन करता है। लोगों के लिए यह खुशखबरी है कि यदि वे विटामिन ''बी-3' और उसकी उपलब्धता वाले तत्वों का सेवन करें तो आयु बढ़ने के कारण शरीर में आने वाले परिवर्तन देरी से दिख सकते हैं और मधुमेह जैसे आयु से संबंधित रोग भी व्यक्ति को जल्द अपने घेरे में नहीं ले पाते हैं।''स्पेनिश नेशनल कैंसर रिसर्च सेंटर' (सीएनआईओ), वालेंसिया विविद्यालय और मैड्रिड के ''आईएमडीईए फूड' के वैज्ञानिकों ने एक या कुछ ऑक्सीकरण रोधी एंजाइमों की बजाय कोशिकाओं की समूची ऑक्सीकरण रोधी क्षमता में वृद्धि करने का प्रयास किया। इसको पाने के लिए अनुसंधानकर्ताओं ने ''एनएडीपीएच' के स्तर में वृद्धि पर ध्यान केंद्रित किया। यह एक सामान्य अणु है जो ऑक्सीकरण रोधी प्रक्रि याओं में अहम भूमिका निभाता है। इसके बाद जो परिणाम आए उसमें ये देखा गया कि जीव की प्राकृतिक ऑक्सीकरण रोधी क्षमता में वृद्धि हुई जिससे उम्र से जुड़ी समस्याओं में कमी देखी गई जिसमें इंसुलिन प्रतिरोध भी शामिल है। यह भी पाया गया कि इससे इंसान का जीवन और अधिक लंबा हो सकेगा। इस अध्ययन का प्रकाशन ''नेचर कम्युनिकेशन्स जर्नल' में हुआ है।

घुटने की चोट में कारगर गर्भनिरोधक

- 15-20 साल की 23,430 युवतियों पर अध्ययन में पाया गया कि जिन महिलाओं को 'एंटीरियर क्रूसिएट लिंगामेंट' में चोट की समस्या थी अगर वे गर्भनिरोधक गोलियां ले रही थीं, तो उन्हें सर्जरी करवाने की जरूरत कम पड़ी

न्यूयॉर्क। अभी तक गर्भनिरोधक गोलिया गर्भ को रोकने के काम ही आती थीं पर अब एक नए शोध में पाया गया है कि गर्भनिरोधक गोलियां घुटने की चोट में भी कारगर साबित हुई है। जो महिलाएं गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन करती हैं, उनके एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम होता है और बरकरार रहता है। इससे उनके गंभीर किस्म के घुटने की चोट से पीड़ित होने की संभावना कम हो जाती है।15-20 साल की 23,430 युवतियों पर किए गए अध्ययन में यह पाया गया कि जिन महिलाओं को ''एंटीरियर क्रूसिएट लिंगामेंट' (एसीएल यानी घुटने के जोड़) में चोट की समस्या थी अगर वे गर्भनिरोधक गोलियां ले रही थीं, तो उन्हें सर्जरी करवाने की जरूरत कम पड़ी। प्रमुख शोधकर्ता एवं अमेरिका के गेलवेस्टन में स्थित ''यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास' की मेडिकल शाखा के ऐरॉन ग्रे ने कहा कि गर्भनिरोधक गोलियां एस्ट्रोजन का स्तर सतत कम रखती हैं जिससे समय-समय पर होने वाली एसीएल कमजोरी से बचाव होता है।जो महिलाएं गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन करती हैं, उनके एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम होता है और बरकरार रहता है। इससे उनके गंभीर किस्म के घुटने की चोट से पीड़ित होने की संभावना कम हो जाती है। एसीएल एक जोड़ है जो घुटने के ऊपरी और निचले हिस्से को जोड़ता है। इस जोड़ में चोट लगने से किसी एथलीट का करियर तबाह हो सकता है। साथ ही इससे जीवनभर के लिए घुटने में परेशानी आ सकती है और इलाज के लिए जटिल सर्जरी करानी पड़ सकती है।

कैंसरयुक्त ट्यूमरों की पहचान करने में मददगार गोली

वॉशिंगटन। वैज्ञानिकों ने एक नई गोली विकसित की है जो ट्यूमर की पहचान कर स्तन कैंसर की जांच में सुधार कर सकता है। यह कैंसरयुक्त बन चुके और कम घातक वृद्धियों के बीच भेद करने में चिकित्सकों की मदद करेगा।मौजूदा स्तन कैंसर की जांच के तरीके को लेकर एक सवाल है कि अक्सर गांठ की पहचान करते हैं लेकिन निर्णायक तरीके से यह नहीं बताते हैं कि कौन सी गांठ कैंसरयुक्त है। मिशिगन विवि के सहायक प्रोफेसर ग्रेग थरबर ने कहा, ''जांच कुछ मरीजों में शुरुआत में ही बीमारी का पता लगा सकती है लेकिन गलत सकारात्मक रिपोर्ट मरीजों के अनावश्यक, आक्रामक इलाज की ओर ले जा सकती है, जिन्हें उनकी आवश्यकता नहीं है।' स्तन कैंसर महिलाओं में दूसरा सर्वाधिक आम कैंसर है। मैम्मोग्राम स्तन ऊतकों का एक्स-रे है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

काकुरो पहेली - 4058

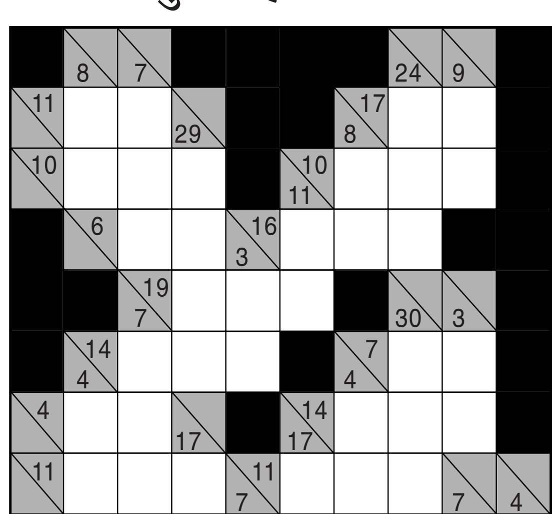

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

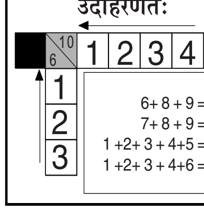

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4057 का हल

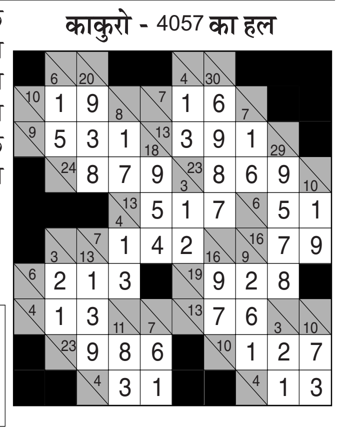

फिल्म वर्ग पहेली- 4058

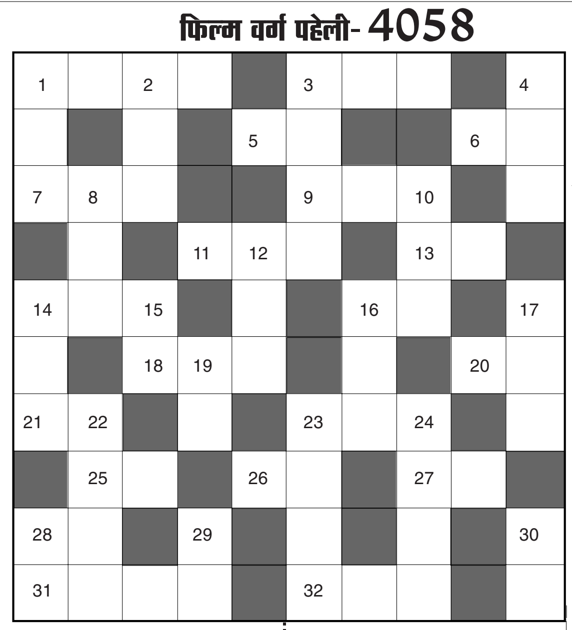

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०.'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4057

अ	जू	बा		जो	र		दा	मि	नी
ल		बा	जी		क्ष	त्रि	य		तू
बे	टा		न	म	क		रा	जा	
ला		अं	त			रो		लि	
	दा	दा		नू		जा	ने	म	न
मे		ज	ह	री	ले		हा		गिं
री	मा		त्या		कि	ला		द	स
जं		सू		म	न		म	र्द	
ग	द	र		द		आ	ह		डॉ
	म	ज	बू	र			ल	गा	न

सूडोकु -4058

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4057 हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 4058

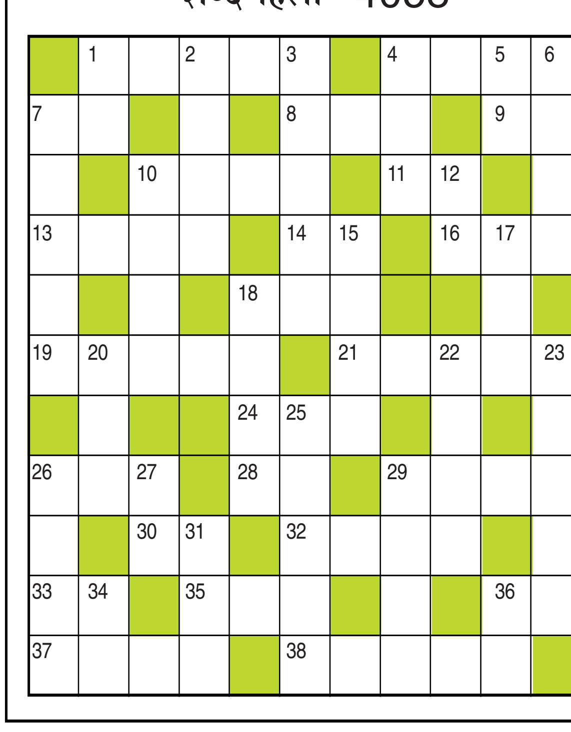

बाएँ से दाएँ

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली 4057 का हल

स	द	च	रि	त्र			ब	ह	रा	
मा	मा		या		अ	द	द		ह	क
ज			स	ज	दा		न			हा
वा	र	दा	त			श		प	नी	र
दी		मि		ह	म	रा	ज		र	
	रा	नी		रा		फ		बी	ज	
	ह		श	र	ब	त		ह		म
क	त	रा		त			अ	ड़	च	न
हा			चिं		म	लि	न			भा
नी	र		त	न	य		ब		श	व
	थ	का	न			म	न	मो	ह	न

मानसून के चलते 25 मई से बंद होंगे काजीरंगा अभयारण्य के जीप सफारी

एजेंसी

गुवाहाटी। काजीरंगा नेशनल पार्क में संचालित जीप सफारी सेवाएं 25 मई से मानसून सत्र के कारण आधिकारिक रूप से बंद कर दी जाएंगी। वन विभाग ने पर्यटकों की सुरक्षा तथा पार्कों के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 24 मई तक जीप सफारी सामान्य रूप से संचालित होती रहेगी, जबकि 25 मई से पार्कों में पर्यटकों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लागू रहेगा। मानसून के दौरान भारी वर्षा, बाढ़ तथा जंगल के रास्तों की खराब स्थिति के कारण सफारी संचालन सुरक्षित नहीं माना जाता। हर वर्ष मानसून के मौसम में असम के कई राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों में पर्यटन गतिविधियों को अस्थायी रूप से बंद किया जाता है, क्योंकि जलस्तर बढ़ने से जंगल के मार्ग जलमग्न हो जाते हैं और वन्यजीवों की आवाजाही भी प्रभावित होती है। वन विभाग ने बताया कि मानसून समाप्त होने के बाद परिस्थितियां सामान्य होने पर अक्टूबर या नवंबर महीने में सफारी सेवाओं को पुनः शुरू किए जाने की संभावना है।

होशियारपुर में पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन लिखा हॉट बैलून मिला

चंडीगढ़। पंजाब के होशियारपुर में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दसूहा सडक़ पर स्थित गांव सतौर के बाहरी क्षेत्र में खेतों में एक छोटी हवाई जहाज जैसी दिखने वाली संदिग्ध वस्तु पड़ी मिली। इस पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन लिखा हुआ था। दूर से देखने पर यह वस्तु एक ड्रोन जैसी लग रही थी। खेतों की ओर जा रहे कुछ ग्रामीणों ने इस वस्तु को देखा और तुरंत गांव की सरपंच कुलदीप कौर और समिति सदस्य परमजीत सिंह को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस के अनुसार वह वस्तु असल में एक हॉट एयर बैलून थी, जिसका आकार हवाई जहाज जैसा था और उस पर 'पीआईए' (पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस) लिखा हुआ था। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि यह बैलून कहां से आया और क्या इस इलाके में कोई सामग्री गिराई गई है। आसपास के खेतों और नजदीकी इलाकों में तलाशी अभियान भी चलाया, लेकिन कहीं से कुछ नहीं मिला।

आंध्र प्रदेश के वीएचपी अध्यक्ष नंदीरेड्डी सैरेड्डी के निधन पर वीएचपी परिवार और हिंदू संगठनों ने जताया शोक

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के आंध्र प्रदेश के दक्षिणी प्रांत के अध्यक्ष नंदीरेड्डी सैरेड्डी के आकस्मिक निधन से पूरे वीएचपी परिवार और हिंदू संगठनों ने शोक व्यक्त किया है। सैरेड्डी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि उनका जाना पूरे संगठन के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा, कुरनूल को अपना मुख्य केंद्र बनाकर कार्य करने वाले सैरेड्डी दोनों तेलुगु राज्यों (आंध्र प्रदेश और तेलंगाना) में अनगिनत हिंदुत्व कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा के स्रोत थे। सामाजिक सेवा और धर्म की रक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता हमेशा अनुकरणीय रहेगी। वीएचपी ने कहा कि उनका निधन हिंदू संगठनों और पूरे वीएचपी परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को सद्गति प्रदान करें और उनके परिवार और कार्यकर्ताओं को इस अपार क्षति को सहन करने की शक्ति और साहस प्रदान करें। संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल द्वारा जारी सूचना के अनुसार दिवंगत नंदीरेड्डी का अंतिम संस्कार सोमवार सुबह (18 मई) करीब 9:00 बजे कुरनूल शहर में किया जाएगा। अंतिम संस्कार में संगठन के कई वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है।

मणिपुर में केसीपी उग्रवादी गिरफ्तार, हेरोइन के साथ दो तस्कर भी दबोचे गये

इम्फाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बीते 24 घंटे में चलाए गए विभिन्न अभियानों में दो कथित मादक पदार्थ तस्करों तथा प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केसीपी (अपुनबा) के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है।मणिपुर पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले के हियांगलाम थाना क्षेत्र स्थित पोल स्टार कॉलेज के निकट अभियान चलाकर इम्फाल ईस्ट जिले के कैरंग मयाई लेइकाई निवासी मोहम्मद सलीम (31) तथा मोहम्मद नवाब (32) को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 13 साबुनदानी में छिपाकर रखा गया संदिग्ध हेरोइन ब्राउन शुगर बरामद किया गया, जिसका वजन लगभग 147 ग्राम बताया गया है।

इसके अलावा एक चारपहिया वाहन तथा 52 हजार नकद भी जब्त किए गए। इसी दिन सुरक्षा बलों ने एक अन्य अभियान में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केसीपी (अपुनबा) के सक्रिय सदस्य रेक्स थौदम उर्फ मचाटोम्बी (23) को भी गिरफ्तार किया। उसे इंफाल वेस्ट जिले के सिंगजामेई थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। गिरफ्तार उग्रवादी मूल रूप से इंफाल ईस्ट जिले के पैलेस कंपाउंड हेइजिंगांग रोड का निवासी है और वर्तमान में काकवा नाओरेम लेइकाई में रह रहा था। सुरक्षा एजेंसियां दोनों मामलों में आगे की जांच कर रही हैं।

रायसेन में भाजपा प्रशिक्षण महाअभियान का समापन, केन्द्रीय मंत्री शिवराज बोले- कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत

एजेंसी

रायसेन। मध्य प्रदेश के रायसेन में भारतीय जनता पार्टी के जिला स्तरीय 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान' का समापन हुआ। समापन सत्र में केंद्रीय कृषि मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद शिवराज सिंह चौहान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन में उनकी भूमिका को सबसे महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की मजबूती उसके कार्यकर्ताओं पर निर्भर करती है। कार्यकर्ता ही संगठन की नींव का पत्थर होता है और जब नींव मजबूत होती है तो संगठन को कोई चुनौती कमजोर नहीं कर सकती। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा आज दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और निष्ठा के कारण बनी है। उन्होंने रायसेन भाजपा संगठन की कार्यशैली की

सराहना करते हुए कहा कि यहां के कार्यकर्ता अनुशासन और समर्पण के साथ काम करते हैं। उन्होंने कहा, 'संगठन हो तो रायसेन जैसा हो ', जहां हर कार्यकर्ता पूरी प्रतिबद्धता के साथ पार्टी और समाज के लिए काम कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को गरीबों, महिलाओं और युवाओं के लिए लाभकारी बताते हुए कहा कि इन योजनाओं से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। उन्होंने मध्यप्रदेश सरकार की लाड़ली बहना योजना को महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। केन्द्रीय मंत्री शिवराज ने कार्यकर्ताओं से कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भाजपा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। कार्यक्रम से पहले केंद्रीय मंत्री ने प्रशिक्षण वर्ग में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और कार्यकर्ताओं से संवाद भी किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने पूर्व कैबिनेट मंत्री रामपाल सिंह राजपूत, सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष राकेश सिंह जादौन, भोपाल संभाग प्रभारी तेज बहादुर सिंह, वरिष्ठ नेता राजेंद्र सिंह और जिला प्रभारी राजो मालवीय सहित अन्य अतिथियों का स्वागत किया। प्रशिक्षण महाअभियान के दौरान कार्यकर्ताओं के लिए विभिन्न विषयों पर विशेष सत्र भी आयोजित किए गए, जिनमें संगठन, विचारधारा और जनसंपर्क से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई।

डिजाइन क्षेत्र में युवाओं को बड़ा मंच मिलना चाहिए : अमित शाह

एजेंसी

गांधीनगर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गांधीनगर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन में नए 'इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, राज्य मंत्री हर्ष संघवी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि एनआईडी केवल एक संस्थान नहीं, बल्कि रचनात्मकता, नवाचार और उद्यमिता को जोड़ने वाला देश का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने कहा कि डिजाइन क्षेत्र में युवाओं की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें बेहतर व्यावसायिक मंच देना समय की बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि जैसे आईपीएल ने क्रिकेट खिलाड़ियों को बड़ा मंच दिया, उसी तरह डिजाइन क्षेत्र में भी युवाओं को आर्थिक और व्यावसायिक अवसर मिलने चाहिए। शाह ने सुझाव दिया कि एनआईडी में ऐसा विशेष विभाग शुरू किया जाए, जो डिजाइन तैयार करने के

साथ उसे बाजार तक पहुंचाने में भी मदद करे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि रचनात्मकता, नवाचार और डिजाइन के जरिए ही भारत वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डिजाइन इन इंडिया, डिजाइन फॉर द वर्ल्ड' विजन से भारत दुनिया का डिजाइन केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

नागपुर जाते समय गुवाहाटी में संघ कार्यालय में डॉ भागवत से मुख्यमंत्री डॉ सरमा ने की शिष्टाचार भेंट

एजेंसी

गुवाहाटी। होजाई से नागपुर के लिए निकलने से पहले, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत कुछ देर आराम करने के लिए गुवाहाटी के बराबारी में स्थित संघ के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र मुख्यालय सुदर्शनालय आए। उसी दौरान, राज्य के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने सुदर्शनालय में सरसंघचालक से शिष्टाचार मुलाकात की। सरसंघचालक डॉ भागवत आज, सुबह करीब 11 बजे होजाई में हुए संघ के 'कार्यकर्ता विकास वर्ग' (दूसरे साल का प्रशिक्षण शिविर) से सुदर्शनालय पहुंचे।

यहां लंच करने और थोड़ी देर आराम करने के बाद, वे दोपहर करीब 3 बजे नागपुर जाने के लिए लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के लिए निकल गए। इस बीच, मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा सुदर्शनालय में रुके सरसंघचालक से मिलने आए। उन्होंने एक-दूसरे का अभिवादन किया और करीब 14 मिनट तक बातचीत की। पता चला है कि बातचीत में कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं था। संघ के पदाधिकारियों या कार्यकर्ताओं या किसी और गतिविधि के साथ कोई

मीटिंग नहीं हुई। वैसे, संघ का बीस दिन का 'कार्यकर्ता विकास वर्ग' (दूसरे साल का प्रशिक्षण शिविर) 11 मई से होजाई के संस्कार मंदिर प्रोजेक्ट में शुरू हुआ है। वर्ग का समापन समारोह 01 जून को होगा। सरसंघचालक डॉ भागवत 13 मई की दोपहर को संघ के दूसरे वर्ष के प्रशिक्षण वर्ग में हिस्सा लेने के लिए गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे और सीधे होजाई चले गए। उन्होंने 14, 15 और 16 मई को हुए प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेने वाले 103 स्वयंसेवकों के बीच बौद्धिक दिया। प्रशिक्षण शिविर में पांच इलाकों - उत्तर असम, दक्षिण असम, त्रिपुरा, मणिपुर और अरुणाचल - के स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं। इनमें से 56 उत्तर असम से, 20 त्रिपुरा से, 13 मणिपुर से, आठ दक्षिण असम से और छह अरुणाचल से हैं।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीले तार लगाने के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू

एजेंसी

मालदा। पश्चिम बंगाल सरकार के निर्देश के बाद मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश की खुली सीमा पर कंटीले तार लगाने के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शनिवार को हबीबपुर ब्लॉक के भवानीपुर और आग्रा हरिश्चंद्रपुर इलाके में भूमि एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र में जमीन के दस्तावेजों की जांच कर मापने का काम शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि मालदा जिले के छह थाना क्षेत्रों में भारत-बांग्लादेश सीमा की कुल लंबाई लगभग 172 किलोमीटर है। इनमें से करीब 33 किलोमीटर सीमा अब भी खुली है। सबसे अधिक खुली सीमा हबीबपुर ब्लॉक में है, जहां 20 से 25 किलोमीटर क्षेत्र में अभी तक कंटीले तार नहीं लगाए गए हैं। जिले में सीमा सुरक्षा के लिए कंटीले तार लगाने हेतु लगभग 260 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, अब तक 10 एकड़ जमीन अधिग्रहण का काम पूरा हो चुका है। शुक्रवार को मालदा जिलाधिकारी कार्यालय में सीमा सुरक्षा बल और जिला प्रशासन के बीच इस मुद्दे पर एक आपात

बैठक भी हुई थी। उसी बैठक के बाद भूमि एवं भूमि सुधार विभाग ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी। सीमावर्ती किसानों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत किया है। किसानों का कहना है कि पूर्व में तृणमूल कांग्रेस सरकार के समय कई बार जमीन अधिग्रहण के नाम पर मापजोख की गई, लेकिन वास्तविक काम आगे नहीं बढ़ा। किसानों का आरोप है कि सीमा खुली रहने के कारण बांग्लादेशी अपराधियों द्वारा फसलों की लूटपाट की घटनाएं होती रही हैं। उनका मानना है कि कंटीले तार लगने के बाद ऐसी घटनाओं पर रोक लगेगी। हबीबपुर ब्लॉक के भूमि एवं भूमि सुधार अधिकारी स्वपन तरफदार ने कहा कि विभागीय कर्मचारी किसानों से जमीन से संबंधित दस्तावेज एकत्र कर रहे हैं और जमीन की मापजोक शुरू हो चुकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि निर्धारित समयसीमा के भीतर अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।इस मुद्दे पर जुएल मुर्मू ने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार के कार्यकाल में सीमा पर कंटीले तार लगाने में बाधाएं खड़ी की गई थीं। उन्होंने कहा कि वोटबैंक की राजनीति के कारण उस समय परियोजना को आगे नहीं बढ़ने दिया गया। उन्होंने दावा किया कि अब पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार आने के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जमीन अधिग्रहण का काम शुरू हुआ है।

ट्रक और कार की भिड़ंत में चार की मौत, एक घायल

एजेंसी

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मौदहा कोतवाली क्षेत्र के छिरका गांव के निकट हुई सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत से आम लोग खफा हो गये हैं। हादसा इतना वीभत्स था कि कार के परखच्चे उड़ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की गति करीब 90 से 100 किमी प्रति घंटा थी। टक्कर के बाद कार के एयरबैग भी खुल गए, लेकिन गति इतनी तेज थी कि वे भी सवारियों की जान नहीं बचा सके। हादसे की सूचना पाते ही परिजन मौके पर पहुंचे और अपनों के शव देख बिलख-बिलख कर रो पड़े। उधर हादसे में घायल एक महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उल्लेखनीय है कि कार (संख्या यूपी 78 जेटी 6352) में सवार सभी लोग कानपुर और लखनऊ के रहने वाले थे। मृतकों में कानपुर के नवाबगंज निवासी 55 वर्षीय नरेन्द्र कुमार, कानपुर निवासी 57 वर्षीय राजकपूर, सिग्नेचर सिटी चौराहा नवाबगंज की 54 वर्षीय मीना पत्नी रमेशचंद्र दुबे शामिल हैं। इसके अलावा, कार चला रहे लखनऊ निवासी 25 वर्षीय युवक आयुष चौहान की भी मौके पर ही मौत हो गई।

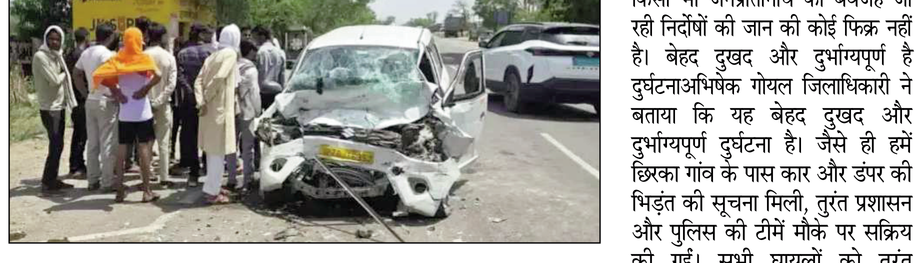

हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई 52 वर्षीय रेखा पत्नी नरेन्द्र कुमार को जिला अस्पताल से कानपुर भेजा गया है। इस दर्दनाक हादसे के बाद मौदहा और आसपास के क्षेत्रों में गहरा शोक छा गया है, वहीं स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा भी फूट पड़ा है। लोगों का कहना है कि बिना डिवाइडर वाले इस हाईवे पर आए दिन भीषण हादसे होते रहते हैं और इसे अब खूनी हाईवे कहा जाने लगा है। महज पंद्रह दिन पहले भी इसी सड़क पर एक ऐसा ही भयानक हादसा हुआ था। स्थानीय नागरिकों ने जनप्रतिनिधियों पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि बार-बार हो रहीं मौतों के बावजूद सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। साथ ही क्षेत्र में एक आधुनिक ट्रॉमा सेंटर न होने की वजह से भी गंभीर मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता है, जिससे मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी अभिषेक गोयल, पुलिस अधीक्षक मृगांक शेखर पाठक, एसडीएम करनवीर सिंह, कोतवाल संतोष कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

बताते चलें कि, एक पखवाडे पहले भी ऐसा ही भीषण सडक हादसा हुआ था और बिना डिवाईडर के इस खूनी हाईवे में होने वाले हादसे आम बात हैं लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि को बेवजह जा रही निर्दोषों की जान की कोई फिक्र नहीं है। बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है दुर्घटनाअभिषेक गोयल जिलाधिकारी ने बताया कि यह बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना है। जैसे ही हमें छिरका गांव के पास कार और डंपर की भिड़ंत की सूचना मिली, तुरंत प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर सक्रिय की गईं। सभी घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। एक महिला की हालत बेहद नाजुक होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए कानपुर रेफर किया गया है। मृतकों के परिजनों से संपर्क स्थापित कर लिया गया है। प्रशासन की प्राथमिकता घायल महिला को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा दिलाने और पीड़ित परिवारों की हर संभव मदद करने की है।

एएनटीएफ ने पंजाब के पटियाला से अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार किया

एजेंसी

जम्मू। जम्मू में एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) के अधिकारियों ने पंजाब राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में सिलसिलेवार छापेमारी के बाद पटियाला के घुमन नगर से एक कुख्यात अंतरराज्यीय मादक पदार्थों के आपूर्तिकर्ता को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान राजविंदर सिंह पुत्र करम सिंह निवासी मकान नंबर 201, गली नंबर 2, घुमन नगर, पटियाला के रूप में हुई है।

एंटीएफ जम्मू के डीएसपी रविंदर रकवाल, थाना एएनटीएफ जम्मू और एसएसपी एएनटीएफ जम्मू-कश्मीर अनवर उल हक के करीबी पर्यवेक्षण में इंस्पेक्टर अमनदीप सिंह और कांस्टेबल गजिंदर सिंह की नेतृत्व वाली एएनटीएफ की एक टीम ने पंजाब के इलाकों में छापेमारी की और पटियाला के घुमन नगर बाजार के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी गुरमीत सिंह का सहयोगी है

जिसे व्यावसायिक मात्रा में चरस के साथ गिरफ्तार किया गया था। वह कश्मीर घाटी से मुंबई तक नशीले पदार्थों की तस्करी/परिवहन के लिए पुरानी कारें खरीदता था और भारी अवैध कमाई करता था।

नक्सलवाद के खात्मे के बाद केन्द्रीय गृहमंत्री के पहले बस्तर प्रवास के स्वागत की तैयारियां जोरो पर

एजेंसी

जगदलपुर। बस्तर से नक्सलवाद के समूल खात्मे के बाद केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को पहली बार बस्तर पहुंच रहे हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आगमन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा स्वागत अभिनन्दन की जोरदार तैयारियां की जा रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के प्रस्तावित बस्तर प्रवास को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस तैयारी का नेतानार स्थित सीआरपीएफ कैंप परिसर में नव संचालित शहीद गुंडाधुर सेवा डेरा का वन मंत्री केदार कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव तथा सांसद महेश कश्यप ने संयुक्त रूप से आज रविवार को निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों ने नेतानार स्थित शहीद गुंडाधुर प्रतिमा स्थल एवं बेस कैंप परिसर में संचालित सेवा सेतु केंद्र का अवलोकन किया। इस सेवा डेरा के माध्यम से ग्रामीणों और महिलाओं को विभिन्न सेवाएं एवं आजीविका गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने आधार सेवा केंद्र, बैंक सखी केंद्र, सिलाई प्रशिक्षण केंद्र, इमली प्रोसेसिंग यूनिट तथा राइस डेकी प्रोसेसिंग यूनिट का निरीक्षण कर वहां संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने

तथा स्थानीय हितग्राहियों को अधिकाधिक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीसीएफ स्टायलो मंडावी, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, डीएफओ उत्तम गुप्ता, जनपद पंचायत सीईओ श्री भाटिया सहित क्षेत्र के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भाजपा जिला कार्यालय में गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर आगमन पर संगठन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए जगदलपुर पंहुचते ही नेतानार स्थित शहीद गुण्डाधुर सेवा डेरा पहुंचकर विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद बस्तर संभाग के भाजपा पदाधिकारियों की बीती रात लंबी बैठक ली। इस बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव व कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप एवं बस्तर सांसद महेश कश्यप विशेष रूप से उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर सहित समूचे देश से नक्सलवाद को समाप्त कर दिया गया है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सली आतंक को 31 मार्च 2026 तक खत्म करने का दृढ़ संकल्प लिया था, जो पूरा हुआ है। आज बस्तर की आबोहवा में शांति है। अब बस्तर को विकास की दौड़ में अग्रणी बनाने का लक्ष्य है। बस्तर का विकास लघु वनोपज के माध्यम से ही किया जायेगा। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के समूल खात्मे के बाद गृहमंत्री शाह पहली बार बस्तर पहुंच रहे हैं। उनके स्वागत अभिनन्दन की जो रुपरेखा संगठन ने तैयार की है, उसमें सभी कार्यकर्ता जोश-खरोश से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह दो दिन 18 एवं 19 मई को बस्तर प्रवास में विभिन्न कार्यक्रमों में शमिल होंगे। चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ मध्य क्षेत्र की अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता गृहमंत्री अमित शाह बस्तर में करेंगे। नक्सल उन्मूलन के उपरान्त अब हमारे बस्तर को बेहतर बनाने के ठोस प्रयास आरंभ हो रहे हैं।

हर नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना सत्ता में बैठे लोगों का फर्ज : मौलाना अरशद मदनी

एजेंसी

नई दिल्ली। नफरत की राजनीति की जगह अब धमकी और डर की राजनीति ने ले ली है। इसका उद्देश्य केवल मुसलमानों को डराकर यह एहसास दिलाना है कि अब उन्हें इस देश में शर्तों के साथ जीवन बिताना होगा और जो ऐसा नहीं करेगा उसकी जगह जेल में होगी। इस प्रकार की नई राजनीति कानून और संविधान की सर्वोच्चता पर गंभीर यह बातें जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने जमीअत की कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक के समापन के अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहीं है।

मौलाना ने कहा कि सत्ता प्राप्त करने के लिए कुछ लोग देश के अमन, एकता और भाईचारे के साथ खतरनाक खिलवाड़ कर रहे हैं। राजनीति की इस नई शैली ने पूरे देश में नफरत और धार्मिक उन्माद की नई लहर पैदा कर दी है। हालात इतने विस्फोटक हो चुके हैं कि हर तरफ ज़हर उगला जा रहा है, मुसलमानों को अपमानित किया जा रहा है और कानून के रखवाले मूकदर्शक बने हुए हैं। मौलाना मदनी ने आगे कहा

कि हाल ही में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए। इसमें खास तौर पर पश्चिम बंगाल और असम में खुलेआम चुनाव आचार संहिता की धज्जियां उड़ाई गईं। मुसलमानों को सार्वजनिक रूप से धमकियां दी गईं। चुनाव जीतने के बाद भी धमकियों का यह सिलसिला जारी है। उन्होंने कहा कि किसी नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री का यह कहना कि मुसलमानों ने हमें वोट नहीं दिया, इसलिए हम उनका काम नहीं करेंगे, संविधान और लोकतंत्र दोनों का मजाक उड़ाने जैसा है। उन्होंने कहा कि संविधान हर नागरिक को समान अधिकार देता है और लोकतंत्र हर नागरिक को अपनी पसंद का नेता चुनने का अधिकार देता है। यदि कोई नागरिक किसी दल या नेता को वोट नहीं देता, तो यह कोई अपराध नहीं है, लेकिन आज की राजनीति में इसे भी अपराध बना दिया गया है। मौलाना ने कहा कि शासकों ने डर और भय की राजनीति को अपना तरीका बना लिया है, जबकि सरकारें डर से नहीं, बल्कि न्याय और इंसाफ से चलती हैं। उन्होंने कहा कि हर मुख्यमंत्री ईश्वर को साक्षी मानकर यह शपथ लेता है कि वह संविधान और कानून के अनुसार बिना किसी भय, पक्षपात, प्रेम या शत्रुता के सभी वर्गों के साथ न्याय करेगा। इस शपथ के बिना कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन सकता और न ही उस पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार रखता है। मौलाना मदनी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश को योजनाबद्ध तरीके से एक वैचारिक राष्ट्र में बदलने की कोशिश की जा रही है। संवैधानिक संस्थाओं की निष्क्रियता के कारण यह प्रयास सफल भी होता जा रहा है। कई राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू की जा चुकी है और अब असम में भी इसे लागू करने की तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा कि एक अधिसूचना के माध्यम से वंदे मातरम् गीत को राष्ट्रीय गीत घोषित किया गया है और भाजपा शासित राज्यों में इसे अनिवार्य भी किया जा रहा है।

छग के दंतेवाड़ा में डीजल नहीं मिलने से लौह अयस्क से भरे करीब 1600 ट्रकों के पहिए थमे

एजेंसी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिला स्थित देश की प्रमुख लौह अयस्क परियोजना एनएमडीसी बैलाडीला में डीजल की किल्लत से परिवहन व्यवस्था लगभग ठप पड़ गई है। किरंदुल और बचेली क्षेत्र में लगभग 1600 ट्रक पिछले दो दिनों से डीजल के अभाव में खड़े हैं। इससे लौह अयस्क की ढुलाई पूरी तरह प्रभावित हो गई है। स्थानीय प्रशासन ने भी डीजल की कमी को स्वीकारा है, लेकिन आज शाम तक व्यवस्था के सुचारु होने का दावा किया है। दंतेवाड़ा की किरंदुल और बचेली खदानों में ट्रकों में लौह अयस्क की लोडिंग तो हो रही है, लेकिन डीजल नहीं मिलने के कारण वाहन रवाना नहीं हो पा रहे हैं। देश की नवरत्न कंपनियों में से एक एनएमडीसी की दंतेवाड़ा के किरंदुल, बैलाडिला स्थित लौह अयस्क खदान देश की सबसे बड़ी खदानों में गिनी जाती हैं। यहां से प्रति दिन लाखों टन लौह अयस्क का परिवहन सैकड़ों ट्रकों के माध्यम से रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़ और विशाखापट्टनम के लिए जाते हैं, लेकिन अब इन वाहनों की ट्रांसपोर्ट नगरों के साथ-साथ सड़क के दोनों ओर लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं। इसका कारण वाहनों में डीजल नही होना बताया जा रहा है। दंतेवाड़ा जिले के 19 पेट्रोल पंपों में से केवल कुछ पर ही सीमित मात्रा में डीजल उपलब्ध है, जिनके द्वारा सीमित मात्रा में ही पेट्रोल-डीजल उपलब्ध करवाया जा रहा है। ईंधन भरवाने के लिए ट्रकों, ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं। घंटों इंतजार के बाद भी कई बार खाली लौटना पड़ रहा है। डीजल की किल्लत की वजह से पिछले 2 दिनों से लौह अयस्कों की ढुलाई बंद हो चुकी है। इसके चलते बैलाडिला ट्रक यूनियन और बस्तर परिवहन संघ के सैकड़ों से अधिक ट्रकों के पहिये थमने की कगार पर पहुंच चुके हैं। हालत यह है कि रायपुर ट्रक यूनियन की भी सैकड़ों ट्रकें डीजल की किल्लत की वजह से ट्रांसपोर्ट नगरों में खड़े हैं। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि अगर जल्द डीजल आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो एनएमडीसी और बैलाडीला ट्रक ऑनर्स परिवहन संघ को करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ सकता है। एक ट्रांसपोर्टर ने बताया कि दो दिनों से ट्रक खड़े हैं। डीजल नहीं मिलने से पूरा परिवहन प्रभावित है। हालात जल्द नहीं सुधरे तो बड़ा नुकसान तय है। डीजल संकट से सिर्फ उद्योग ही नहीं, खेती भी प्रभावित हो रही है। किसान ट्रैक्टर लेकर पंपों के चक्कर काट रहे हैं। खरीफ सीजन में डीजल नहीं मिलने से जुताई-बुआई का काम रुक गया है। किसानों का कहना है कि घंटों लाइन में लगने के बाद भी पर्याप्त डीजल नहीं मिल पा रहा।

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी रॉयल्स

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स टीम मंगलवार को यहां होने वाले आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी बनाये रखने उतरेगी। रायल्स ने अब तक इस सत्र में 6 मैच जीते हैं और उसके 12 अंक हैं, ऐसे में प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखने के लिए उसे ये मैच हर हाल में जीतना होगा। वहीं दूसरी ओर सुपरजायंट्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसके ऊपर कोई दबाव नहीं है और वह इस मैच में निडर होकर खेलते हुए रॉयल्स का खेल बिगाड़ने का प्रयास करेगी। उसके चार मैचों में केवल 8 अंक हैं और वह अंतिम स्थान पर है। रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स टीम पिछले मैच की गलतियों को इस मैच में नहीं दोहराना चाहेगी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में टीम की फील्डिंग बेहद खराब रही थी ओर उसने कई कैच छोड़े थे। इसी कारण उसे मैच में हार का सामना करना पड़ा था। सुपरजायंटस ने अपने पिछले तीन मैचों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) तक को हराया है। ऐसे में इस मैच में रॉयल्स को सतर्क रहना है।

वहीं अगर आंकड़ों की बात करें तो दोनो के बीच अब तक 7 मैच हुए हैं। जिसमें से राजस्थान रॉयल्स ने 5 जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2 जीते हैं। ऐसे में मुकाबला तकरीबन बराबरी का रहा है। जयपुर के मैदान में बल्लेबाजों को सहायता मिलती है ऐसे में यहां बड़ा स्कोर बनना तय है। अब तक यहां हुए मैच में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 200 से अधिक रन बनाये हैं। राजस्थान की बल्लेबाजी यशस्वी जायसवाल के अलावा वैभव सूर्यवंशी पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जोफ्रा आर्चर, रवींद्र जडेजा संभालेंगे। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाइंट्स की बल्लेबाज मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, के अलावा कप्तान ऋषभ पंत पर अधारित रहेगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी प्रिंस यादव, के अलावा मोहम्मदश शमी के पास रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। इस मैच में रॉयल्स पर जीत के लिए दबाव रहेगा जिसका लाभ भी सुपरजायंट्स उठाना चाहेगी।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, दासुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, यशराज पुंजा

इम्पैक्ट प्लेयर- शुभम दुबे

लखनऊ सुपर जाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, एडेन मार्कराम, मुकुल चौधरी, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, मोहम्मद शमी, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, प्रिंस यादव

इम्पैक्ट प्लेयर- जोश इंगलिस

द्रविड़ का करियर बचाने उन्हें विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी थी : गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि साल 2003 एकदिवसीय विश्वकप से पहले राहुल द्रविड़ को टीम में रखने पर सवाल उठने लगे थे पर उस समय उन्होंने चयनकर्ताओं के खिलाफ जाकर उन्हें टीम में बनाये रखा था। इसके लिए उन्हें टीम का ढांचा तक बदलना पड़ा था। इसी के तहत ही द्रविड़ को विकेटकीपर की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गयी। गांगुली के अनुसार, 2000 के दशक की शुरुआत में, विशेष रूप से 2003 विश्व कप से पहले द्रविड़ की एकदिवसीय टीम में जगह को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे थे। चयनकर्ता और विशेषज्ञ उनके स्ट्राइक रेट से संतुष्ट नहीं थे। ऐसे में कहा जा रहा था कि द्रविड की जगह किसी और खिलाड़ी को मौका दिया जाना चाहिए पर मैंने उन्हें नहीं छोड़ा, क्योंकि अगर मैंने उन्हें छोड़ दिया होता, तो उनका करियर समाप्त हो सकता था।

इस हालात में गांगुली ने एक साहसिक फैसला लेकर न केवल द्रविड़ का करियर बचाया बल्कि भारतीय टीम को एक नई दिशा भी दी। उस समय टीम को एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज की सख्त जरूरत थी जो मध्य क्रम में बल्लेबाजी कर सके। गांगुली ने इस समस्या को समझाते हुए कहा कि द्रविड़ को विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी। तब के समय में श्रीलंका के पास कुमार संगकारा, दक्षिण अफ्रीका के पास मार्क बाउचर और ऑस्ट्रेलिया के पास एडम गिलक्रिस्ट जैसे बेहतरीन विकेटकीपर-बल्लेबाज थे, जबकि भारत की बल्लेबाजी छठे नंबर पर समाप्त हो जाती थी। इस कमी को पूरा करने के लिए, गांगुली ने द्रविड़ को मध्य क्रम में बल्लेबाजी के साथ-साथ विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी सौंपी। यह फैसला भारतीय क्रिकेट के लिए सफल रहा। इस कदम से न केवल टीम को मजबूती मिली और बल्लेबाजी का क्रम निचले पायदान तक बढ़ गया, जिससे सातवें नंबर पर मोहम्मद कैफ जैसे बल्लेबाज को मौका देना संभव हो सका। गांगुली ने यह भी बताया कि उस समय भारतीय टीम में ऑलराउंडरों की भी कमी थी। उन्होंने कहा, हमारे पास उस तरह का ऑलराउंडर नहीं था। इसलिए वीरेन्द्र सहवाग से लेकर सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह के अलावा मैंने भी गेंदबाजी की। यह दर्शाता है कि उस दौर में टीम को संतुलन प्रदान करने के लिए कितने प्रकार के प्रयासों की जरुरत थी। द्रविड़ ने कई सालों तक इस दोहरी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया और अपनी शानदार बल्लेबाजी और भरोसेमंद विकेटकीपिंग से टीम के लिए अमूल्य योगदान दिया।

वरुण को चोटिल होने के बाद भी गेंदबाजी कराना केकेआर को पड़ सकता है भारी

–बीसीसीआई लेगा एक्शन

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच में स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के चोटिल होने के बाद भी उनसे 4 ओवर फिंकवाये। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) केकेआर पर कार्रवाई कर सकता है। केकेआर पर आरोप है कि उसने स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को पैर में हेयरलाइन फ्रैक्चर होने के बावजूद उस मैच में उतारा। बीसीसीआई इसे गंभीरता से ले रहा है। इसका कारण है कि वरुण भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के प्रमुख गेंदबाज हैं। वह बीसीसीआई की सेन्ट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट के अहम खिलाड़ी हैं। आईपीएल में चोट के बावजूद उनके इस्तेमाल से उनकी फिटनेस का संकट गहरा सकता है जिससे इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी उपलब्धता साफ तौर पर प्रभावित होगी।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'मुझे पता है कि केकेआर के फीजियो टीम इंडिया के फीजियो के संपर्क में हैं। एक पिछले मैच में केकेआर की तरफ से बीसीसीआई को बताया गया था कि बाउंड्री पर फील्डिंग करते वक्त वरुण के बाएं पैर में चोट लगी है। समझा जा रहा कि उन्हें हेयरलाइन फ्रैक्चर हुआ है। मुझे लगता है कि बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी फिटनेस सबसे महत्वपूर्ण है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम इस मामले में दखल दे सकती है।

सूर्यकुमार को लेकर फैसला करेगा बीसीसीआई, गंभीर की सलाह रहेगी अहम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है जिससे उनकी कप्तानी खतरे में पड़ गया है। ऐसे में अनुमान है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शीघ्र ही उनके मामले में कोई फैसला ले सकता है। हाल ही में सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप जीता था पर माना जा रहा है कि बोर्ड अब भविष्य को देखते हुए नये कप्तान पर विचार कर सकता है। ऐसे में बोर्ड की बैठक में चयन समिति और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया सूर्यकुमार के भविष्य पर अनौपचारिक रुप से बात कर सकते हैं। इस दौरान भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की सलाह काफी अहम मानी जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर की सलाह से ही तय होगा कि सूर्यकुमार को कप्तान बनाये रखा जाये या किसी और को अवसर दिया जाये।

यदि सूर्यकुमार यादव को कप्तानी से हटाया जाता है, तो एक बल्लेबाज के तौर पर भी उनकी राष्ट्रीय टीम में जगह खतरे में पड़ सकती है। ऐसे में एक विकल्प यह भी सुझाया जा रहा है कि उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में कप्तान के तौर पर ही अवसर दिया जाये। इन सीरीज में उनके बल्लेबाजी प्रदर्शन के आधार पर ही उनके भविष्य पर कोई अंतिम फैसला लिया जा सकता है।

सूर्यकुमार के प्रदर्शन में निरंतरत की कमी है। पिछले साल उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वह 21 मैचों में केवल 218 रन ही बना पाये। इस दौरान वह पूरे साल एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए। उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 का रहा है। साल 2026 में उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब जीता पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। आईपीएल 2026 में भी वह रन नहीं बना पा रहे हैं। उन्होंने अब तक 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 4 अर्धशतकों के साथ 484 रन बनाए हैं, औसत 44 और स्ट्राइक रेट 161.33 रहा है।

उनकी कप्तानी का रिकॉर्ड हालांकि प्रभावशाली है। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें से 40 में जीत हासिल की है, जबकि 8 में हार का सामना करना पड़ा और 2 मैच टाई रहे है।

लखनऊ के खिलाफ मैच से पहले पंजाब किंग्स को बड़ी राहत, अर्शदीप सिंह पूरी तरह फिट हुए

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स ने सोमवार को अपने मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की फिटनेस को लेकर एक मजबूत स्पष्टीकरण जारी किया। टीम ने जोर देकर कहा कि यह बाएं हाथ का तेज गेंदबाज पूरी तरह से फिट है और IPL 2026 के एक अहम दौर से पहले टीम के साथ जोरदार ट्रेनिंग कर रहा है। हाल की उन रिपोर्टों के विपरीत जिनमें अर्शदीप की उपलब्धता को लेकर चिंता जताई गई थी, फ्रेंचाइजी ने पुष्टि की कि अर्शदीप (जो इस सीजन में 13 मैचों में 14 विकेट लेकर टीम के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं) उनकी योजनाओं का एक अहम हिस्सा बने हुए हैं। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को अपने बयान में कहा, 'रिपोर्ट्स के उलट हम यह कन्फर्म करना चाहेंगे कि हमारे लीडिंग फास्ट बॉलर और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी अर्शदीप सिंह पूरी तरह से फिट हैं और टीम के साथ एक्टिवली ट्रेनिंग कर रहे हैं। टीम मैनेजमेंट उनकी प्रोग्रेस से पूरी तरह खुश है और जैसे ही हम टूर्नामेंट के एक अहम मुकाबले की ओर बढ़ रहे हैं, वह खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। नेट्स में उनकी एनर्जी, रिदम और कमिटमेंट बहुत ही उत्साहजनक रही है और हमें पूरा भरोसा है कि वह आगे भी पंजाब किंग्स के लिए एक अहम भूमिका निभाते रहेंगे।' लगातार दो पुरुष टी20 वर्ल्ड कप जीत के साथ कामयाबी की ऊंचाइयों को छूने के ठीक दो महीने बाद अर्शदीप अपने बेस्ट फॉर्म में नहीं रहे हैं और उनका असामान्य रूप से महंगा साबित होना PBKS के फॉर्म में अचानक आई गिरावट की एक वजह रहा है। इसने उस मोमेंटम को खत्म कर दिया है जो उन्होंने टूर्नामेंट के बीच में बनाया था। PBKS की बात करें तो पिछले तीन हफ्तों में उनका कैंपेन तेजी से नीचे गिरा है और धर्मशाला में डिफेंडिंग चैंपियंस रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों 23 रन की हार के साथ उनकी प्लेऑफ की उम्मीदों को एक और झटका लगा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सिर्फ एक मैच बाकी होने के साथ ज्यादा से ज्यादा 15 पॉइंट्स के साथ अपना अभियान खत्म कर सकती है। लेकिन दस टीमों वाले इस टूर्नामेंट के आखिरी चार स्टेज में पहुंचने के लिए वे अभी भी दूसरे मैचों के नतीजों पर निर्भर हैं।

जडेजा की अनुपस्थिति को लेकर कोच और कप्तान के बचानों से संशय गहराया

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स के लिए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविवार को यहां हुए मुकाबले में जस्थान रॉयल्स के प्रमुख ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा उपलब्ध नहीं थे। जिसको लेकर कोच और कप्तान के अलग–अलग बयान आये हैं जिससे लगता है कि रॉयल्स में सब कुछ ठीक नहीं है। टॉस के समय राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर रहे रियान पराग ने रविंद्र जडेजा की गैरमौजूदगी के पीछे वर्कलोड मैनेजमेंट को वजह बताया था। पराग ने कहा, जडेजा अपने वर्कलोड मैनेजमेंट और उस सब की वजह से इस मैच का हिस्सा नहीं बन पाए हैं। जडेजा की जगह इस मैच में रवि सिंह को आईपीएल डेब्यू करने का मौका मिला, जिससे यह लगा कि टीम एक स्थापित खिलाड़ी को आराम देकर युवा प्रतिभा को आज़मा रही है। हालांकि, मैच में हार के बाद बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने जडेजा के बाहर होने का कारण घुटने में थोड़ी तकलीफ बताया। उन्होंने कहा, उसके घुटने में बस थोड़ी सी तकलीफ थी। वे बस उसे मैनेज करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें लगा कि अगर हम उसे एक और गेम ब्रेक दें, तो यह उसके लिए अच्छा होगा। इसी वजह से उसे आज आराम दिया गया। कप्तान और कोच के इन विरोधाभासी बयानों से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि जडेजा की गैरमौजूदगी का असली कारण क्या था वर्कलोड मैनेजमेंट या चोट।

वैभव को टी20 टीम में शामिल करें : रवि शास्त्री

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने उभरत हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। शास्त्री ने कहा है कि वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार है। ऐसे में उसे भारतीय टी20 टीम में जगह दी जानी चाहिये। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में लगातार दूसरे साल वैभव ने अपनी बल्लेबाजी से धूम मचाई हुई है। ऐसे में शास्त्री ने चयनकर्ताओं से अपील की है कि उन्हें शीघ्र ही टीम में जगह दी जानी चाहिये। साथ ही सुझाव दिया कि जून में भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे के लिए भी वैभव को शामिल करना सबसे अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा, उन्हें टी20 में मौका देना सही होगा क्योंकि अगर आप किसी युवा खिलाड़ी को जल्दी टीम में शामिल करना चाहते हैं, तो यह प्रारुप सबसे उपयुक्त है। शास्त्री ने वैभव की प्रतिभा को सराहते हुए कहा, वह किसी भी लिहाज से कम नहीं है। यह खिलाड़ी इस समय दुनिया की कई टीमों में खेल सकता है। जब आप उसकी युवा ऊर्जा देखते हैं, तो वह उसके चेहरे पर साफ नजर आती है। 15 साल के इस बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ने पिछले कुछ महीनों में असाधारण प्रदर्शन किया है। इसी साल की शुरुआत में, उन्होंने आईसीसी अंडर–19 क्रिकेट विश्व कप में टीम की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके बाद आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से भी उनका आतिशी बल्लेबाजी जारी रही। इस सत्र में वैभव ने केवल 11 पारियों में 236.56 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से कुल 440 रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी की सबसे बड़ी खासियत सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बनाया गया उनका 36 गेंदों में तेज शतक रहा। इस सत्र में उन्होंने सबसे ज्यादा 40 छक्के लगाकर भी अपने को साबित किया है। शास्त्री ने कहा कि जून में भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे के लिए वैभव को शामिल किया जाना चाहिये। उन्होंने कम उम्र के सवाल को खारिज करते हुए कहा कि हमें केवल उसका खेल देखन चाहिये। उन्होंने कहा, तो मुझे लगता है कि वह पूरी तरह से दावेदार है। और जब आयरलैंड जैसे दौरे हो रहे हैं, तो मैं उसे तुरंत खेलते देखना चाहूंगा।

चहल से रिश्ता दोस्ती से बढ़कर कुछ और नहीं : आरजे महवश

मुम्बई (एजेंसी)। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से रिश्ते की अटकलों पर आरजे महवश ने विराम लगा दिया है। इससे पहले कहा जा रहा था कि वह चहल के साथ रिलेशनशिप में हैं। गौरतलब हैं कि चहल के उनकी पूर्व पत्नी धनश्री वर्मा से तलाक के बाद से ही महवश का नाम लगातार सुर्खियों में बना हुआ था। दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दोनों का साथ दिखना हो या आईपीएल मैचों में महवश का चहल को स्टैंड्स से चीयर करना, सोशल मीडिया पर हमेशा इस बात पर बहस छिड़ी रहती थी कि उनका रिश्ता दोस्ती से बढ़कर है या नहीं। हाल ही में दोनों के एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो करने की खबर ने इस चर्चा को और भी हवा दे दी थी। अब, आरजे महवश ने इन सभी अटकलों पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए पूरी स्थिति स्पष्ट की है।

महवश ने बताया, लोग छोटी-छोटी चीजों को बहुत बड़ी बना देते हैं। जब आप उस स्थिति से गुजरते हैं, तो वह उतनी बड़ी बात होती नहीं है। हम दोनों के बीच कुछ नहीं हुआ है यार। दो दोस्तों के बीच बस एक बहस हुई, एक-दूसरे को फॉलो-अनफॉलो किया और बात वहीं खत्म हो गई। उन्होंने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि जिन दोस्तों के साथ आपने सबसे बुरे जोक्स पर भी हंसा हो या सबसे गंदी बातों पर चर्चा की हो, उनके लिए दिल में कोई मतभेद नहीं रखना चाहिए।

चहल के प्रति अपनी भावनाओं को लेकर महवश ने साफ किया कि वह हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहेंगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आप किसी से नफरत तब रख सकते हैं जब वो इंसान अस्पताल में हो और आप उससे मुंह फेर पाएं। वरना कोई फायदा नहीं है। ज़िंदिगी बहुत छोटी है। लोग जैसे हैं उन्हें वैसे स्वीकार करें और ज़िंदिगी में आगे बढ़ें। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी बहसबाजी एक आम दोस्तों की लड़ाई का नतीजा थी और इसमें कोई बड़ी बात नहीं थी।

जब उनसे सीधा पूछा गया कि क्या उनका रिश्ता कभी दोस्ती से ज्यादा था, तो आरजे महवश ने इसे पूरी तरह से नकार दिया। उन्होंने कहा, नहीं। मैं दोस्ती बहुत अच्छे से निभाती हूं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण बात का खुलासा किया कि उस समय युजवेंद्र चहल को एक दोस्त की बहुत जरूरत थी। महवश ने बताया कि चहल ने अपने एक पॉडकास्ट में सुसाइडल थॉट्स के बारे में बात की थी, और उस कठिन समय में वे सभी दोस्त मिलकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे थे कि उनका आईपीएल का वह सीजन अच्छे से निकल जाए।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और एकदिवसीय टीम आज घोषित करेगा बीसीसीआई

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के साथ ही एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम घोषित करेगा। ¬भारतीय टीम अफगानिस्तान से ये मुकाबले जून में खेलेगी। एकमात्र टेस्ट के बाद 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में कुछ युवाओं को अवसर मिल सकता है।

भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। इसमें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवओं को भ अवसर मिल सकता है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से उपकप्तानी छीनी जा सकती है। उनकी जगह पर यशस्वी जायसवाल को उपकप्तानी सौंपी जा सकती है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। उनकी जगह पर आकिब नबी डार को अवसर मिल सकता है। संभावित टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, साई सुदर्शन, कुलदीप यादव, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप और आकिब नबी डार।

एकदिवसीय सीरीज के लिए संभावित टीम की करें तो 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देकर युवा प्रिंस यादव को अवसर मिल सकता है। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में प्रिंस का प्रदर्शन अच्छा रहा है। यशस्वी जायसवाल की जगह पर ईशान किशन को अवसर मिल सकता है। ऋषभ को शायद ही जगह मिले। उनकी जगह ईशान विकेटकीपर के साथ ही आक्रामक बल्लेबाज की जिम्मेदारी निभा सकते हैं।

एकदिवसीय सीरीज के लिए संभावित टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रविंद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा और प्रिंस यादव।

लिएंडर पेस की मां ओलंपियन जेनिफर पेस का निधन, कैंसर से थीं पीड़ित

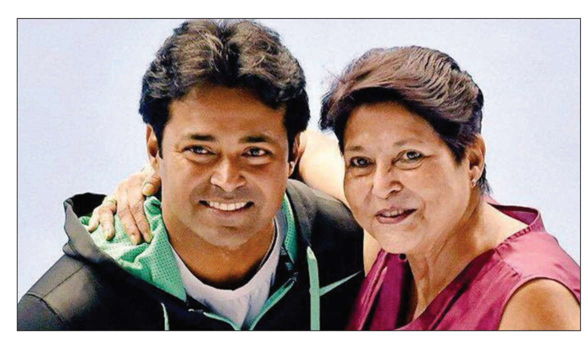

नई दिल्ली। भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम की पूर्व कप्तान और ओलंपियन जेनिफर पेस का रविवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। जेनिफर 72 वर्ष की थीं और वह भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस की मां थीं। परिवार के एक सूत्र ने बताया, 'वह कैंसर से गंभीर रूप से पीड़ित थीं और उन्होंने रविवार को अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार आज कोलकाता के सेंट थॉमस चर्च में हुआ।' उनका जन्म का नाम जेनिफर डटन था और वह प्रसिद्ध बंगाली कवि और नाटककार माइकल मधुसूदन दत्त की वंशज थीं। उन्होंने वर्ष 1972 के म्यूनिख ओलंपिक 1972 में भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व किया और बाद में टीम की कप्तान भी बनीं। भारतीय महिला बास्केटबॉल में उन्हें प्रमुख हस्तियों में गिना जाता है। जेनिफर पेस एक प्रतिष्ठित खेल परिवार से जुड़ी थीं। उनके पति डॉ. वेसे पेस भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा थे, जिसने 1972 म्यूनिख ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल किया था। उनका निधन अगस्त 2025 में हुआ था। उनके बेटे लिएंडर पेस ने भारतीय टेनिस को वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने 1996 के अटलांटा ओलंपिक में पुरुष एकल वर्ग में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। लिएंडर ने अपने करियर में 18 ग्रैंड स्लैम खिताब भी अपने नाम किए।

ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में शामिल हैं बेकहम

लंदन। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम खेल के साथ ही कमाई के मामले में भी अव्वल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बेकहम अब ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में आ गये हैं उनकी संपत्ति एक अरब पाउंड से ऊपर निकल गयी है। बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया की कुल संपत्ति 1.185 अरब पाउंड तक पहुंच गई है। इससे वह संपत्ति के मामले में शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। बेकहम को कई जगह से आय होती है। वह अभी अमेरिकन क्लब इंटर मियामी के सह–मालिक हैं, जिसे मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) की सबसे कीमती फ्रेंचाइजी माना जाता है। इस क्लब की अनुमानित कीमत 1.45 अरब डॉलर (लगभग 1.07 अरब पाउंड) है, जो खेल प्रबंधन में बेकहम की दूरदर्शिता और निवेश की सफलता को दर्शाता है। बेकहम एडिडास और ह्यूगो बॉस जैसी वैश्विक कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी भारी कमाई करते हैं। उनकी पत्नी विक्टोरिया बेकहम की दौलत मुख्य रूप से उनके सफल फैशन लेबल से आती है। स्पाइस गर्ल्स की सदस्य के रूप में अपनी शुरुआती प्रसिद्धि के बाद, विक्टोरिया ने एक सफल उद्यमी और फैशन डिजाइनर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। वहीं पूर्व फॉर्मूला 1 बॉस बर्नी एक्लेस्टोन को परिवार संपत्ति के मामले में पहले नंबर पर बना हुआ है। उनके परिवार की संपत्ति 2 अरब पाउंड आंकी गई है। एक्लेस्टोन परिवार की संपत्ति खेल प्रबंधन और व्यवसाय से जुड़ी है, जबकि बेकहम ने पहले खिलाड़ी और उसके बाद कारोबारी के तौर पर काम किया है। वहीं बेकहम के अलावा उत्तरी आयरलैंड के गोल्फर रोरी मैक्लरॉय भी 325 मिलियन पाउंड की संपत्ति के साथ शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं। लगातार दो मास्टर्स चैंपियनशिप जीतने के बाद हासिल हुई सफलता और वैश्विक ब्रांड अपील से उनकी आय बढ़ी है। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड के सह–मालिक सर जिम रैटक्लिफ भी सबसे धनी खिलाड़ियों में शामिल हैं।

CSK vs SRH एक वर्चुअल नॉकआउट मैच हो सकता है : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL 2026 अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच गया है, जहां बाकी बचे तीन प्लेऑफ स्पॉट तय होने हैं। ऐसे में भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होने वाले मुकाबले को एक 'वर्चुअल नॉकआउट मैच' बताया है। उनका मानना है कि यह मैच प्लेऑफ में जगह बनाने के लिहाज से बहुत अहम साबित हो सकता है।

मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने टॉप-4 में अपनी जगह पक्की कर ली है। ऐसे में अगर SRH सोमवार को एमचिदंबरम स्टेडियम में होने वाला मैच जीत जाती है तो प्लेऑफ में उसकी जगह भी पक्की हो जाएगी। अगर ऐसा होता है तो गुजरात टाइटंस की जगह भी प्लेऑफ में पक्की हो जाएगी और फिर सिर्फ एक ही स्पॉट खाली बचेगा।

चोपड़ा ने जियोस्टार पर कहा, 'यह CSK का इस सीजन का आखिरी घरेलू मैच है। पॉइंट्स टेबल की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह मैच दोनों ही टीमों के लिए, खासकर घरेलू टीम के लिए जीतना बेहद जरूरी है। उन्हें खिलाड़ियों की चोटों से जुड़ी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है, लेकिन इसके बावजूद अंशुल कंबोज, उर्विल पटेल और दोनों स्पिनरों जैसे खिलाड़ियों ने टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। अगर उन्हें SRH के बड़े-बड़े हिटर्स को रोकना है, तो इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन एक बार फिर अहम साबित होगा।'

उन्होंने कहा, 'SRH अपनी पिछली हार से जरूर निराश होगी। लेकिन, उनके पास अभी भी 18 पॉइंट्स तक पहुंचने का मौका है, इसलिए वे आखिरी मैच तक इंतजार नहीं करना चाहेंगे। मेरी राय में यह मैच दोनों ही टीमों के लिए एक वर्चुअल नॉकआउट मैच जैसा हो सकता है। जो भी टीम यह मैच जीतेगी, वह प्लेऑफ में जगह बनाने के और भी करीब पहुंच जाएगी। इस मैच में बहुत कुछ दांव पर लगा है और चेपॉक स्टेडियम में दर्शकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिलेगा, इसलिए क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह एक शानदार मुकाबला होने वाला है।'

करुप्पु के लिए तृषा और सूर्या ने कितनी फीस चार्ज की

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित फिल्म 'करुप्पु' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जानिए कि 'करुप्पु' के लिए तृषा कृष्णन, सूर्या और बाकी पांच अभिनेताओं ने कितनी फीस ली है।

तृषा कृष्णन

'थग लाइफ' में आखिरी बार नजर आई तृषा कृष्णन की फिल्म 'करुप्पु' रिलीज हो गई है। आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित इस एक्शन ड्रामा फिल्म में तृषा एक वकील की भूमिका में हैं। सूर्या के साथ मुख्य भूमिका निभा रहीं तृषा ने इस फिल्म में अपने रोल के लिए 5 करोड़ रुपये फीस ली है।

सूर्या

फिल्म में सूर्या डबल रोल निभा रहे हैं। इस फिल्म में सबसे ज्यादा फीस फिल्म के मुख्य अभिनाता सूर्या ने ली है। इस एक्शन फिल्म में सूर्या- सरवनन और करप्पुस्वामी की भूमिका निभाते नजर आए। सूर्या ने इस फिल्म के लिए 45 करोड़ रुपये की भारी भरकम फीस ली है।

आरजे बालाजी

आरजे बालाजी ने न सिर्फ 'करुप्पु' का निर्देशन किया है, बल्कि इसमें अभिनय भी किया है। बालाजी अपनी इस फिल्म में एक खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे,

जिसका नाम बेबी कन्नन है। उन्होंने इसके लिए 4 करोड़ रुपये फीस ली है।

योगी बाबू

ज्यादातर साउथ फिल्मों में अपनी दमदार कॉमेडी से सभी को हंसाने वाले योगी बाबू फिल्म 'करुप्पु' में सहायक कलाकार की भूमिका में से एक हैं। 'करुप्पु' के लिए योगी बाबू ने 2 करोड़ रुपये फीस ली है।

बाकी कलाकारों की फीस

'करुप्पु' के लिए नट्टी सुब्रमण्यम, इंद्रन्स और स्वासिका जैसे शानदार कलाकारों ने भी अपनी भूमिकाओं के लिए लाखों-करोड़ों की फीस ली है। मोहनलाल की फिल्म 'पैट्रियट' में आखिरी बार नजर आए इंद्रन्स की अगली फिल्म 'करुप्पु' के लिए 80 लाख रुपये लिए हैं। स्वसिका ने 'थम्मुडु' और 'रेट्रो' जैसी कई फिल्में की हैं। 'करुप्पु' में, अभिनेत्री की सहायक भूमिका है, जिसके लिए उन्होंने 40 लाख रुपये चार्ज किए हैं।

मैंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था

शरवरी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म में वेदांग रैना के साथ नजर आने वाली हैं और फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। उन्होंने बताया कि बचपन में उन्हें एक्टिंग वर्कशॉप्स काफी पसंद थीं, लेकिन उन्होंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था। जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा।

इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने 11वीं में साइंस स्ट्रीम ली थी क्योंकि उनका सपना सिविल इंजीनियर बनने का था। उनके पिता बिल्डर हैं और मां इंटीरियर डिजाइनर और आर्किटेक्ट, इसलिए उन्हें लगा कि वही रास्ता उनके लिए सही रहेगा। शरवरी ने कहा, 'मैंने कभी अपने पैरेंट्स को एक्टिंग के लिए मनाने की कोशिश नहीं की, क्योंकि वो हमेशा मेरे सपनों के साथ खड़े रहे। कॉलेज के दौरान मैंने एक टैलेंट प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और उसे जीतने के बाद मुझे ऑडिशन मिलने शुरू हो गए।'

हालांकि शुरुआत में उन्होंने इसे सिर्फ एक एक्सपेरिमेंट की तरह लिया, लेकिन उनके माता-पिता ने एक्टिंग के लिए उनका जुनून महसूस कर लिया था। शरवरी ने बताया, 'एक दिन मेरे पैरेंट्स ने मुझसे पूछा कि क्या तुम एक्ट्रेस बनना चाहती हो? उस पल सबकुछ बदल गया। मैंने कभी खुद से भी यह बात खुलकर नहीं कही थी, लेकिन जब उन्होंने पहली बार इसे जोर से कहा, तब मुझे हिम्मत मिली। मैं हर रात यह सपना देखती थी, लेकिन खुद से भी स्वीकार नहीं कर पाती थी।' शरवरी ने कहा कि उस सवाल के जवाब में उन्होंने सिर्फ 'हां' कहा और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर रकुल प्रीत सिंह का बयान

आज के समय में सोशल मीडिया कलाकारों के लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां लोकप्रियता भी मिलती है और आलोचना भी। एक तरफ जहां फैंस अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ पाते हैं, वहीं दूसरी तरफ ऑनलाइन ट्रोलिंग भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसी मुद्दे पर अब अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने आईएएनएस संग बातचीत में अपनी बेबाक राय रखी। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया के प्रभाव और उससे दूरी बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। आईएएनएस से बात करते हुए रकुल प्रीत सिंह ने कहा, ''एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह सोशल मीडिया पर चल रहे शोर और लगातार आने वाली प्रतिक्रियाओं से खुद को अलग रखना सीखे। अगर कोई कलाकार इंटरनेट पर लिखी हर बात को दिल से लगाने लगे, तो उसका असर उसके काम और मानसिक स्थिति दोनों पर पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि उनको अपनी ऊर्जा अपने काम पर लगानी चाहिए।'' रकुल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना व्यापक नहीं था। उस समय कलाकारों को आज की तरह तुरंत प्रतिक्रिया नहीं मिलती थी, जिससे मानसिक दबाव भी कम रहता था। उस दौर में आलोचना और चर्चा का तरीका अलग था, जबकि आज के समय में हर व्यक्ति अपनी राय तुरंत और मुखर होकर सोशल मीडिया पर व्यक्त करता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''कोरोना महामारी के बाद सोशल मीडिया का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। पिछले कुछ सालों में लोगों के पास ज्यादा समय था। इसका असर यह हुआ कि अब हर विषय पर लोगों की राय बहुत तेजी से सामने आती है और कलाकारों को लगातार आलोचना और टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है।'' रकुल प्रीत सिंह ने कहा, ''एक अभिनेता को इस शोर से खुद को दूर रखना चाहिए। कलाकार का काम अभिनय करना और अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाना है, न कि हर ऑनलाइन ट्रोलिंग का जवाब देना। अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया की हर बात को गंभीरता से लेने लगेगा, तो उसका ध्यान भटक जाएगा और उसका काम भी प्रभावित हो सकता है।''

मेरे कई रोल स्टारकिड्स को मिल गए

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। अभी सिर्फ फिल्म का एक गाना सामने आया है, जिसे पसंद किया जा रहा है। इस बीच कृति ने अपने ड्रीम रोल के बारे में बात की।

इस दौरान कृति ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर और संघर्षों को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें लंबे समय तक सिर्फ निराशा हाथ लगी और मनचाहे किरदार नहीं मिले। लेकिन बाद में 'मिमी' ने उनके लिए सबकुछ बदल दिया। एक्ट्रेस ने कहा कि कुछ भूमिकाएं ऐसी थीं जिनके मैं बहुत करीब पहुंच गई थी, लेकिन अंततः वे स्टार किड्स को मिल गईं, जो मेरे बस में नहीं था। जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं, तो आपको बहुत अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ता है। यह चलता रहा, इस दौरान मैंने जोखिम उठाए और अधिक सोच-समझकर फैसले लिए। मैंने हर मौके को अपनी मेहनत से कमाया है। मुझे कुछ भी आसानी से नहीं मिला। एक दौर ऐसा भी था जब कुछ भी काम नहीं कर रहा था और सब कुछ उलझन भरा लग रहा था। हालांकि, मैं उस दौर के लिए आभारी हूं, क्योंकि इसने मुझे यह स्पष्ट कर दिया कि मैं क्या नहीं करना चाहती। असफलताएं आपको सफलता से कहीं अधिक सिखाती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति अब 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रेखा की बायोपिक करना चाहती हैं कृति

बातचीत में जब कृति सेनन से पूछा गया कि वह किसकी बायोपिक का हिस्सा बनना चाहेंगी, तो कृति के मन में सिर्फ एक ही नाम था- रेखा। रेखा के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि उन्होंने जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीया है। इसलिए मुझे वह बेस्ट लगती हैं। मुझे पता है कि मैं उनके जैसी बिल्कुल नहीं दिखती, लेकिन मैं उनसे प्यार करती हूं। उनका दिल, उनका साहस, उनका व्यक्तित्व। वह मिलनसार, बुद्धिमान हैं।

इंटरनेट वाला ओरी और असली, जिंदगी वाला ओरी अलग नहीं है

इंटरनेट सेंसेशन, बॉलीवुड पार्टियों के परमानेंट गेस्ट और सोशल मीडिया के सबसे रहस्यमयी चेहरों में शामिल ओरी अब 'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आएंगे। लेकिन शो से पहले उन्होंने बातचीत में साफ कह दिया कि लोग उन्हें जितना पार्टी बॉय समझते हैं, वे उससे कहीं ज्यादा हैं।

ओरी का कहना है कि लोग अक्सर सोचते हैं कि सोशल मीडिया वाला ओरी सिर्फ कैमरों के लिए बनाया गया एक कैरेक्टर है। लेकिन उनके मुताबिक ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ एक ही ओरी है। लोग सोचते हैं कि इंटरनेट वाला ओरी और असली जिंदगी वाला ओरी अलग होंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। मैं नकली रूप बनाकर नहीं जीता। लेकिन हां, यह पहली बार है जब मैं इतने लंबे फॉर्मेट में लोगों के सामने रहूंगा। इसलिए सच कहूं तो मैं खुद भी उत्साहित हूं यह देखने के लिए कि दबाव, डर और मुश्किल हालात में मेरा कौन सा रूप बाहर आता है। शायद लोग पहली बार मुझे ग्लैमर और फिल्टर्स के बिना देखेंगे'।

उम्मीद है कि रोहित को भी मेरी वाइब पसंद आए

अपने कॉन्फिडेंस को लेकर ओरी बिल्कुल भी पीछे नहीं हटे। उनका कहना है कि उनके बारे में हर चीज अपने आप में एंटरटेनमेंट है। 'मुझे सच में लगता है कि मेरे बारे में हर चीज एंटरटेनिंग है। चाहे मेरी एनर्जी हो, मेरी पर्सनैलिटी हो, मेरा बोलने का तरीका हो या मेरे रिएक्शंस... लोग मुझे नजरअंदाज नहीं कर सकते। शायद यही वजह है कि बिना कुछ समझाए भी लोग लगातार मेरे बारे में बात करते रहते हैं। बस उम्मीद है कि रोहित शेट्टी को भी मेरी वाइब पसंद आए।'

लोगों ने मान लिया कि मैं मानसिक रूप से मजबूत नहीं हो सकता

जब ओरी से पूछा गया कि वह इस शो के जरिए लोगों की कौन सी राय बदलना चाहते हैं। तो उन्होंने कहा, 'लोग सोचते हैं कि मैं कमजोर हूं। सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं ग्लैमरस लाइफ जीता हूं, पार्टियों में दिखता हूं, लक्जरी पसंद करता हूं..., लोगों ने मान लिया कि मैं मानसिक रूप से मजबूत नहीं हो सकता। लेकिन ताकत सिर्फ मसल्स या गुस्से में नहीं होती। कभी-कभी सबसे मजबूत लोग वही होते हैं जो दबाव में भी खुद को खोते नहीं हैं। और शायद खतरों के खिलाड़ी में लोग पहली बार वो देखेंगे।'

मैं सिर्फ वायरल नहीं हूं... खिलाड़ी भी हूं

शो साइन करने की वजह बताते हुए ओरी ने कहा कि वह सिर्फ एक और कंटेस्टेंट बनने नहीं आए हैं। 'मैंने खतरों के खिलाड़ी सिर्फ एक और कंटेस्टेंट बनने के लिए साइन नहीं किया। मैंने यह शो इसलिए किया क्योंकि मैं दुनिया को दिखाना चाहता हूं कि मैं सिर्फ वायरल नहीं हूं। मैं खिलाड़ी भी हूं।'

लोगों ने मुझे इंटरनेट कैरेक्टर बना दिया

अपनी वायरल इमेज को लेकर ओरी ने बेहद विवादित बयान दिया। उनका कहना है कि लोगों ने उनके बारे में जो धारणा बना ली है। वह उनकी खुद की बनाई हुई नहीं है। 'लोगों ने मेरी यह इमेज बनाई है। लोगों ने मुझे मिस्ट्री बॉय बना दिया, सेलिब्रिटी बेस्ट फ्रेंड बना दिया, इंटरनेट कैरेक्टर बना दिया। लेकिन मैंने कभी खुद को उस तरह पेश नहीं किया। मजेदार बात यह है कि लोग पहले आपको एक कैरेक्टर बनाते हैं...फिर उसी कैरेक्टर को जज भी करने लगते हैं। अगर ऑडियंस अब मेरा कोई दूसरा साइड देखेंगे, तो मुझे उससे कोई दिक्कत नहीं है, क्योंकि वह इमेज उनकी बनाई हुई थी, मेरी नहीं।'

मुझे रेप्टाइल्स से नहीं... हारने से डर लगता है

आखिर में जब ओरी से पूछा गया कि उन्हें सबसे ज्यादा डर किस चीज से लगता है, तो उनका जवाब बेहद सीधा था। 'मुझे रेप्टाइल्स से डर नहीं लगता। मुझे खतरनाक स्टंट्स से डर नहीं लगता। लेकिन हां... मुझे हारना पसंद नहीं है, क्योंकि एक बार अगर लोगों को लगने लगे कि आप हार गए हो, तो वो आपको गंभीरता से लेना बंद कर देते हैं। और मैं कभी वो इंसान नहीं बनना चाहता।'

लॉ

सिर्फ वकालत ही नहीं करियर के लिए और भी हैं अवसर

बारहवीं पास करने के बाद छात्रों के सामने लॉ में भी करियर बनाने का विकल्प होता है। कानूनी पेशा युवाओं के बीच बीते कुछ वर्षो में काफी लोकप्रिय हुआ है। चुनौतियों से भरा होने के बावजूद यह पेशा करियर की दृष्टि से एक आकर्षक विकल्प है। कानून से जुड़ी पेचिदगियों और विस्तृत होते समाज के बीच वकीलों की भूमिका बेहद अहम हो गई है। उनका महत्व तब और भी बढ़ जाता है, जब समाज में तेजी से कानूनी प्रक्रियाओं और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता आ रही हो। लगभग हर दिन कोई न कोई नया आविष्कार या तकनीकी विकास होता है, इस कारण समय-समय पर सरकार को नए कानून बनाने या पूर्व प्रचलित कानूनों में संशोधन करने की जरूरत पड़ती है। परिणामस्वरूप नए कानूनों की जद में आने वालों के लिए पेशेवर कानूनी सलाह लेना जरूरी हो जाता है। इस वजह से भी वकीलों यानी लॉयर की मांग में कई गुना वृद्धि हुई है।

कौन हैं लॉयर

प्रतिष्ठित शब्दकोशों के मुताबिक लॉयर वह व्यक्ति है, जो कानूनी दांवपेचों को जानने और समझने में कुशल हो। एक अन्य परिभाषा पर गौर करें, तो लॉयर किसी सरकार या उसकी एजेंसी द्वारा अधिकृत वह व्यक्ति होता है, जो लॉ की प्रैक्टिस करने के अलावा अपने क्लाइंटों को कानूनी मुद्दों पर सलाह देने का कार्य करता है। किसी आम व्यक्ति की दृष्टि से देखें, तो लॉयर वह व्यक्ति है, जो किसी व्यवस्था (खासकर वैधानिक) की खामियों को तलाशने में दक्ष होता है।

लॉयर का काम

कानून के ये पेशेवर अपने क्लाइंट के लिए वकील और सलाहकार (एडवाइजर) की भूमिका निभाते हैं। दीवानी (सिविल) या फौजदारी (क्रिमिनल) मामलों में ये वादी (कम्प्लेनेंट) या प्रतिवादी (डिफेंडेंट) का संबंधित अदालतों में पक्ष रखते हैं। वह अदालत में अपने क्लाइंट की ओर से मुकदमा दायर करते हैं और उसके पक्ष को लेकर बहस भी करते हैं। वह किसी मामले विशेष के लिए कानूनी स्थितियों को स्पष्ट भी करते हैं। एडवाइजर या सॉलिसिटर के रूप में वह अपने क्लाइंट को परामर्श देते हैं कि उनके (क्लाइंट के) मामले से संबंधित तथ्यों पर कौन-सा कानून किस तरह लागू होगा। अदालत में मामला पहुंचने पर सॉलिसिटर संबंधित मामले की पैरवी करने वाले वकील को जरूरी सलाह भी देते हैं।

कैसे बनें वकील

लॉ की पढ़ाई के बाद शुरुआती दौर में किसी वकील के साथ जूनियर असिस्टेंट के रूप में काम करना होता है। इस दौरान फाइलिंग, रिसर्च, अदालतों से तारीख लेना, नियोक्ता वकील के साथ अदालत की कार्यवाही में हिस्सा लेना और केस ड्राफ्ट करना (मुकदमे के कागजात तैयार करना) आदि काम करने पड़ते हैं। वकालत से जुड़ी इन बुनियादी चीजों को समझने के बाद स्वतंत्र रूप से वकील के रूप में काम शुरू किया जा सकता है।

कैसे बनें सॉलिसिटर

इसके लिए आर्टिकलशिप या पढ़ाई के दौरान किसी सॉलिसिटर फर्म में जूनियर के रूप में काम किया जा सकता है। यहां भी जूनियर को वकालती पेशे से जुड़े रोजमर्रा के काम (मसलन केस को पढ़ना, सूट फाइल करना और नोटिस तैयार करना आदि) करने होते हैं। इस दौरान जूनियर को अपने वरिष्ठों के मार्गदर्शन में तरह-तरह के कानूनों (लेबर, टैक्सेशन और इंडस्ट्रियल लॉ आदि) से संबंधित मामलों को समझने का मौका मिलता है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद जूनियर अपने वरिष्ठों के समान ही दक्ष हो जाते हैं। इसके बाद वह किसी भी सॉलिसिटर फर्म में सॉलिसिटर बन सकते हैं। मौजूदा वक्त में लॉ ग्रेजुएट के लिए भरपूर संभावनाएं हैं। वह एडवोकेट के रूप में किसी न्यायालय में प्रैक्टिस करने के अलावा किसी कॉर्पोरेट फर्म के लिए भी काम कर सकते हैं। इसी तरह राज्यों के लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली न्यायिक सेवा परीक्षा को पास करके जज भी बना सकता है। वकालत का लंबा अनुभव होने पर सॉलिसिटर जनरल या पब्लिक प्रोसिक्यूटर बनने का भी अवसर होता है। इसी अनुभव की बदौलत सरकारी विभागों और मंत्रलयों में भी काम हासिल करना संभव होता है। इतना ही नहीं लॉयर बनकर किसी फर्म या ऑर्गनाइजेशन में लीगल एडवाइजर या लीगल काउंसिल के रूप में भी काम किया जा सकता है। इसके अलावा उनके पास टैक्स, एक्साइज, पेटेंट, लेबर और इंवायरन्मेंटल लॉ आदि से संबंधित लीगल कंसल्टेंसी फर्मो में काम करने का भी विकल्प होता है। वह विभिन्न ट्रस्टों के लिए ट्रस्टी के रूप में और प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संगठनों में लीगल रिपोर्टर के रूप में भी काम कर सकते हैं। लॉ पेशेवरों के पास लॉयर बनने के इतर भी करियर के लिहाज से कई विकल्प होते हैं। वह लॉ कॉलेजों और स्कूलों में लेक्चरर या असिस्टेंट प्रोफसर बनकर अध्यापन कर सकते हैं। इतना ही नहीं वह राजनीति में भी उतर सकते हैं, क्योंकि काम के सिलसिले में उनका काफी लोगों से संपर्क रहता है।

योग्यता

छात्र अपनी सुविधा के अनुसार लॉ के तीन वर्षीय या पांच वर्षीय बैचलर डिग्री पाठ्यक्रम में से किसी एक को अध्ययन के लिए चुन सकते हैं। तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश ग्रेजुएशन के बाद मिलता है, जबकि पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में दाखिला बारहवीं के बाद होता है। देश के जिन विश्वविद्यालयों में लॉ का तीन वर्षीय पाठ्यक्रम उपलब्ध है, वहां संबंधित संस्थान द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के जरिए दाखिले होते हैं। पांच वर्षीय पाठ्यक्रम की दाखिला प्रक्रिया को देखें, तो देश की 14 नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी इसके लिए क्लैट (कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट) नाम से प्रवेश परीक्षा का आयोजन करती हैं। इस परीक्षा में 50 फीसदी अंकों के साथ बारहवीं पास हुए छात्र आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा में इंग्लिश, जनरल नॉलेज, मैथमेटिकल एबिलिटी, लीगल एप्टिटयूड और लॉजिकल रीजनिंग से प्रश्न पूछे जाते हैं। देश के कई अन्य विश्वविद्यालयों में भी लॉ में पांच वर्षीय पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। दाखिले के लिए ये सभी संस्थान अपने स्तर पर प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करते हैं।

लॉ में बैचलर डिग्री पाने के बाद एलएलएम और पीएचडी भी किया जा सकता है। इससे शिक्षण के क्षेत्र में जाने में मदद मिलेगी। अगर आप किसी किसी कानून विशेष में स्पेशलाइजेशन करना चाहते हैं, तो पीजी डिग्री और पीजी डिप्लोमा स्तर पर स्पेशलाइजेशन के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

पाठ्यक्रमों का नियमन

देश में एलएलबी पाठ्यक्रमों का नियमन बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) करता है। इसके अलावा देश में वकालत के लिए जरूरी दिशा-निर्देशों और नियमों को तय करने का कार्य भी बीसीआई करता है।

जरूरी गुण

बेहतर संवाद कौशल
अच्छी याददाश्त
त्वरित प्रतिक्रिया देने का सामर्थ्य
तार्किकता और चीजों का विश्लेषण करने में दक्षता
ध्यान से बातों को सुनने का धैर्य
दायरों को पार जाकर सोचने का हुनर
कानूनी पहलुओं की बेहतर जानकारी
समर्पण के साथ कड़ी मेहनत करने का जज्बा

उपलब्ध पाठ्यक्रम

एलएलबी, अवधि - तीन वर्ष
बीए एलएलबी (ऑनर्स), अवधि - पांच वर्ष
बीएससी एलएलबी (ऑनर्स), अवधि - पांच वर्ष
बीकॉम एलएलबी (ऑनर्स), अवधि - पांच वर्ष
एलएलएम पीएचडी

संबंधित संस्थान

नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु
गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी
सिंबायोसिस सोसायटीज लॉ कॉलेज, पुणे
नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर
नल्सर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद
नेशनल लॉ इंस्टीटयूट यूनिवर्सिटी, भोपाल
फैकल्टी ऑफ लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली
बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी
नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंसेज, कोलकाता
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी
गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली

होम साइंस में भी संभव है बेहतर कॅरियर और रोजगार की तलाश

दसवीं या बारहवीं पास करने वाले छात्रों के लिए साइंस, कॉमर्स और ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम के बाद होम साइंस के रूप में एक और विकल्प होता है। करियर के लिहाज से यह विकल्प छात्रों और अभिभावकों के बीच बहुत ज्यादा चर्चित नहीं है। इसकी वजह कुछ गलत धारणाएं हैं, जो होम साइंस स्ट्रीम में मौजूद अवसरों की जानकारी न होने से छात्रों और अभिभावकों में बनी हैं। आज के कॉलम में पढ़िए होम साइंस स्ट्रीम और उससे जुड़े तरक्की के आयामों के बारे में।

क्या है होम साइंस स्ट्रीम

यह एक ऐसी स्ट्रीम है, जिसे भ्रांतिवश सही संदर्भो में न समझकर सिर्फ लड़कियों के लिए मान लिया जाता है। काफी अभिभावक लड़कियों की शिक्षा को जरूरी मानते हैं, लेकिन वह इससे भी ज्यादा अहमियत इस बात को देते हैं कि लड़कियां घर और उसके कामकाज को संभालन में ज्यादा कुशल हों। होम साइंस की पढ़ाई में होम मैनेजमेंट के प्रशिक्षण के अलावा कई तरह के रोजगारों में उपयोगी कौशल का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। इसलिए यह कहना ठीक नहीं है कि यह स्ट्रीम सिर्फ लड़कियों के लिए ही उपयोगी है। इस स्ट्रीम के तहत मिलने वाले प्रशिक्षण का लाभ लड़के भी रोजगार कुशलता (इंप्लॉयबिलिटी स्किल) बढ़ाने में कर सकते हैं। बदलती सामाजिक परिस्थितियों में घर और पारिवारिक जीवन के कल्याण और उनकी देखरेख के लिए आधुनिक ढंग और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से युक्त होम मैनेजमेंट जरूरी है। इस जरूरत को पूरा करने की शिक्षा और उपयोगी प्रशिक्षण देने का कार्य होम साइंस करता है। यह 'बेहतर जीवनशैली' पर केंद्रित शिक्षा है और इसकी अवधारणा का मूल बिंदु पारिवारिक पारिस्थितिकी (इकोसिस्टम) का निर्माण है।

होम साइंस का विषय क्षेत्र

इस स्ट्रीम के पाठ्यक्रम में साइंस और ह्यूमेनिटीज के विषय भी शामिल होते हैं। इस कारण इस स्ट्रीम का अध्ययन क्षेत्र काफी व्यापक होता है। इसमें केमिस्ट्री, फिजिक्स, फिजियोलॉजी, बायोलॉजी, हाइजिन, इकोनॉमिक्स, रूरल डेवलपमेंट, चाइल्ड डेवलपमेंट, सोशियोलॉजी एंड फैमिली रिलेशन्स, कम्यूनिटी लिविंग, आर्ट, फूड, न्यूट्रिशन, क्लॉथिंग, टेक्सटाइल्स और होम मैनेजमेंट आदि विषय शामिल होते हैं।

10वीं के बाद है उपलब्ध

विषय के रूप में होम साइंस सीबीएसई और ज्यादातर राज्य बोर्डो में 11वीं और 12वीं कक्षा के स्तर पर उपलब्ध है। कॉलेज के स्तर पर इस विषय की उपलब्धता को देखें, तो यह देश के काफी विश्वविद्यालयों में तीन वर्षीय बैचलर डिग्री पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जा रहा है। इस विषय के साथ बीए या बीएससी डिग्री हासिल की जा सकती है। होम साइंस में ग्रेजुशन के बाद इस विषय में मास्टर डिग्री की पढ़ाई करने के अलावा फैशन डिजाइनिंग, डाइटिटिक्स, काउंसलिंग, सोशल वर्क, डेवलपमेंट स्टडीज, इंटरप्रिन्योरशिप, मास कम्यूनिकेशन और कैटरिंग टेक्नोलॉजी आदि विषयों में भी पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है। इस विषय के छात्रों के पास बीएड करने का भी विकल्प रहता है।

होम साइंस के प्रमुख क्षेत्र

फूड एंड न्यूट्रिशन
रिसोर्स मैनेजमेंट
ह्यूमन डेवलपमेंट
फैब्रिक एंड अपेरल साइंस
कम्यूनिकेशन एंड एक्सटेंशन

इन क्षेत्रों के अलावा कुछ अन्य विषय भी होम साइंस के पाठ्यक्रमों में शामिल होते हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-इंटरप्रिन्योरशिप, फैमिली लाइफ एजुकेशन, चाइल्ड डेवलपमेंट, टेक्सटाइल डिजाइनिंग, होम इकोनॉमिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, फूड प्रिजर्वेशन और फैशन डिजाइनिंग।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

डिप्लोमा इन होम साइंस 'बीएससी (होम साइंस) 'बीएससी (ऑनर्स) होम साइंस बीएचएससी 'बीएससी (ऑनर्स)फूड एंड न्यूट्रिशन 'बीएससी (ऑनर्स) ह्यूमन डेवलपमेंट
एमएससी (होम साइंस) 'पीएचडी

जरूरी गुण

विश्लेषणात्मक सोच 'प्रायोगिक और तार्किक दृष्टिकोण 'वैज्ञानिक सूझबूझ 'चीजों को व्यवस्थित करने का हुनर - सौंदर्यबोध और रचनाशीलता
प्रभावी संवाद कौशल
विवेक के साथ घरेलू जुड़े कार्यों को करने में रुझान हो
संतुलित नजरिया

रोजगार के मौके

टेक्सटाइल के क्षेत्र में मर्चेंडाइजर या डिजाइनर
हॉस्पिटल और खाद्य क्षेत्र में न्यूट्रिशनिस्ट या डाइटिशियन
टूरिस्ट रिजोर्ट, रेस्टोरेंट और होटल में हाउस कीपिंग कार्य की देखरेख
शैक्षणिक या कामकाजी संस्थानों में कैंटरिंग सुविधा देने का कार्य
खाद्य उत्पादों के निर्माण और विकास कार्यों का पर्यवेक्षण
रिसोर्स मैनेजमेंट
फैमिली काउंसलर
सोशल वर्क और ह्यूमन डेवलपमेंट
अनुसंधान और शिक्षण कार्य
टेक्सटाइल, फूड, बेकिंग और कंफेक्शनरी के क्षेत्र में स्वरोजगार

संबंधित संस्थान

दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
यूनिवर्सिटी ऑफ बॉम्बे, मुंबई
आचार्य एनजी रंगा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद
इलाहाबाद एग्रीकल्चरल इंस्टीटयूट, इलाहाबाद
चंद्रशेखर आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, कानपुर
यूनिवर्सिटी ऑफ कैलकटा, कोलकाता
राजस्थान एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, बीकानेर
राजेंद्र एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, पूसा
नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, फैजाबाद
गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंतनगर
महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, उदयपुर
सीएसके हिमाचल प्रदेश एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, पालमपुर

कॉलेज लाइफ का हिस्सा बनने से जुड़ी अनुभूति बेहद खास होती है। इस अहसास को शब्दों में बयां करना काफी मुश्किल है। हर छात्र में कॉलेज के पहले दिन को लेकर एक उत्साह होता है। लेकिन इसके साथ ही छात्रों के मन में रैगिंग से जुड़ा एक डर भी होता है। इसकी वजह रैगिंग से जुड़ी वे घृणित और अमानवीय घटनाएं होती हैं, जिनकी सूचना उन्हें अखबारों, समाचार चैनलों या अपने दोस्तों से मिली होती है।

रैगिंग से घबराएं नहीं हिम्मत से करें मुकाबला

रैगिंग को आमतौर पर पुराने छात्रों द्वारा कॉलेज लाइफ में नए छात्रों के स्वागत का दोस्ताना तरीका माना जाता है। एक रूप में इसे नए छात्रों और पुराने छात्रों के बीच की दूरियों को पाटने का प्रयास भी माना जाता है, जो नए छात्रों को अपने वरिष्ठों (सीनियर्स) के साथ घुलने-मिलने और संवाद कायम करने का मौका देता है। हालांकि बीते कुछ वर्षों में सामने आए कई मामलों ने इसे मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के माध्यम के रूप में कुख्यात कर दिया है।

कॉलेज के पहले दिन

अच्छे मिजाज और खुले दिमाग के साथ कॉलेज में पहले दिन की शुरुआत करें। अगर वरिष्ठ आपसे कोई मजाकिया या दिमागी सवाल पूछें, आपको कोई सामूहिक काम सौंपें, नाचने या गाने को कहें, तो उनकी बातों को सहजता से मान लें। इनमें से कई चीजें आपके लिए सामाजिक रूप से चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन इनसे आपको अपने कंफर्ट जोन से बाहर कदम बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह आपके लिए एक अनुभव जैसा होगा, जो आपको सिखाएगा कि नई तरह की चुनौतियों के दबाव से कैसे निपटा जाता है। कुछ वरिष्ठ आपको ऐसे भी मिल सकते हैं, जो आपके सामने अपनी वरिष्ठता जताने की कोशिश करेंगे, ऐसी स्थिति का सहज रहते हुए अपने विवेक के सहारे सामना करें। इस दौरान अगर आपको महसूस हो कि वह (वरिष्ठ छात्र) मर्यादा की सीमाएं लांघ रहे हैं, तो तत्काल वहां से हट जाएं। एक बात हमेशा ध्यान में रखिए कि किसी कार्य को करने के लिए कोई भी आपको मजबूर नहीं कर सकता है। इसी तरह किसी की बात पसंद न आने पर आपको उस जगह से जाने से भी कोई नहीं रोक सकता है। अगर कोई आपकी इच्छा के विरुद्ध आपको जबरदस्ती कुछ करने के लिए मजबूर करता है, तो चुप मत रहिए, तत्काल अपने कॉलेज प्रशासन को अपने साथ हुए व्यवहार की शिकायत कीजिए। हर कॉलेज के परिसर में एक एंटी-रैगिंग स्क्वाड होता है, जो गलत ढंग से छात्रों के साथ की जाने वाली रैगिंग पर नजर रखने और दोषियों के खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई करने के लिए जिम्मेदार होता है। ऐसी स्थिति में आप कॉलेज प्रशासन द्वारा स्थापित किए गए हेल्पलाइन नंबरों पर भी मदद के लिए संपर्क कर सकते हैं।

रैगिंग से बचने के कुछ तरीके

अगर कोई आपके साथ मारपीट करता है, तो खुद मारपीट में उलझने की बजाए इस स्थिति से खुद को बचाने के लिए वहां से भागने की कोशिश करें। फिर कॉलेज के शिक्षकों या प्रशासनिक अधिकारियों को घटना के बारे में सूचित करके मदद मांगें।

सभी के साथ सहज व्यवहार करें और खुद को कहीं से भी डरा हुआ या अजनबी महसूस न होने दें। इसी के साथ यह भी जरूरी है कि आप खुद को अति आत्मविश्वासी और ज्यादा तेज भी न दिखाएं।

कॉलेज में किसी परिचित (दोस्त, रिश्तेदार या कोई करीबी व्यक्ति) को तलाशने की कोशिश करें, जो कॉलेज के माहौल में ढलने में आपकी मदद कर सके।

लोगों और अपने सहपाठियों के साथ बात करने में सावधानी बरतें। कोई ऐसी बात न करें, जो तार्किक रूप से गलत हो मसलन किसी शहर, धर्म या जाति आदि से संबंधित लोगों को तुच्छ बताना। इसी तरह बातचीत के क्रम में शब्दों के इस्तेमाल पर भी खास ध्यान दें, क्योंकि बिना किसी दुर्भावना के कही गई सामान्य से सामान्य बात को भी लोगों द्वारा तोड़-मरोड़कर गलत अर्थों में पेश किया जा सकता है। अगर कभी गलती से आप ऐसी किसी स्थिति में फंस जाएं, तो लोगों के बीच आपसी संवाद को बढ़कर स्थिति को सामान्य करने की कोशिश करें।

दाखिला लेने से पहले कॉलेज के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानने की कोशिश करें। अगर उसमें रैगिंग से जुड़े मामलों की ज्यादा संख्या के बारे में पता चले, तो किसी और कॉलेज में प्रवेश लेने के विकल्प के बारे में भी सोचें।

रैगिंग होने पर क्या करें

अपने अभिभावकों को सूचित करें। यह मत सोचें कि जो हुआ वह चलता रहता है और उसके बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।
कॉलेज में शिकायत करें।
अपने दोस्तों को अपने साथ हुई घटना के बारे में बताएं।